आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, शुक्रवार
13 जून 2025
वर्ष: 38, अंक: 187
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

असम प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने किया भाजपा में जाने की अटकलों को खारिज

झारखंड

मगही, भोजपुरी एवं हिंदी को जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री से आग्रह करेगा झामुमो: दीपक तिवारी

हज़ारीबाग

गरीबों, नारी शक्ति एवं किसानों के प्रति समर्पित सरकार मोदी जी की है: रघुवर दास

अहमदाबाद विमान हादसा, भारतीय मूल का ब्रिटिश नागरिक जिंदा बचा: बाकी 241 यात्रियों की मौत

अहमदाबाद, ब्यूरो। अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। अब तक हादसे में केवल एक यात्री के जिंदा बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है।

प्लेन की सीट नंबर 11-A पर बैठे हुए भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बच गए हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है। इससे पहले न्यूज एजेंसी ANI ने पुलिस कमिश्नर के हवाले से जानकारी दी थी कि एक अन्य व्यक्ति का अस्पताल में इलाज चल रहा है। थोड़े और समय पहले AP ने कहा था कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है।

एअर इंडिया की उड़ान संख्या AI-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। 103 पुरुष, 114 महिलाएं, 11 बच्चे और 2 नवजात शामिल हैं। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे।

हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। भाजपा के राज्यसभा

सांसद परिमल नाथवानी ने X पर यह जानकारी दी। हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने अपनी पोस्ट डिलीट कर दी। प्लेन जिस बिल्डिंग से टकराया, वहां अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स रहते हैं। जानकारी के मुताबिक हादसे के समय इमारत में 50 से 60 डॉक्टर मौजूद थे, इनमें 15 से ज्यादा घायल हो गए हैं।

हादसे की जगह से मिले ज्यादातर शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान करने में बेहद मुश्किल आ रही है। उनकी पहचान DNA टेस्ट के बाद ही संभव होगी।

बोइंग का 787-8 ड्रीमलाइनर विमान अपनी फ्यूल एफिशिएंसी और आरामदायक सफर के लिए जाना जाता है। हालांकि इसकी सेफ्टी को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। इसमें खामियां सामने आने के बाद दुनियाभर में इसकी फ्लीट के उड़ान भरने पर 3 महीने के लिए रोक लगा दी गई थी।

एयर इंडिया की फ्लाइट नंबर AI-171 ने दोपहर 1:38 बजे उड़ान भरी थी। दोपहर 1:40 बजे यह क्रैश हो गई।जानकारी के मुताबिक विमान एयरपोर्ट की दीवार और एयर कस्टम कार्गो ऑफिस के पास क्रैश हुआ। विमान के गिरते ही पूरे इलाके में धुएं का गुबार दिखाई दिया।टाटा ग्रुप ने मृतकों के परिजन को 1 करोड़ देगा

टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने घटना पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा-केरल के कोझिकोड में 7 अगस्त 2020 को एअर इंडिया एक्सप्रेस का विमान रनवे से फिसलकर क्रैश हो गया था। इसमें 21 यात्रियों की मौत हुई थी, जबकि 110 लोग घायल हुए थे। इसमें कोरोना के दौरान वंदे भारत मिशन के तहत दुबई से भारतीयों को लाया जा रहा था।

1. देखिए अहमदाबाद प्लेन क्रैश PHOTOS में, सड़कों पर लाशें बिखरीं, शरीर जले-पहचानना मुश्किल

गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया प्लेन क्रैश में 100 से ज्यादा यात्री मारे गए हैं। अहमदाबाद से लंदन जा रहे विमान में 242 यात्री सवार थे। हादसे के बाद पूरे इलाके में धुएं का गुबार दिखाई दिया। (पूरा हादसा देखने के लिए क्लिक करें)

2. अहमदाबाद सिविल अस्पताल में स्ट्रेचर कम पड़े तो हाथ ठेले से लेकर पहुंचे शव, अस्पताल में ओ निगेटिव ब्लड की कमी

अहमदाबाद प्लेन क्रैश होने के बाद हादसे के शिकार लोगों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल लाया जा रहा है। अस्पताल में स्ट्रेचर कम पड़े तो हाथ ठेले से शवों को ले जाया जा रहा है। अस्पताल में ओ निगेटिव ब्लड की कमी होने के बाद ब्लड डोनेशन की अपील की है।

3. अहमदाबाद में प्लेन डॉक्टर हॉस्टल की 4 बिल्डिंग से टकराया: लंच के समय अतुल्य हॉस्टल में 50-60 इंटर्न डॉक्टर मौजूद थे, अब तक 6 शव मिले

अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन सिविल हॉस्पिटल के हॉस्टल की 4 बिल्डिंग से टकराया था। जिनमें रेजिडेंट डॉक्टर रहते थे। घटना के दौरान हॉस्टल में 50 से 60 इंटर्न डॉक्टर्स मौजूद थे। ज्यादातर मेस में लंच कर रहे थे। धमाके का असर इतना था कि अंदर मौजूद डॉक्टरों के शव भी टुकड़ों में बिखर गए।

4. भारत के 5 बड़े प्लेन हादसे: हरियाणा में दो प्लेन टकराए, 349 मौतें, कर्नाटक में खाई में गिरा

अहमदाबाद प्लेन हादसे में अब तक 100 शव बरामद हुए हैं। हम आपको देश के 5 बड़े हादसों के बारे में बता रहे हैं।

5. विजय रूपाणी 3 दिन पहले लुधियाना से लौटे थे: उपचुनाव में प्रचार किया, तीन साल से पंजाब-चंडीगढ़ BJP के प्रभारी थे

अहमदाबाद में क्रैश हुए एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन में पंजाब BJP के प्रभारी एवं गुजरात के पूर्व ष्टरूविजय रूपाणी का निधन हो गया। वह 3 साल से पंजाब और चंडीगढ़ BJP के प्रभारी थे। उन्होंने 3 दिन पहले लुधियाना में वेस्ट हलका के उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार जीवन गुप्ता के लिए प्रचार किया था।

मैं बच गया-एयर इंडिया विमान क्रैश में जिंदा बचे अहमदाबाद के शख्स की आपबीती

व्अहमदाबाद, ब्यूरो। अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइटAI 171, जो कि बोइंग 787 ड्रीमलाइनर थी, 12 जून 2025 को टेकऑफ करते ही रिहायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। विमान में कुल 242 लोग सवार थे। हादसे में अब तक 204 लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है। (हालांकि वनइंडिया हिंदी इसकी पुष्टि नहीं करता है) यह देश की सबसे भयावह विमान दुर्घटनाओं में से एक मानी जा रही है। इस हादसे में अब-तक एक शख्स के जिंदा बचने की खबर सामने आई है। जाको राखे साइयां मार सके ना कोई ये कहावत एयर इंडिया विमान में सवार यात्री 40 वर्षीय विश्वाश कुमार रमेश पर बिल्कुल सटीक बैठती है। अहमदाबाद के पुलिस कमिश्नर जीएस मलिक ने जानकारी दी है कि सीट नंबर 11 पर विश्वाश कुमार रमेश यात्रा कर रहे थे, जो जिंदा है और उनका इलाज चल रहा है। विश्वाश, जिनके सीने, आंखों और पैरों पर कई चोटें आई हैं लेकिन उनकी हालत अब स्थिर है। विश्वाश ने कहा, मौत मेरे सिर के ऊपर से गुजर गई, मैं बच गया।

पहले ही भांप लिया था क्रैश हो सकता है एयर इंडिया विमान! विश्वाश एक ब्रिटिश नागरिक हैं और कुछ दिनों के लिए अपने परिवार से मिलने भारत आए थे और अपने भाई अजय कुमार रमेश (45) के साथ वापस यूके जा रहे थे। सोशल मीडिया पर विश्वाश और उनका बोर्डिंग पास वायरल हो रहा है। अस्पताल के बिस्तर पर लेटे विश्वास ने बताया कि कैसे कुछ ही सेकंड में जिंदगी और मौत के बीच की दूरी महसूस हुई। उसका कहना है कि यह एक चमत्कार है कि वह अब भी जिंदा है। क्ष्2द्गह्द्गस्त्र क्व्4 स्न्द्यक्क एयर इंडिया विमान क्रैश में जिंदा बचे शख्स ने बताया कैसे हुआ हादसा? हिन्दुस्तान टाइम्स से बात करते हुए विश्वाश ने कहा, %%विमान के टेक ऑफ होते ही 30 सेकेंड के भीतर तेज आवाज हुई और फिर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह सब बहुत जल्दी हुआ।%% विश्वाश ने कहा, ÷जब मैं उठा तो मेरे चारों तरफ लाशें पड़ी थीं। मैं डर गया। मैं खड़ा हुआ और भागा। मेरे चारों तरफ विमान के टुकड़े पड़े थे। किसी ने मुझे पकड़ लिया और एम्बुलेंस में डालकर अस्पताल ले गया।÷ विश्वाश ने कहा कि वह 20 साल से लंदन में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी और बच्चा भी लंदन में रहते हैं। उन्होंने बताया कि उनके भाई अजय विमान में अलग सीट पर बैठे थे। उन्होंने कहा, ÷हम दीव गए थे। वह मेरे साथ यात्रा कर रहे थे और अब मैं उन्हें नहीं ढूंढ पा रहा हूं। कृपया उन्हें ढूंढने में मेरी मदद करें।÷

पीएलएफआई उग्रवादियों की फायरिंग से दहल उठी रांची, फैक्ट्री के गेट पर हथियार के साथ तांडव

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची। राजधानी के खरसिदाग ओपी इलाके स्थित हिंदुस्तान टाइल्स नामक फैक्ट्री की गेट पर पीएलएफआई उग्रवादियों ने बुधवार देर रात ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना को अंजाम दिया है। साथ ही एक पर्चा भी छोड़ा है। बाइक में बैठे दो उग्रवादियों ने फैक्ट्री गेट की ओर ताबड़तोड़ फायरिंग की और फरार हो गए। अपराधियों की यह करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

उग्रवादियों का आतंक ्वहीं पर्चा पीएलएफआई के लेटर हेड में लिखा हुआ है। पीएलएफआई के सब जोनल कमांडर की ओर से पर्चे में लिखा गया है कि तुम लोगों को समझाते हैं, तो समझते नहीं हो, बहुत बुरा अंजाम होगा। जल्द पीएलएफआई कमांडर से संपर्क करो। नहीं तो आगे अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो। इस पर्चे को पुलिस को सौंप दिया गया है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच करने में जुटी हुई है।

निजीकरण के बाद खराब होती छवि, अब अहमदाबाद हादसा

एअर इंडिया के लिए आगे की राह कितनी मुश्किल

नई दिल्ली, ब्यूरो। देश की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित एयरलाइनों में से एक एअर इंडिया की ओर से संचालित बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान गुरुवार को अहमदाबाद में हादसे का शिकार हो गया। विमान अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा था, जो उड़ान भरने के कुछ ही क्षण बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान पर चालक दल के सदस्यों समेत 242 लोग सवार थे। अधिकारियों के अनुसार, हादसे में किसी के बचने की उम्मीद काफी कम है। निजीकरण के बाद सुविधाओं के मामले में अपनी खराब होती छवि के बीच अहमदाबाद विमान हादसा एअर इंडिया के लिए एक बड़े झटके की तरह है। सरकारी टैग हटने के बाद अब तक विमानन कंपनी की साख फिर से बहाल करने के लिए टाटा समूह की ओर से क्या-क्या किया गया है? अहमदाबाद हादसे के क्या मायने हैं? आइए विस्तार से जानते हैं।

1932 में स्थापित एयरलाइन के लिए विमान हादसा बड़ा झटका क्यों? ्एअर इंडिया की शुरुआत 1932 में उद्यमी जेआरडी टाटा ने की थी। 1953 में भारत सरकार ने इसका अधिग्रहण कर लिया था। सरकार के अधीन, वर्षों के कुप्रबंधन और बढ़ती

प्रतिस्पर्धा के कारण एयरलाइन पर कर्ज का बोझ बढ़ता गया। उसके बाद टाटा समूह ने 2022 में 2.2 बिलियन डॉलर के सौदे में एयरलाइन का संचालन अपने हाथ में ले लिया। उसके बाद से एयरलाइन को वापस ऊंचाइयों की पर पहुंचाने की कोशिश हो रही है। लेकिन, एअरलाइन की सेवाओं पर सवाल उठने से समय-समय पर उसकी छवि खराब होती रही है। खुद केंद्रीय मंत्री विमान में मौजूद सुविधाओं पर सवाल उठा चुके हैं। इस बीच, अहमदाबाद में हुआ यह हादसा विमानन कंपनी के लिए एक बड़े झटके की तरह है। यहां से आगे की राह विमानन कंपनी के लिए बहुत कठिनाई भरी हो सकती है।

कितना बड़ा है एअर इंडिया का बेड़ा, कितनी उड़ानें? ्एअर इंडिया वर्तमान में 43 घरेलू और 41 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ान भरती है। मई महीने तक के आंकड़ों के अनुसार, यह 191 विमानों का संचालन करती है। इसके बेड़े में एयरबस और बोइंग दोनों विमान निर्माता कंपनियों के संकीर्ण (नैरो) और चौड़ी (वाइड) बॉडी मॉडल शामिल हैं। वर्तमान में यह देश की एकमात्र एयरलाइन है जो ऑस्ट्रेलिया से लेकर यूरोप और उत्तरी अमेरिका तक लंबी दूरी के गंतव्यों तक सीधी उड़ान भरती है। इसकी कम लागत वाली इकाई, एयर इंडिया एक्सप्रेस, भारत और विदेश में 55 गंतव्यों के लिए उड़ान भरती है, जिसका मुख्य ध्यान मध्य पूर्व के देशों पर है।

एअर इंडिया के विलय की क्या कहानी है? : टाटा समूह ने नवंबर में एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस को अपने उस समय के मौजूदा एयरलाइन्स विस्तारा और AIX कनेक्ट के साथ विलय कर दिया। इसके बाद यह इंडिगो के बाद भारत का सबसे बड़ा एयरलाइन समूह बन गया। एयर इंडिया का विस्तारा के साथ भी विलय हो चुका है। एयर इंडिया एक्सप्रेस का AIX कनेक्ट के साथ विलय हुआ है। इन एयरलाइनों के पास भारत के घरेलू विमानन बाजार का लगभग 30त्न हिस्सा है। सिंगापुर एयरलाइंस, जिसने टाटा के साथ मिलकर पूर्ण-सेवा वाली एयरलाइन विस्तारा शुरू की थी, संयुक्त एयर इंडिया समूह में 25% की मालिक है।

एअर इंडिया ने कितने विमानों के ऑर्डर दे रखे हैं? : एयर इंडिया ने फरवरी 2023 में एयरबस और बोइंग से संयुक्त रूप से 470 जेट विमानों का विश्व का सबसे बड़ा ऑर्डर दिया था। पिछले वर्ष दिसंबर में एयरबस से 100 जेट विमानों का ऑर्डर मिला था। रॉयटर्स ने जून की शुरुआत में बताया था कि एयर इंडिया, एयरबस और बोइंग के साथ एक बड़े नए विमान सौदे के लिए बातचीत कर रही है।

अहमदाबाद एयर इंडिया प्लेन क्रैश में गुजरात के पूर्व CM विजय रुपाणी का निधन, सीआर पाटिल ने दी श्रद्धांजलि

अहमदाबाद, ब्यूरो। गुजरात के लिए गुरुवार का दिन काफी मनहूस साबित हुआ। अहमदाबाद से लंदन जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एयरपोर्ट के पास ही क्रैश हो गई। इस हादसे में गुजरात के 16वें मुख्यमंत्री विजय रुपाणी समेत 200 से अधिक लोगों की दुखद मौत हो गई। एयर इंडिया की ड्रीमलाइनर फ्लाइट में कुल 242 लोग मौजूद थे। इनमें 230 यात्री थी। इनमें गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी भी शामिल थे। प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले विजय रुपाणी गुजरात के दूसरे सीएम हैं। इससे पहले बलवंतराय मेहता की छह दशक पहले प्लेन क्रैश में मौत हुई थी। गुजरात बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने विजय रुपाणी की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने कहा यह हादसा बहुत बड़ा है। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। पाटिल ने कहा कि पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुजरात पहुंच रहे हैं।

सरकार और संगठन दोनों संभाले ्विजय रुपाणी गुजरात बीजेपी के इकलौते ऐसे नेता थे जिन्होंने राज्य में सरकार और संगठन दोनों की कमान संभाली। वह पहले प्रदेश अध्यक्ष बने और फिर जब राज्य में आनंदीबेन पटेल ने इस्तीफा दिया तो वह राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। वह 2016 से लेकर 2021 तक सीएम रहे। उन्हें संवेदनशील सीएम के तौर पर जाना गया। जब बीजेपी ने राज्य में नो रिपीट थ्योरी लागू की तो उन्होंने इस्तीफा दिया था। राज्यसभा के सदस्य विजय रुपाणी वर्तमान में बीजेपी के पंजाब राज्य प्रभारी थे। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार विजय रुपाणी अपनी बेटी से मिलने के लिए लंदन जा रहे थे। रुपाणी के निधन पर गुजरात में उनके करीबी लोगों और प्रशंसकों में शोक का माहौल है।

मजदूर से मालकिन बन रही लातेहार के इस गांव की महिलाएं

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

लातेहार। कहा जाता है, जहां चाह वहां राह. लातेहार सदर प्रखंड के निंदिर गांव की महिलाओं ने इस कहावत को सच साबित भी कर दिया है. गांव की मजदूर महिलाएं आज अपनी मेहनत के बल पर मजदूर से मालकिन बन गई हैं. महिलाओं के द्वारा उद्योग लगाकर साबुन, वाशिंग पाउडर, बाथरूम क्लीनर समेत कई अन्य प्रोडक्ट्स तैयार किए जा रहे हैं. जिससे महिलाओं को काफी अच्छी आमदनी भी होने लगी है.

दरअसल लातेहार जिले के निंदिर गांव का माहौल कुछ वर्ष पहले तक सामान्य नहीं था. नक्सली गतिविधियां और विकास में पिछड़ापन इस इलाके की पहचान थी. गांव की अधिकांश गरीब महिलाओं को घर से निकलना भी मुश्किल होता था. सिर्फ मजदूरी करने ही घर से बाहर निकलती थीं. कई महिलाएं तो रोजगार की तलाश में पूरे परिवार के साथ पलायन कर जाती थीं.

अब यहां वर्तमान में गांव की सूरत बिल्कुल बदल गई है. शारदा स्वयं

सहायता समूह की महिलाओं ने इस गांव में जागरूकता की क्रांति ला दी है. हालांकि इस बदलाव के अंतराल में महिलाओं ने कई मुश्किलों का भी सामना किया है. मगर मुश्किलों से लड़ते हुए आज इस मुकाम पर पहुंच गई हैं, जहां लोग इनका उदाहरण देने लगे हैं. महिलाओं के द्वारा अपने गांव में लघु उद्योग लगाकर साबुन, वाशिंग पाउडर, टॉयलेट क्लीनर समेत कई प्रकार के प्रोडक्ट्स तैयार किए जा रहे हैं और उसे मार्केट में बेचा जा रहा है. इनके प्रोडक्ट्र की काफी डिमांड है.

इधर इस संबंध में गांव की महिलाएं संगीता देवी, मीना देवी और सीतामुनी देवी ने बताया कि पूर्व के वर्षों में उनका जीवन काफी कठिन परिस्थितियों में बीत रहा था. तंगहाली के साथ-साथ कई अन्य तरह की परेशानियां भी जिंदगी में थीं. इन्हीं परेशानियों से लड़ते हुए गांव की महिलाओं ने मिलकर स्वयं सहायता समूह% का गठन किया और झारखंड लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी से जुड़ गईं.

स्वयं सहायता समूह गठन के बाद उन्हें सरकार के द्वारा आर्थिक मदद भी दी जाने लगी. जिससे उन लोगों ने छोटे-छोटे कार्य आरंभ किये. जो भी लोन मिलता था उसे समय पर चुकाया भी करती थीं. इसी बीच उन्हें साबुन, वाशिंग पाउडर आदि बनाने के संबंध में भी सूचना प्राप्त हुई.

प्रोडक्ट्स तैयार करने से पहले प्रशिक्षण भी लिया था ्इसके बाद एक दिन सभी सदस्यों ने बैठक में यह योजना तैयार की कि अब उन लोगों के द्वारा भी साबुन, वाशिंग पाउडर आदि के उद्योग लगाए जाएंगे. सरकार के द्वारा उन्हें इसके लिए 13 दिन का प्रशिक्षण भी दिया गया. प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन लोगों ने साबुन और वाशिंग पाउडर का उद्योग सबसे पहले आरंभ किया. इसमें मुनाफा होने के बाद अपने उद्योग को और आगे बढ़ाया और टॉयलेट क्लीनर, बाथरूम क्लीनर, फर्श क्लीनर समेत अन्य प्रकार के प्रोडक्ट्स भी तैयार करने लगीं.

प्लस स्मार्ट के माध्यम से सबसे पहले इनकी बिक्री की जाती थी, परंतु अब धीरे-धीरे खुले मार्केट में भी इनके प्रोडक्ट्स बिकने लगे हैं. इधर इस संबंध में महिला सीतामुनी देवी ने बताया कि इसी उद्योग के भरोसे वह अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा भी देने लगी हैं. उनकी एक बेटी आज बीएड की पढ़ाई कर रही है. कुछ दिन पूर्व उसे 40 हजार रुपए की आवश्यकता पड़ी थी तो बिना किसी परेशानी के पैसे उपलब्ध करा दिए गए.

समाज के लिए प्रेरणा हैं महिलाएं ्जेएसएलपीएस के डीपीएम संतोष कुमार ने कहा कि शारदा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं समाज के लिए प्रेरणा हैं. उन्होंने कहा कि इन महिलाओं के द्वारा जो प्रोडक्ट्स तैयार किए जा रहे हैं, उससे इन्हें अच्छी आमदनी भी हो रही है और लातेहार का नाम भी हो रहा है. उन्होंने कहा कि विभाग का प्रयास है कि महिलाओं को इसी प्रकार जागरूक कर लघु उद्योग से जोड़ा जाए ताकि गांव से बेरोजगारी की समस्या का समाधान हो सके.

गजब की खुदगर्जी पर उतरा अमेरिका आतंकवाद पर देगा पाकिस्तान का साथ

> *आतंकवाद पर अमेरिका और दुनिया के कुछ और ताकतवर देशों का दोहरा चरित्र संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी उजागर हो चुका है। पाकिस्तान ने जून की शुरुआत में सुरक्षा परिषद की दो महत्वपूर्ण सहायक निकायों में गैर-स्थायी सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका हासिल की है। यह उपलब्धि उसे ऑपरेशन सिंदूर के लगभग एक महीने बाद मिली है। पाकिस्तान अब 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति (ळरउ) का चेयर, 1373 आतंकवाद-निरोधक समिति (उळउ) का वाइस-चेयर और यूएनएससी के दो अनौपचारिक कार्य समूहों में को-चेयर है। अमेरिका को ही नहीं, पूरी दुनिया को पता है कि विश्व का अबतक का सबसे खौफनाक माना जाने वाला अल कायदा का आतंकी ओसामा बिन लादेन 26/11 के बाद पाकिस्तानी सेना की देखरेख में उसी की धरती पर आराम फरमा रहा था और अमेरिका ने उसे ठिकाने लगाया था। लेकिन, आतंकवाद को संरक्षण देने वाले देश को आतंकवाद रोकने के लिए बनी समिति का उपाध्यक्ष बना दिया गया और अमेरिका और उसके सहयोगियों ने शुतुरमुर्ग की तरह अपना मुंह छिपाए रखा।*

अंजन कुमार

नई दिल्ली : 26/11 की घटना के बाद दुनिया में यह माहौल बना था कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका सबसे आगे रहेगा। लेकिन, पिछले कुछ समय में ऐसी कई चीजें देखने को मिली हैं, जिससे साफ हो चुका है कि दुनिया का सुपरपावर समझने वाला अमेरिका आतंकवाद के मामले में भी निहित स्वार्थ में डूबा हुआ है। उसे सिर्फ उन आतंकियों से दुश्मनी है, जिससे उसके अपने हित प्रभावित हो रहे हैं। बाकी आतंकवाद को राष्ट्रीय नीति के तौर पर चलाने वाला पाकिस्तान जैसा देश ही क्यों न हो, अमेरिका उनके साथ खड़ा रहेगा। ऐसे में पहलगाम हमले के बाद दुनिया भर में आतंकवाद के खिलाफ अभियान चलाने वाले भारत की लड़ाई को नए सिरे से लड़ने की जरूरत आ खड़ी हुई है।

आतंकवाद पर पाकिस्तान अमेरिका का 'वैल्यूएबल पार्टनर' : आतंकवाद के मसले पर अमेरिका की दोहरी नीति की सबसे बड़ी पोल उसके सेंट्रल कमांड के चीफ जनरल माइकल कुरिला के एक बयान से खुली है। उन्होंने आतंकवाद से लड़ने में पाकिस्तान को एक 'वैल्यूएबल पार्टनर' बताया है। यहां तक कि उन्होंने आतंकी संगठनों से निपटने के लिए पाकिस्तान के साथ सहयोग बढ़ाने की बात कही है। अमेरिकी सीनेट कमेटी के सामने जनरल कुरिला ने कहा कि आईएसआईएस-के (क्रक्र-ङ) पाकिस्तान-अफगानिस्तान बॉर्डर के आदिवासी इलाकों में एक्टिव है। ऐसे में उसके लिए पाकिस्तान की भूमिका और भी अहम हो जाएगी। उन्हें इस बात की खुशी है कि पाकिस्तान ने मोहम्मद शरीफुल्ला को गिरफ्तार और प्रत्यर्पित किया। शरीफुल्ला आईएसआईएस-के का प्लानर था। उसने 26 अगस्त 2021 को एब्बे गेट पर आत्मघाती हमला किया था, जिसमें 13 अमेरिकी सैनिक और 160 नागरिक मारे गए थे। उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तानी आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने आतंकी की गिरफ्तारी के बाद उन्हें फोन किया था और अमेरिकी डिफेंस सेक्रेटरी और अमेरिकी राष्ट्रपति को जानकारी देने के लिए भी कहा था। वे पिछले कुछ महीनों में जनरल मुनीर से कई बार मिल चुके हैं।

आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में अमेरिका से उम्मीद बेमानी : अमेरिका के एक बड़े अधिकारी ऐसे समय में पाकिस्तान के साथ आतंकवाद पर अपनी तालमेल का महिमामंडन कर रहे हैं, जब पहलगाम आतंकी हमले में जनरल असीम मुनीर की भूमिका का पर्दाफाश हो चुका है। पाकिस्तानी सेना के इसी चीफ के भड़काऊ बयान के हफ्ते भर बाद ही पहलगाम की बैसरन घाटी को पाकिस्तानी आतंकियों ने 25 भारतीय और एक विदेशी नागरिक का धर्म पूछकर उनके खून से लाल कर दिया। मतलब, माइकल कुरिला ने जो कुछ कहा है और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो रवैया दिखाया है, उससे कम से कम आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका से कोई उम्मीद करना बेमानी है।

आतंकी देश को बनाया आतंकवाद-विरोधी समिति का वाइस-चेयर : आतंकवाद पर अमेरिका और दुनिया के कुछ और ताकतवर देशों का दोहरा चरित्र संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी उजागर हो चुका है। पाकिस्तान ने जून की शुरुआत में सुरक्षा परिषद की दो महत्वपूर्ण सहायक निकायों में गैर-स्थायी सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका हासिल की है। यह उपलब्धि उसे ऑपरेशन सिंदूर के लगभग एक महीने बाद मिली है। पाकिस्तान अब 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति (ळरउ) का चेयर, 1373 आतंकवाद-निरोधक समिति (उळउ) का वाइस-चेयर और यूएनएससी के दो अनौपचारिक कार्य समूहों में को-चेयर है। अमेरिका को ही नहीं, पूरी दुनिया को पता है कि विश्व का अबतक का सबसे खौफनाक माना जाने वाला अल कायदा का आतंकी ओसामा बिन लादेन 26/11 के बाद पाकिस्तानी सेना की देखरेख में उसी की धरती पर आराम फरमा रहा था और अमेरिका ने उसे ठिकाने लगाया था। लेकिन, आतंकवाद को संरक्षण देने वाले देश को आतंकवाद रोकने के लिए बनी समिति का उपाध्यक्ष बना दिया गया और अमेरिका और उसके सहयोगियों ने शुतुरमुर्ग की तरह अपना मुंह छिपाए रखा।

अमेरिका-पाकिस्तान नापाक रिश्ते के खुलासे के बाद क्या करे भारतःइन परिस्थितियों में भारत के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि वह आतंकवाद के खिलाफ क्या करे। इसको लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (ठरॅ) के एक कार्यक्रम में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने कहा है कि आतंकवाद से निपटने का यही तरीका है कि सभी देशों के साथ मिलकर काम किया जाए। उन्होंने टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल और जागरूकता पर भी जोर दिया है। लेकिन, जिस तरह से अमेरिका की पोल खुली है, उसके बाद उपाय यही है कि उन देशों को साथ जोड़ने पर ज्यादा जोर देना होगा, जो वाकई आतंकवाद को मानवता का दुश्मन मानते हैं। क्योंकि,इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल तक ही दुनिया में 66 देश आतंकवाद से प्रभावित थे। उनमें से सभी अमेरिका की तरह नहीं हो सकते और भारत को उनके साथ मिलकर बातचीत करनी होगी। पूर्व विदेश सचिव निरुपमा राव ने इसके लिए टी20 नाम का एक संगठन बनाने का भी सुझाव दिया है और भारत को ग्वोबल साउथ के देशों पर इस समस्या के लिए फोकस करने को कहा है।

पीएम की कनाडा यात्रा से पहले बड़ी कार्रवाई खालिस्तान समर्थक ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़

दीपक कुमार शर्मा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा जाने वाले हैं। इससे पहले, कनाडा के पीएम मार्क कार्नी की सरकार ने भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल खालिस्तानियों को पकड़ने के लिए 'प्रोजेक्ट पेलिकन' नाम का एक अभियान चलाया है, जिसके तहत कनाडा की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खालिस्तान समर्थक ड्रग और आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। कनाडा की पुलिस ने प्रोजेक्ट पेलिकन के तहत अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है, जिसके तहत पुलिस ने 479 किलो कोकीन जब्त की है। इसकी कीमत करीब 47.9 मिलियन डॉलर है। इसके साथ ही पुलिस ने कनाडा में रहने वाले भारतीय मूल के सात लोगों सहित कुल नौ को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में सजगित योगेंद्रराजा (31), मनप्रीत सिंह (44), फिलिप टेप (39), अरविंदर पोवार (29), करमजीत सिंह (36), गुरतेज सिंह (36), सरताज सिंह (27), शिव ओंकार सिंह (31) और हाओ टॉमी हुइन्ह (27) शामिल हैं।

भारत विरोधी गतिविधियों में इस्तेमाल करते थे ड्रग्स का पैसा : पुलिस के अनुसार, यह गिरोह अमेरिका और कनाडा के बीच वाणिज्यिक ट्रकों से ड्रग्स भेजता था। समूह के मेक्सिको ड्रग कार्टेल और अमेरिका में ड्रग वितरकों से संबंध थे। सूत्रों के अनुसार, ड्रग्स बेचकर जो पैसा मिलता था, उसका इस्तेमाल भारत विरोधी गतविधियों जैसे-विरोध प्रदर्शन, जनमत संग्रह, हथियारों की खरीद आदि में किया जाता था। खुफिया एजेंसियों को शक है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी क्रक्रइस ड्रग नेटवर्क का समर्थन कर रही है, जो कनाडा में खालिस्तानी समूहों का इस्तेमाल मेक्सिकन कोकीन और अफगान हेरोइन की तस्करी के लिए कर रही है। कनाडा के कनानास्किस में जी7 शिखर सम्मेलन होने वाला है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर पीएम मोदी इस सम्मेलन में भाग लेने वाले हैं। कार्नी ने पिछले सप्ताह पीएम मोदी को फोन कर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण दिया था। खालिस्तान समर्थक ड्रग नेटवर्क पर यह कार्रवाई पीएम मोदी की कनाडा यात्रा से ठीक पहले की गई है।

पीएम मोदी ने कार्नी को दी थी जीत की बधाई: जी7 शिखर सम्मेलन का निमंत्रण मिलने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने मार्क कार्नी को उनकी हालिया चुनावी जीत की बधाई दी थी। साथ ही शिखर सम्मेलन में निमंत्रण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत और कनाडा मजबूत संबंधों वाले जीवंत लोकतंत्र हैं। दोनों देश नई ऊर्जा और साझा लक्ष्यों के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वह शिखर सम्मेलन में कार्नी से मुलाकात करने के लिए उत्सुक हैं।

15 से 17 जून तक आयोजित होगा जी7 शिखर सम्मेलन : जी7 शिखर सम्मेलन कनाडा के अल्बर्टा स्थित कनानास्किस में 15 से 17 जून तक आयोजित होगा। इससे पहले, पीएम कार्नी ने ओटावा में बोलते हुए कहा कि शिखर सम्मेलन उभरते और विकासशील देशों के साथ मजबूत साझेदारी बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का अहम हिस्सा है, इसलिए भारत को इस सम्मेलन में शामिल होना चाहिए

सिंचाई इंजीनियर की आलीशान जिंदगी का पर्दाफाश! थाईलैंड में डेस्टिनेशन वेडिंग

ब्यूरो

हैदराबाद : तेलंगाना एंटी करप्शन ब्यूरो ने सिंचाई विभाग के कार्यकारी इंजीनियर एन श्रीधर से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी की. एसीबी ने रेड के दौरान विला, फ्लैट, होटलों में कारोबारी हिस्सेदारी और श्रीधर के बेटे के लिए थाईलैंड में डेस्टिनेशन वेडिंग सहित कई अवैध संपत्तियों का पता लगाया. श्रीधर वर्तमान में चोप्पाडांडी में एसएसआरएसपी कैंप में सिंचाई विभाग के सीएडी डिवीजन 8 में तैनात हैं. उनसे एसीबी के अधिकारी उनकी आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में पूछताछ कर रहे हैं. उन्होंने पहले हाई-प्रोफाइल कालेश्वरम परियोजना में काम किया था, जो अब बड़े पैमाने पर वित्तीय हेराफेरी के लिए जांच के दायरे में है. श्रीधर के पास आलिशान फ्लैट, विला...शुरुआती जांच में पता चला है कि श्रीधर के पास संपत्तियों का पता चला. श्रीधर के पास मलकपेट में चार मंजिला इमारत है. इतना ही नहीं शेखपेट में प्रीमियम गेटेड कम्युनिटी स्काई हाई में 4500 वर्ग फीट का फ्लैट का भी पता चला है.एसीबी की जांच के मुताबिक, श्रीधर के पास तेलपुर के उर्जित गेटेड एन्क्लेव में एक आलीशान विला, वारंगल में एक Plus 3 बिल्डिंग, करीमनगर में कई होटलों में कारोबारी हिस्सेदारी है. इतना ही नहीं उसने थाईलैंड में अपने बेटे की डेस्टिनेशन वेडिंग पर करोड़ों खर्च किए. करोड़ों की अवैध संपत्ति :एसीबी अधिकारियों ने बताया कि श्रीधर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया है. संभावित बेनामी होल्डिंग्स और सिंचाई अनुबंधों में भ्रष्टाचार के लिए वित्तीय दस्तावेजों, संपत्ति के कागजात और लेन-देन के रिकॉर्ड की जांच की जा रही है

रोहतास में सच हो गई फिल्मी कहानी ! टॉयलेट नहीं तो ससुराल नहीं !

विशेष प्रतिनिधि द्वारा

रोहतास : आपको साल 2017 में आई फिल्म 'टॉयलेट एक प्रेमकथा' तो याद ही होगी जिसमें विवाहिता ने ससुराल इसलिए छोड़ दिया था क्योंकि वहां शौचालय नहीं था. हालांकि वो तो फिल्मी दुनिया थी, लेकिन बिहार के रोहतास से एक ऐसा ही मामला सामने आया है. जहां शादी के सात साल बाद आपसी विवाद में ससुराल में शौचालय के कारण पत्नी ने मायके लौटने का फैसला कर लिया.

रोहतास में शौचालय पर रारः दअरसल, यह पूरा मामला डालमियानगर थाना क्षेत्र का है. जहां जिले के रोहतास की रहने वाली एक महिला की 7 साल पहले डालमियानगर के रहने वाले एक युवक से शादी हुई थी. शादी के कुछ दिनों तक सब कुछ ठीक था, लेकिन बाद में पति व ससुराल वालों ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया.

शौचालय के उपयोग पर पाबंदीः पीड़ित महिला ने बताया कि ससुराल पक्ष के लोगों ने मामूली पारिवारिक विवाद पर शौचालय के उपयोग पर पाबंदी लगा दी. मारपीट भी की जाती थी. वही पति को शराब की लत थी. ऐसे में परेशान होकर महिला अपने मायके जाना पड़ा. इस बीच सुलह समझौते के कई प्रयास हुए, लेकिन कोई सफलता नहीं मिला.

मानवाधिकार ने कराया सुलहः पीड़ित ने भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन की पटना प्रमंडल की अध्यक्षा से संपर्क किया और

आवेदन दिया. मानवाधिकार ने मामले में संज्ञान लिया. जिसमें तीन सदस्यीय टीम बनाई गई. जिसमें खुद अध्यक्ष रत्ना सिन्हा, मनीषा श्रीवास्तव व डॉ पाठक ने दोनों पक्षों में सुलह कराया गया और अंततः महिला को फिर से उसके ससुराल भेज दिया गया है. "ससुराल में हमेशा प्रताड़ना किया जाता था. शौच पर पाबंदी थी. पति को शराब की लत थी. हमेशा मारपीट व ससुराल वालों से परेशान हो कर मायका आ गई थी. अब सुलह हो गया है. पति ने भी वादा किया है बेटी और हमे कोई परेशानी नहीं होने देंगे. पति के साथ ही वापस अपने ससुराल जा रही हूं एक साल से महिला मायके में रह रही थीः पीड़ित महिला की एक 5 वर्षीय पुत्री है. महिला पिछले 1 साल से अपने मायके में ही रह रही थी, लेकिन अब सुलह समझौता हो जाने के बाद महिला अपने ससुराल लौट गई. बता दें कि पीड़ित लड़की के पिता होमगार्ड से रिटायर हैं. "होमगार्ड से रिटायर होने के बाद बेटी को लेकर पिछले एक साल से परेशान थी. बेटी ससुराल छोड़कर मायका में रहे यह एक पिता के लिए इससे बड़ा दुःख क्या हो सकता है. मानवाधिकार के लोगों ने मेरी बेटी को नया जीवन दिया है. इनके सार्थक प्रयास से आज बेटी पुनः अपने ससुराल लौट रही है.

दोनों परिवारों में संस्था ने कराई सुलहः बता दें कि मानवाधिकार एसोसिएशन नामक संस्था के पटना प्रमंडल के अधिकारी रत्ना सिंह के प्रयास से दोनों परिवारों के बीच आज सुलह कराया गया जिसके बाद अंततः लड़का पक्ष भी महिला को ससुराल ले जाने पर राजी हुआ. जिसके बाद टीम के लोगों ने महिला की विदाई की."महिलाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे है मानवाधिकार असोसिएशन को पीड़िता की शिकायत मिली थी.दोनों पक्षों से बात करके सुलह करा दिया गया है. महिला का पति वापस अपने घर ले जा रहा है. हमारा व हमारी टीम का सार्थक प्रयास है कि महिला की किस्मत बदल गई. घर उजड़ने से पहले बस गया अब दोनों खुशहाल हैं।

प. बंगाल में बार-बार हिंसा क्यों, माहेशतला में सांप्रदायिक तनाव

ब्यूरो

पश्चिम बंगाल के माहेशतला में एक दुकान निर्माण विवाद को लेकर हिंसक झड़पें हुईं। वहां तनाव बना हुआ है। सवाल ये है कि बंगाल में बार-बार साम्प्रदायिक हिंसा की घटनाएं क्यों हो रही हैं।पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के माहेशतला में एक दुकान के निर्माण को लेकर दो समुदायों के बीच हिंसक झड़पें हुईं, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए और कई सरकारी वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। रबिंद्रनगर-अकरा क्षेत्र में हुए इस उपद्रव के बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस और लाठीचार्ज का सहारा लिया, साथ ही 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। मुर्शिदाबाद के बाद अब माहेशतला भी अराजक तत्वों के निशाने पर है। इंडियन एक्सप्रेस ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि विवाद तब शुरू हुआ जब एक मुस्लिम व्यापारी, जो ईद मनाने के लिए बाहर गया था, की दुकान की जगह पर रातों-रात एक 'तुलसी मंच' का निर्माण कर दिया गया। इसके जवाब में, कुछ लोगों ने पास के एक शिव मंदिर के पास दुकानें बनाने की

कोशिश की, जिसे स्थानीय हिंदू समुदाय ने अवैध अतिक्रमण करार दिया। इसने दोनों समुदायों के बीच तनाव को जन्म दिया, जो जल्द ही हिंसक प्रदर्शनों, पथराव और आगजनी में बदल गया। भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया, जिसमें एक महिला कांस्टेबल को सिर में चोट लगी, और डीसी (पोर्ट) हरिकृष्ण पाई का आधिकारिक वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। एक मोटरसाइकिल को रबिंद्रनगर पुलिस स्टेशन के सामने आग के हवाले कर दिया गया। मोदी क्यों नहीं बुला सकते संसद का विशेष सत्र? :स्थिति को नियंत्रित करने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स (फ्अा) और भारी पुलिस बल को तैनात किया गया। कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा और एडीजी (दक्षिण बंगाल) सुप्रतिम सरकार ने मौके पर कैंप किया। पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया और छापेमारी जारी रखी, जिसके बाद कुल 12 लोग हिरासत में लिए गए। क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया और रबिंद्रनगर क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (इठरर) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई। पुलिस के अनुसार, घायल पुलिसकर्मियों की हालत स्थिर है।

राजनीतिक रंग : विपक्षी नेता और भाजपा के सुवेंदु अधिकारी ने इस घटना को सांप्रदायिक बताते हुए ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि माहेशतला में हिंदुओं और हिंदू धार्मिक स्थलों पर हमले बढ़ रहे हैं और केंद्र सरकार से केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग की। दूसरी ओर, टीएमसी नेता कुणाल घोष ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह स्थानीय विवाद था और इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया। पश्चिम बंगाल में हाल के वर्षों में सांप्रदायिक झड़पों की घटनाएं बढ़ी हैं, जिनके कई कारण हैं।

जमीन और अतिक्रमण विवाद : माहेशतला और मुरशिदाबाद जैसी घटनाएं अक्सर जमीन के स्वामित्व या धार्मिक स्थलों के पास अतिक्रमण से शुरू होती हैं, जो स्थानीय समुदायों के बीच तनाव को बढ़ाती हैं।

सामाजिक ध्रुवीकरण : राजनीतिक दलों द्वारा स्थानीय मुद्दों को सांप्रदायिक रंग देना तनाव को और भड़काता है। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट, जैसे कि बारासात में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' से संबंधित विवाद, ने भी हिंसा को बढ़ावा दिया है। हालांकि बाद में ये घटना फर्जी साबित हुई।

प्रशासनिक विफलता : मुरशिदाबाद हिंसा पर कलकत्ता हाईकोर्ट की एक फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी ने बताया कि स्थानीय पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की, जिससे हिंसा बढ़ी। माहेशतला में भी पुलिस पर पक्षपात का आरोप लगा है।

सामाजिक-आर्थिक कारण : बंगाल के कुछ क्षेत्रों में आर्थिक असमानता और बेरोजगारी के कारण समुदायों के बीच तनाव बढ़ रहा है, जो छोटे-मोटे विवादों को हिंसक रूप दे देता है।

सोशल मीडिया और अफवाहें : सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री और अफवाहें, जैसे कि मंदिरों या धार्मिक स्थलों पर हमले की खबरें, तेजी से तनाव को बढ़ाती हैं। इसमें एक राजनीतिक दल के आईटी सेल की मुख्य भूमिका है। माहेशतला में हुई हिंसा ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल में सांप्रदायिक तनाव की गंभीर समस्या को उजागर किया है। यह घटना न केवल स्थानीय प्रशासन के लिए एक चुनौती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि सामाजिक एकता को मजबूत करने और भड़काऊतत्वों पर लगाम लगाने की तत्काल आवश्यकता है। ममता की सरकार को और समाज को मिलकर ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा द्वारा हजारीबाग के नए पुलिस अधीक्षक का स्वागत

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। हजारीबाग जिले में नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन का राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा की ओर से बुके भेंट कर हार्दिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर मोर्चा के प्रदेश सचिव सुरेश ठाकुर ने उनका अभिनंदन करते हुए कहा, मैं अंजन का हजारीबाग पुलिस अधीक्षक के रूप में स्वागत करता हूं और कामना करता हूं कि उनका कार्यकाल जिले के लिए उत्कृष्ट और प्रेरणादायक सिद्ध हो। स्वागत समारोह के दौरान ओबीसी समुदाय के अनेक प्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित थे, जिन्होंने आरक्षी अधीक्षक अंजनी अंजन को शुभकामनाएं दीं और उनके साथ सकारात्मक सहयोग की उम्मीद जताई।

पुलिस ने अवैध बालू लदा तीन ट्रैक्टर किया जब्त

बड़कागांव संजय कुमार

बड़कागांव। बड़कागांव पुलिस ने भगवान बागी रोड स्थित रामसागर तालाब के आगे रात्रि 9:45 बजे अवैध बालू लदा तीन ट्रैक्टर को जप्त किया।सभी बालू लदा ट्रैक्टर को बड़कागांव थाना ने लाया गया है। मामले को लेकर बड़कागांव थाना प्रभारी नेमधारी रजक ने कहा कि 10 जून से 15 अक्टूबर तक एनजीटी लागू है। किसी भी हालत में अवैध बालू कारोबार होने नहीं दिया जाएगा। नदी से अवैध बालू उत्खनन करने या अवैध बालू कारोबार करने वाले, जो भी पकड़े जाएंगे उन पर विधि संगत कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त की अध्यक्षता में सीएसआर समिति की बैठक

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में सीएसआर समिति की बैठक गुरुवार को आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने सीएसआर मद से क्रियान्वित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।उपायुक्त ने उपस्थित विभिन्न कंपनी के प्रतिनिधियों से इस वित्तीय वर्ष के कार्यों की रूपरेखा एवं अनुमानित खर्च की जानकारी ली।

उन्होंने सीएसआर मद का बेहतर प्रबंधन करने तथा इस राशि को खनन प्रभावित क्षेत्रों में खर्च करने का निर्देश दिया।

उन्होंने एक लघु फिल्म के माध्यम से सीएसआर मद के सदुपयोग करने की बारीकियों से सभी को अवगत कराया। बड़कागांव तथा केरेडारी में खेती योग्य भूमि है,इन क्षेत्रों में वाटर वेस्ट का उचित प्रयोग कर लिफ्ट सिंचाई के माध्यम से कृषकों को लाभान्वित करने की योजना में कार्य करने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में सकारात्मक पहल तथा पिछड़े जनजातीय समूह क्षेत्रों में मोबाइल वैन के माध्यम से स्वास्थ्य जांच की गतिविधियों को बढ़ाने का निर्देश दिया।

उन्होंने संबंधित कम्पनियों को उनके द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति तथा उनके द्वारा किए जा रहें कार्यों की सूची उपलब्ध करवाने का निर्देश दिया।

बैठक में जिला योजना पदाधिकारी श्री पंकज कुमार,सीसीएल, अडानी इंटरप्राइजेज, एनटीपीसी, एनएमडीसी, जेडब्लूएस, ओएनजीसी, प्रभा एनर्जी, ओएनजीसी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

गरीबों, नारी शक्ति एवं किसानों के प्रति समर्पित सरकार मोदी जी की हैः रघुवर दास

● हमारी एवं मोदी जी की राजनीति पार्टी के लिए नहीं बल्कि राष्ट्र के लिए हैः रघुवर दास ● यूपीए के शासनकाल में भारत के प्रधानमंत्री पीछे-पीछे चलते थे, परंतु एनडीए के शासनकाल में हमारे देश के प्रधानमंत्री शेर की तरह सीना तानकर आगे -आगे चलते हैः मनीष जायसवाल ● भारत आतंकवाद के मामले में किसी से समझौता नहीं करता यह नवीन भारत का देन हैः मनीष जयसवाल ● प्रधानमंत्री मोदी जी हर नीति निर्माण और इसे कार्यान्वित करने में भारत प्रथम को प्रस्तुत करने में अग्रणी रहा हैः सरोज सिंह ● डिजिटल क्रांति के क्षेत्र में भारत विश्व में अग्रणी रहा है : मनोज यादव ● ऑपरेशन सिंदूर की सफलता एक नए भारत को प्रदर्शित करता हैः प्रदीप प्रसाद

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। जून 2025 में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ,भारत सरकार की उपलब्धियां को जन-जन तक पहुंचाना एवं सेवा, सुशासन ,गरीब कल्याण विकसित भारत के गतिविधियों पर आधारित प्रोफेशनल मीट एवं चित्र प्रदर्शनी पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन ,हजारीबाग स्थित फ्लोरिस्टा बैंकवेट हॉल में कार्यक्रम के जिला संयोजक सुदेश चंद्रवंशी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम का संचालन सहसंयोजक सह जिला मंत्री जय नारायण प्रसाद एवं धन्यवाद ज्ञापन सह संयोजक जिला मंत्री कुणाल किशोर दुबे द्वारा दी गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री सह उड़ीसा के पूर्व राज्यपाल माननीय रघुवर दास जी उपस्थित हुए। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में हजारीबाग के माननीय सांसद मनीष जायसवाल ,व विशिष्ट अतिथि के तौर पर बरही विधायक मनोज यादव ,हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, झारखंड प्रदेश के, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव भी उपस्थित थे। प्रोफेशनल मीट विचार गोष्ठी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभिन्न समाज के प्रबुद्ध

समाज सेवी ,बुद्धिजीवी वर्ग से डॉक्टर, वकील, शिक्षक के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश ,जिला व मंडल के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत श्यामा प्रसाद मुखर्जी ,पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए, दीप प्रज्वलित कर की गई। महिला मोर्चा की बहनें जिला उपाध्यक्ष रेणुका साहू, महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष मनोरमा राणा द्वारा वंदे मातरम गान की प्रस्तुति की गई। तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों को अंग वस्त्र एवं बुके देकर स्वागत की गई। कार्यक्रम संयोजक सुदेश चंद्रवंशी द्वारा अपनी मधुर वाणी से अतिथियों का स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कहा की भारत की मोदी सरकार गरीबों, किसानों एवं नारी शक्ति के प्रति समर्पित सरकार है। हमारी एवं मोदी जी की राजनीति पार्टी के लिए नहीं बल्कि राष्ट्रहित के लिए किया जाता है। दुश्मनों के घर में घुसकर जवाब देने का काम मोदी जी के शासनकाल में शुरू की गई। आगे उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद के मामले में किसी से समझौता नहीं करता है ।यह नवीन भारत की ताकत है। आयुष्मान भारत योजना का लाभ झारखंड प्रदेश के 1 करोड़ 20 लाख से अधिक लाभार्थी ले चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा झारखंड वासियों को 6 नई बंदे भारत ट्रेन का उपहार मिल चुका हैं। आदिवासी वर्ग के बच्चों को शिक्षित करने हेतु 40 लाख एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय उपलब्ध करा चुके हैं। इतना ही नहीं बल्कि मोदी जी द्वारा पीएम किसान सम्मन निधि के तहत झारखंड के 22 लाख 55 हजार किसानों को 1179. करोड़ से अधिक रुपया दिया जा चुका है।15 करोड़ से ज्यादा नल से जल कनेक्शन से घरों को जोड़ा गया है, जो रुस की पूरी आबादी से अधिक है। 12 करोड़ शौचालय जनता को समर्पित किया गया है, जो संख्या कनाडा और इटली की कुल आबादी से भी अधिक है। 55 करोड़ से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री जनधन योजना से जोड़ा गया है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 81 करोड लोगों को मुफ्त राशन प्रत्येक माह दिया जाता है। पीएम उज्जवला योजना के तहत 10 करोड़ महिलाओं को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन दिया गया है। अब तक पूरे भारत में 9 करोड़ से अधिक लोगों का मुफ्त इलाज आयुष्मान भारत के तहत किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक आवास का निर्माण कराया गया है। यह सिर्फ आंकड़े नहीं बल्कि यह है नए भारत की उपलब्धियां।

अति विशिष्ट अतिथि माननीय सांसद मनीष जायसवाल जी द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि सबका साथ ,सबका विकास ,सबका विश्वास एवं सब का प्रयास समावेशी शासन के आधार पर केंद्रीय मंत्रिमंडल में SC, ST और OBC का पहले की सरकारों की तुलना में अब तक का सबसे अधिक प्रतिनिधि हैं। साथ यह भी कहा की यूपीए के शासनकाल में भारत के प्रधानमंत्री पीछे-पीछे चलते थे आज एनडीए के शासनकाल में भारत के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी सीना तानकर शेर की तरह आगे आगे चलते हैं। यह है नवीन भारत की दें। प्रोफेशनल मीट विचार गोष्ठी को भारतीय जनता पार्टी ,झारखंड प्रदेश के प्रदेश सचिव सरोज सिंह, बरही विधायक मनोज कुमार यादव , हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद , बड़कागांव विधानसभा के पूर्व विधायक लोकनाथ महतो जी द्वारा भी संबोधित किया गया।

प्रोफेशनल मीट विचार गोष्ठी कार्यक्रम को संबोधित करने के पहले पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड सरकार श्री रघुवर दास के साथ सभी माननीय सांसद, विधायक के द्वारा प्रेस वार्ता को भी संबोधित किया गया। जिसमें विकसित भारत का अमृत ,कल, सेवा सुशासन, गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा किए गए कार्यों को विस्तार से प्रेस वार्ता में बताई गई।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश कार्य समिति सदस्य केपी ओझा, अनिल मिश्रा, हरिश श्रीवास्तव, टुन्नू गोप, जिला पदाधिकारी रेणुका साहू ,आनंद देव ,दामोदर सिंह, रमेश ठाकुर ,भानुमति पासवान, कुंवर मनोज सिंह। प्रबुद्ध समाजसेवी एवं बुद्धिजीवी वर्ग से आर वी सिंह ,गंगाधर दुबे, बंशीधर रुखैयार ,प्रवीण कुमार सिंह ,ज्ञानचंद प्रसाद मेहता, अजीत गुप्ता ,संजीव कुमार झा भोला भगत, प्रदीप सिंह ,आचार्य कौटिल्य, मुकेश कुमार ,प्रेमलता जैन, डॉक्टर विनोद जी, डॉक्टर ललिता राणा, डॉक्टर मधुबाला राणा के अलावे सत्येंद्र नारायण सिंह, दिनेश सिंह राठौर ,उमेश दांगी, संसद के मीडिया प्रतिनिधि, साक्षी राणा ,टोनी जैन ,राजकरण पांडे ,इंद्र नारायण कुशवाहा ,अजीत चंद्रवंशी, सत्यभामा शर्मा ,रतन सिंहा ,उमा पाठक, श्वेता सिंहा ,रिंकी विश्वकर्मा ,रीमा देवी ,रानी कछाप, गुड़िया, नीलम सिन्हा, पूनम कसेरा, मंडल अध्यक्षों में विवेक वरियार, कृष्णा मेहता ,कैलाश यादव ,अरुण राना, कर्मचारी साव, अजीत बक्शी ,खेमलाल महतो ,बसंत प्रजापति ,अनिल मेहता, मुकेश सिंह ,राजेंद्र चंद्रवंशी ,अशोक कुमार ,सुखदेव रजवार। जुगनू सिंह ,टुकेश्वर प्रसाद ,दिनेश कुशवाहा ,वकील महतो ,मनमीत अकेला, सुरेश प्रसाद, राकेश वर्मा , विनोद कुमार बेगिन, अर्जुन साहू ,अजय मेहता, मुकुंद साव आदि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे। उक्त आशय की जानकारी भाजपा जिला मंत्री जय नारायण प्रसाद द्वारा दी गई।

हजारीबाग की बदहाल बिजली व्यवस्था और विभागीय अनियमितताओं पर कांग्रेस का रुख सख्त

● डीवीसी व भवन निर्माण विभाग से कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल की दो टूक बातचीत

● अब केवल मांग नहीं, संघर्ष का समय हैः मुन्ना सिंह

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। हजारीबाग की जनता इन दिनों बिजली आपूर्ति की गंभीर समस्या से जूझ रही है। लगातार ट्रिपिंग, अनिश्चित और घंटों लंबी बिजली कटौती ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। बच्चों की पढ़ाई से लेकर अस्पतालों में इलाज तक और दुकानों से लेकर घरेलू जरूरतों तक हर जगह असुविधा और संकट की स्थिति बन गई है। इस परिस्थिति में प्रशासन की उदासीनता ने जनता के आक्रोश को और भी गहरा किया है। ऐसे समय में कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर जनहित के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया है। गुरुवार को पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी एवं कांग्रेस नगर प्रभारी मुन्ना सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने दामोदर घाटी निगम (DVC) के महाप्रबंधक आर. एस. शर्मा से मुलाकात की और हजारीबाग नगर क्षेत्र की विद्युत समस्या पर दो टूक और गंभीर वार्ता की। कांग्रेस नेताओं ने साफ शब्दों में कहा कि यह संकट केवल तकनीकी नहीं, बल्कि बिजली प्रबंधन तंत्र की लापरवाही और असंवेदनशीलता का परिणाम है। मुन्ना ने महाप्रबंधक के

समक्ष यह भी स्पष्ट किया कि बिजली कटौती अब महज़ असुविधा नहीं रही, यह जनता के मौलिक अधिकारों पर सीधा आघात है। बिजली की अनुपलब्धता ने न सिर्फ नागरिक जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है, बल्कि इससे सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों पर भी प्रतिकूल असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन की जवाबदेही तब साबित होती है जब आपदा में तत्परता दिखाई जाए, लेकिन यहां प्रशासन मौन और निष्क्रिय नजर आ रहा है। छ्ङ्कष्ट के महाप्रबंधक आर. एस. शर्मा ने तकनीकी पक्ष रखते हुए बताया कि कोडरमा स्थित 315 एमवीए का ट्रांसफॉर्मर जल जाने के कारण आपूर्ति बाधित हुई है। हजारीबाग की कुल मांग 126 एमवीए है, जबकि वर्तमान में मात्र 95 एमवीए की ही आपूर्ति संभव हो पा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर काम हो रहा है और शीघ्र ही सुधार की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। सिंह ने प्रशासनिक लापरवाही पर सवाल उठाते हुए कहा कि तकनीकी समस्याओं को नकारा नहीं जा सकता, परंतु यह सवाल बना हुआ है कि इतनी बड़ी आपूर्ति विफलता के बाद भी संबंधित विभाग और प्रशासन समय रहते सजग क्यों नहीं हुआ? यदि प्रशासनिक तत्परता होती तो यह संकट इस हद तक न बढ़ता। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी इसे महज ज्ञापन या विरोध तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि आवश्यकता पड़ी तो जनता को संगठित कर जनांदोलन की राह भी अपनाई जाएगी। पार्टी का संकल्प है कि जनता के अधिकारों की लड़ाई को हर स्तर पर मजबूती से लड़ा जाएगा। वहीं इसी दिन कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल भवन निर्माण विभाग के कार्यालय भी पहुंचा, जहां कार्यपालक अभियंता की अनुपस्थिति में विभागीय एसडीओ सचिन कुमार से फोन पर बातचीत की गई। यह वार्ता विभागीय टेंडरों में हो रही अनियमितताओं और मनमानी प्रक्रिया को लेकर थी। सिंह ने आरोप लगाया कि विभागीय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता नहीं है, और टेंडर आवंटन से लेकर निर्माण कार्यों तक में अनेक गड़बड़ियाँ सामने आ रही हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को यह सलाह दी कि वे जनता के प्रति जवाबदेह बनें और हर कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित करें। कार्यपालक अभियंता ने जल्द ही कार्यालय लौटकर औपचारिक वार्ता का आश्वासन दिया। इसके साथ ही कांग्रेस नेताओं ने नगर आयुक्त से भी भेंट कर खिरगांव मुक्ति धाम में बंद पड़े विद्युत शवदाह गृह के पुनरुद्धार की मांग की।

जैन महिला समाज की कोषाध्यक्ष एवं हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन की धर्मपत्नी लता जैन पांड्या को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने किया सम्मानित

● यह सम्मान मेरी नहीं, समाज की हर उस महिला की पहचान है जो सेवा और सशक्तिकरण के पथ पर अग्रसर है, मैं हमेशा समाज हित में समर्पित रहूंगीः लता जैन पांड्या

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में हजारीबाग में आयोजित एक गरिमामयी कार्यक्रम में समाजसेवा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए जैन महिला समाज की कोषाध्यक्ष एवं हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन की धर्मपत्नी लता जैन पांड्या को सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के द्वारा अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मंच से लता जैन पांड्या द्वारा सेवा कार्यों की प्रशंसा की गई. इस अवसर पर सम्मान प्राप्त के उपरांत लता जैन पांड्या ने कहा की यह सम्मान न केवल मेरे व्यक्तिगत जीवन की उपलब्धि है, बल्कि यह उन सभी महिलाओं का सम्मान है जो आज सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। मैं आभारी हूं भाजपा परिवार और पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास जी की, जिन्होंने मेरे कार्यों को सराहा। यह सम्मान मुझे और अधिक जिम्मेदारी से समाज के लिए कार्य करने की प्रेरणा देगा। लता जैन पांड्या के साथ कई अन्य सामाजिक संगठन के लोगों को सम्मानित किया गया तो वहीं दूसरी ओर सम्मानित की सूचना अपनों तक पहुंचते ही लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाओं के साथ उज्जवल भविष्य की कामना की।

संजीवनी सेवा कुटीर को हटाना राज्य सरकार की घटिया मानसिकता का परिचायकः रघुवर दास

● राजनीतिक द्वेषवश जनसेवा पर प्रहार कर रही सरकार, जनता नहीं करेगी माफ : प्रदीप प्रसाद

● संजीवनी सेवा कुटीर को हटाना जनता की भावनाओं का अपमान है, हम हर स्तर पर इसकी लड़ाई लड़ेंगेः मनोज कुमार यादव

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रघुवर दास हजारीबाग पहुंचे, जहाँ उन्होंने हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद के आवास पर आयोजित एक विशेष प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान रघुवर दास के साथ सदर विधायक प्रदीप प्रसाद एवं बरही विधायक मनोज कुमार यादव मौजूद रहें,तीनों नेताओं ने संजीवनी सेवा कुटीर को लेकर राज्य सरकार की कार्रवाई को जनविरोधी, दुर्भावनापूर्ण और संवेदनहीन करार दिया।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने संजीवनी सेवा कुटीर से जुड़े घटनाक्रम को विस्तार से रखते हुए कहा कि यह सेवा केंद्र सिर्फ एक हेल्प डेस्क नहीं था, बल्कि एक जन भावनाओं से जुड़ा केंद्र था, जहां हजारों जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देश, मार्गदर्शन, रक्तदान, दवा उपलब्धता और अन्य चिकित्सकीय

सहायताएं दी जा रही थीं। उन्होंने कहा की सरकारी अस्पताल परिसर में यह सेवा लोगों की सुविधा और आपात जरूरत को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई थी। विधायक ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार और विशेष रूप से स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के द्वारा इस सेवा में कार्यरत शिक्षित युवाओं पर झूठे आरोप लगाए गए, उन्हें भला-बुरा कहा गया, और उनकी छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया।

प्रदीप प्रसाद ने कहा मैं राज्य सरकार को खुला चैलेंज देता हूं अगर एक भी वीडियो फुटेज या प्रमाण है, जिसमें इन युवाओं की कोई गलती सिद्ध होती हो, तो सार्वजनिक करें। ये सभी युवा पढ़े-लिखे, अनुशासित और समाजसेवा के लिए समर्पित हैं। इस प्रेस वार्ता में मौजूद बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने भी राज्य सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा की संजीवनी सेवा कुटीर को हटाना सिर्फ कुटीर को हटाना नहीं है, यह जनता की भावनाओं को रौंदने जैसा है। इस सेवा केंद्र से सैकड़ों लोगों को हर दिन मदद मिल रही थी। लेकिन राज्य सरकार ने इसे भी राजनीतिक चश्मे से देखा और द्वेषवश कार्रवाई की। उन्होंने आगे कहा की जनता ने हमें सेवा करने के लिए चुना है, और हम किसी भी कीमत पर उनकी भावनाओं से समझौता नहीं करेंगे। यदि सरकार सोचती है कि ऐसी कार्रवाई से हम डर जाएंगे, तो यह उसकी भूल है। हम हर स्तर पर जनता के अधिकार और सम्मान की लड़ाई लड़ेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस स्थान पर जनसेवा हो रही हो, वहां पर सरकार का हस्तक्षेप करना और सेवा को बंद कराना बहुत ही संकीर्ण सोच और कुंठित मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सेवा की कोई सीमा नहीं होती। कोई व्यक्ति अस्पताल बनाकर सेवा करता है, कोई अस्पताल में जाकर सेवा करता है। ऐसे कार्यों से न सिर्फ जनता को राहत मिलती है, बल्कि सरकार की जिम्मेदारी भी हल्की होती है। मगर दुर्भाग्य है की इस राज्य की सरकार सेवा कार्यों को भी राजनीतिक चश्मे से देखती है। रघुवर दास ने आगे कहा कि विधायक प्रदीप प्रसाद ने जनता की भावना को समझते हुए, सरकारी संसाधनों का कोई दुरुपयोग किए बिना, एक शांतिपूर्ण, अनुशासित और जनसेवा मूलक व्यवस्था खड़ी की थी। उन्होंने सरकार से सवाल किया की अगर यह सेवा गलत थी, तो क्यों हज़ारों लोग इसके समर्थन में आए? क्यों हजारों मरीजों को इससे राहत मिली? दोनों नेताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह कार्रवाई एक राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित थी और यह राज्य सरकार की असहिष्णुता और सेवा-विरोधी मानसिकता को उजागर करती है। इस मौके पर स्थानीय भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं मौजूद थे। उन्होंने भी एक स्वर में राज्य सरकार की इस कार्रवाई का विरोध किया और इसे जनहित के विरुद्ध बताया। प्रेस वार्ता के अंत में रघुवर दास, मनोज कुमार यादव एवं प्रदीप प्रसाद तीनों ने यह संकल्प लिया कि वे जनता की सेवा के इस मार्ग से कभी पीछे नहीं हटेंगे और हर मोर्चे पर आम लोगों की आवाज को बुलंद करते रहेंगे।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना संख्याः 03-MC-RSP-DoorSpl-25-26 धनबाद, दिनांकः 11.06.2025

वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (समाडी), पूर्व मध्य रेल धनबाद के द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–खुली निविदा (e-open tender) Two Packet System में IREPS Portal में आमंत्रित की जाती है।

1. कार्य का नाम : BOXN, BOXNHL और उनके विभिन्न प्रकार के वैगनों में दो तिरछे विपरीत दरवाजों को बंद करना तथा शेष दो दरवाजों की ऊंचाई कम करना। 2. संविदा की अवधि : 18 महीना। 3. कार्य–स्थानः धनबाद डिवीजन के फ्रेट डिपो BRWD, OBRA, PTRU और PEH या धनबाद डिवीजन के भीतर कोई अन्य स्थान जैसा कि वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (समन्वय)/धनबाद द्वारा तय किया गया हो।4. अनुमानित बोली मूल्यः रु. 13,12,54,105.00/– (रुपये तेरह करोड़ बारह लाख चौवन हजार एक सौ पांच) मात्र। 5. निविदा दस्तावेज मूल्यः 0.00 (शून्य) 6. बयाना राशि (निविदा सूचना के तद्नुसार): रु. 8,06,300/– (रुपये आठ लाख छह हजार तीन सौ) मात्र। 7. ई–निविदा जमा करने का तारीख तथा समयः तारीख 18.06.2025 से 02.07.2025 को 12:00 बजे तक। 8. ई–निविदा खुलने का तारीख तथा समयः 02.07.2025 को 12:30 बजे। 9. वेबसाईट का विवरणः http://www.ireps.gov.in (ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।)

कृते वरीय मंडल यांत्रिक अभियंता(समन्वय)
पूर्व मध्य रेल/ धनबाद

पीआर/0392/डीएचएन/टी/25–26

संक्षिप्त समाचार

शिकारीपाड़ा के कादाडीह के ग्रामीणों को अबतक नसीब नहीं हुई पक्की सड़क

शिकारीपाड़ा/दुमका
सरकार लाख वादे कर ले की हमने प्रत्येक गांव तक सड़क बनवाई है लेकिन धरातल पर कुछ और ही नजर आता है, जी हां बात कर रहे है दुमका जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड के सीमानीजोर पंचायत अंतर्गत कादाडीह गांव की , कादाडीह गांव के ग्रामीणों को आजतक नसीब नहीं हुआ पक्की सड़क। यह गांव पहाड़ के ऊपर बसा हुआ है मैन रोड से इस गांव की दूरी करीब 3 से 4 किलोमीटर होगी , इस गांव में आदिवासी और आदिम जनजाति के लोग रहते है । इस गांव जाने के लिए ऐसा रास्ता है जिसमें चार पहिया वाहन तो दूर की बात 2 पहिया वाहन भी मुश्किल से पहुंचती है , और बारिश के दिनों में और ज्यादा मुश्किल होती है। ग्रामीणों ने बताया कि पक्की सड़क नहीं होने के कारण हमलोगों को आवाजाही में काफी समस्या होती है। एंबुलेंस भी नहीं आ पाती है , ज्यादा बीमार, डिलीवरी पेशेंट या अन्य मरीज जो चल नहीं सकते है उनको खटिया के सहारे मुख्य सड़क तक ले जाते है इसके बाद ही एम्बुलेंस या अन्य वाहन से हॉस्पिटल तक ले जा पाते है । इस गांव का रास्ता पथरीला है रास्ते में बड़े बड़े पत्थर है जिससे काफी समस्या होती। सरकार जहां सड़क के ऊपर सड़क बना रही है , लेकिन इस गांव के रास्ते पर अबतक किसी अधिकारी की नजर नहीं पड़ी है ग्रामीणों ने पक्की सड़क बनवाने की मांग है।

पत्थलगड्डा पुलिस को मिली बड़ी सफलता अवैध अफीम, ब्राउन शुगर समेत 23 लाख रु नगद के साथ एक महिला गिरफ्तार

सुनील कुमार दास आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
पत्थलगड्डा। पत्थलगड्डा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंघानी पंचायत के कुम्हार टोला में भारी मात्रा में अवैध अफीम, ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री होने की सूचना चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल को प्राप्त हुई थी उक्त सूचना का सत्यापन करते हुए। सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शुभम कुमार खंडेलवाल के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल में चतरा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन, चतरा पुलिस उपाधीक्षक अमिता लकड़ा,पत्थलगड्डा थाना प्रभारी राकेश कुमार इन सभी गठित टीम के द्वारा बुधवार को पत्थलगड्डा थाना अंतर्गत कुम्हार टोला में मधु कुमारी पति उद्देश कुमार दांगी के घर से छापेमारी के दौरान उसके घर से 2.784 किलो ग्राम अवैध अफीम, 3.821 किलो ग्राम अवैध ब्राउन शुगर,1.019 किलो ग्राम सफ़ेद पाउडर, 2360700 नगद कैश बरामद किया गया। छापेमारी के क्रम में गिरफ्तार महिला से पूछताछ में मधु कुमारी ने बताई अवैध अफीम ब्राउन शुगर की तस्करी रौशन दांगी पिता अरुण दांगी तेतरिया थाना पत्थलगड्डा जिला चतरा की संलिप्त है गिरफ्तार महिला के विरुद्ध पत्थलगड्डा थाना कांड 24/25 NDPS की धारा 111(2) BNS एवं 17(c)/18(b)/21(c)/22(c)/ 25/27/28/29 दर्ज कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो के द्वारा रघुनाथ पुर पैक्स बलियापुर में बीज वितरण का हुआ उद्घाटन

गोमो। सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो के द्वारा रघुनाथपुर पैक्स बलियापुर प्रखंड में बीज वितरण का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर एमओ अजीत सिंह सहित भारी संख्या में ग्रामीण किसान उपस्थित थे।

इटखोरी 10 +2 हाई स्कूल की बाउंड्री का भूमि विवाद का मामला सुलझा

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
इटखोरी (चतरा)। प्रखंड अवस्थित इटखोरी10+2 हाई स्कूल में विवादित भूमि का गुरुवार को निपटारा किया गया। इस कार्य में मुख्य रूप से इटखोरी अंचल अधिकारी,प्रखंड विकास पदाधिकारी , स्कूल के प्रधानाध्यापक और अध्यक्ष तथा जनप्रतिनिधियों ने अहम भूमिका निभाई। विवादित भूमि के निपटारे के बाद हाई स्कूल के मैदान में बाउंड्री के लिए जेसीबी मशीन से खुदाई का कार्य आरंभ किया गया। बरसों से लंबित यह मामला सुलझ जाने के बाद अब उम्मीद जगी है कि जल्द ही बाउंड्री का निर्माण कर शुरू कर दिया जाएगा। इस मौके पर सिओ सविता सिंह, बीडीओ सोमनाथ बांकिरा, प्रिंसपल प्रमोद कुमार, सतीश सिंह, सच्चु लाल समेत कर्मचारी मौजूद थे।

बालूमाथ के पत्रकारों ने डीआईजी नौशाद आलम से की औपचारिक मुलाकात

बालूमाथ। बालूमाथ के वरिष्ठ पत्रकार जावेद अख्तर एवं कौशर अली ने मंगलवार को पलामू प्रक्षेत्र के नवपदस्थापित पुलिस उपमहानिरीक्षक मो0 नौशाद आलम से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात पूर्णतः औपचारिक, सौहार्दपूर्ण और संवादपरक रही, जिसमें पुलिस प्रशासन और मीडिया के मध्य आपसी सहयोग, सूचना आदान-प्रदान तथा जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गंभीर विमर्श हुआ। मालूम हो कि हाल ही में डीआईजी मो0नौशाद आलम ने पलामू प्रक्षेत्र का कार्यभार संभाला है। उनके कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात लातेहार,गढ़वा और पलामू जिलों में पुलिसिंग की कार्यशैली में उल्लेखनीय सुधार की उम्मीद की जा रही है। इसी क्रम में बालूमाथ के पत्रकारों ने पहल करते हुए डीआईजी से मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

पुलिस-पत्रकार संबंधों को लेकर हुई खुली चर्चा
मुलाकात के दौरान वरिष्ठ पत्रकारों ने ग्रामीण क्षेत्रों, विशेष रूप से लातेहार और बालूमाथ क्षेत्र में पत्रकारों को आने वाली चुनौतियों,जमीनी रिपोर्टिंग के समय पुलिस सहयोग की आवश्यकता तथा सूचना की पारदर्शिता जैसे विषयों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ के रूप में पुलिस और मीडिया दोनों की जिम्मेदारियां जनता के प्रति हैं, ऐसे में परस्पर सहयोग और संवाद अत्यंत आवश्यक है।
डीआईजी नौशाद आलम ने पत्रकारों की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि पुलिस प्रशासन पत्रकारों की सुरक्षा,सम्मान और सूचना अधिकार का पूरा ख्याल रखेगा। उन्होंने कहा कि मीडिया समाज का आईना है और उनके फीडबैक से पुलिस को अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करने का अवसर मिलता है।

पत्रकारों ने क्षेत्रीय मुद्दों से कराया अवगत
जावेद अख्तर ने डीआईजी को बालूमाथ और आसपास के इलाकों में हो रहे अपराध,बालू तस्करी,वन क्षेत्र से संबंधित अवैध गतिविधियों,नक्सली प्रभाव वाले इलाकों की स्थिति तथा पुलिस-पब्लिक के बीच विश्वास की आवश्यकता जैसे मुद्दों पर भी विस्तार से जानकारी दी। डीआईजी ने इन मुद्दों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाते हुए कहा कि अपराध नियंत्रण, तस्करी पर रोक और नक्सल गतिविधियों पर निगरानी प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया से प्राप्त सूचनाएं उनके लिए इंटेलिजेंस इनपुट के समान हैं और वे हर सूचना को गंभीरता से लेकर कार्रवाई करेंगे।

सकारात्मक पहल के रूप में देखी जा रही है यह मुलाकात
यह औपचारिक मुलाकात पत्रकारिता जगत और पुलिस विभाग के बीच संवाद और विश्वास को मजबूती देने वाली मानी जा रही है। ऐसी पहल से न सिर्फ आपसी समझ बेहतर होती है, बल्कि सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों को सशक्त मंच भी मिलता है। मुलाकात के अंत में डीआईजी नौशाद आलम ने पत्रकारों का आभार जताया और कहा कि वे हमेशा पत्रकारों से सहयोग और संवाद की अपेक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता है कि पुलिस की छवि जनता के बीच एक सहयोगी, संवेदनशील और न्यायप्रिय संस्था के रूप में स्थापित हो।वरिष्ठ पत्रकारों ने भी डीआईजी को विश्वास दिलाया कि वे जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देंगे और पुलिस प्रशासन को तथ्यपरक जानकारी उपलब्ध कराते रहेंगे।

मगही, भोजपुरी एवं हिंदी को जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री से आग्रह करेगा झामुमोः दीपक तिवारी

● पलामू प्रमंडल के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को नियुक्तियों में नहीं होगी परेशानी ● विपक्षी दल भाजपा को नागवार गुजर रही झामुमो द्वारा राज्य का विकास ● राज्य के लोकप्रिय पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर द्वारा मगही, भोजपुरी एवं हिन्दी भाषा को जोड़ने हेतु दिया गया है पत्र

राज्य में भाषा को लेकर विपक्ष द्वारा किए जा रहे राजनीति को लेकर झामुमो के युवा नेता दीपक तिवारी ने कहा कि पलामू प्रमंडल के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को नियुक्तियों में कोई परेशानी नहीं होगी। मगही, भोजपुरी एवं हिंदी को जोड़ने के लिए झामुमो मुख्यमंत्री से आग्रह करेगा। मुख्यमंत्री से आग्रह के लिए झामुमो अपनी तैयारी कर ली है। झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय समिति जिला कमेटी, गढ़वा एवं वरिष्ठ सदस्यों की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया है। माननीय पूर्व मंत्री श्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के कल्याणपुर स्थित आवास के सभागार में जिला अध्यक्ष शंभू राम की अध्यक्षता में इसपर गंभीरता पूर्वक विचार-विमर्श हुआ। यहां की जन भावनाओं को देखते हुए पलामू प्रमंडल के युवाओं के हित में हिंदी को जोड़ने के लिए सहानुभूति पूर्वक विचार करने हेतु माननीय मुख्यमंत्री जी से आग्रह करने का निर्णय लिया गया है, ताकि पलामू प्रमंडल के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग में नियुक्ति हो सके। दीपक तिवारी ने कहा कि पलामू के युवाओं के उत्थान के लिए झामुमो तत्परता के साथ कार्य करते रही है। भाषा के मामले में विपक्षी दलों द्वारा राजनीति कर लोगों को दिग्भ्रमित किया जा रहा है। ऐसा नहीं होना चाहिए। दीपक तिवारी ने बताया कि जिस दिन कैबिनेट में यह पारित हुआ था, उसी दिन राज्य के लोकप्रिय माननीय पूर्व मंत्री श्री मिथिलेश कुमार ठाकुर द्वारा माननीय मुख्यमंत्री को मगही ,भोजपुरी एवं हिंदी भाषा जोड़ने हेतु पत्र दिया गया है।
उन्होंने बताया कि भाषा के मामले पर गढ़वा के स्थानीय विधायक का बयान मीडिया में आता है कि झामुमो के नेताओं का पलामू प्रमंडल में घुसने नहीं देंगे। ऐसी बयानबाजी कर अपने आप को जनता के बीच हल्का करने का काम किया है। भाषा के मुद्दे पर स्थानीय विधायक आज गंभीर होते, तो बयानबाजी के जगह आमरण अनशन पर बैठते न कि राज्य में विकास कर रही झामुमो को उनके द्वारा जनविरोधी बताया जाता।
यहां के स्थानीय विधायक विकास पर ध्यान न देकर लोगों को भ्रमित करने एवं ठगने का काम किया जा रहा है। अपने लाभ के लिए आमजनों को धमकाया जा रहा है। अधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। उनकी मनमानी एवं गलत मनसा झामुमो पूरी नहीं होने देगी। स्थानीय विधायक होने के नाते जन समस्याओं के निदान के लिए उन्हें ठोस कदम उठाना चाहिए और आज उन्हें विपक्ष की सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए, लेकिन वे खुद भ्रष्टाचार में गोते लगा रहे हैं।
दीपक तिवारी ने कहा कि माननीय पूर्व मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर की जनता के हक एवं अधिकारों के लिए जीवन पर्यंत समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो जमीन स्तर की पार्टी है। वह प्रत्येक नागरिक की सुविधाओं का ख्याल रखती है। वहीं जनसमस्याओं के निदान हेतु हमेशा से तत्पर रही है। झामुमो राज्य में विकास कर रही है। अपनी कार्यो के बदौलत जनता के विश्वास पर खरा उतर रही है। यह सब विपक्षी दल भाजपा को नागवार गुजर रही है। वे खुद तो राज्य को विकास में पीछे छोड़ा था, अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्ववाली झामुमो की सरकार राज्य में विकास कर रही है, तो विपक्षी दल सहयोग करने के बजाए राजनीति करने में जुट गई है। विकास के हर रास्ते में अड़ंगा लगाने का कार्य हो रहा है। विपक्षी दल भाजपा राज्य के आदिवासी समाज, सामान्य एवं गरीब परिवार के साथ-साथ सभी वर्गो एवं समाज विरोधी रवैया अपना रही है। यह नहीं चाहती की पलामू एवं राज्य का विकास हो। दीपक तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हर तबके की समस्याओं का ख्याल रखते हैं। मुख्यमंत्री कई ऐसी जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा है, जिसका सीधा लाभ पाकर आम व्यक्ति अपना उत्थान कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास में सभी लोगों की भागीदारी होनी चाहिए न की विकास के नाम पर राजनीति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा भाषा के नाम पर लोगों को दिग्भ्रमित करने का कार्य कर रही है। जबकि पलामू ही नहीं राज्य के प्रत्येक व्यक्ति एवं समाज के उत्थान के लिए झामुमो हमेशा से प्रयत्नशील रही है।

सड़क हादसा से रंजीत कुमार की दर्दनाक मौत, स्कॉर्पियो पलटने से हुआ हादसा

बालूमाथ। बालूमाथ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सीरम गांव में बुधवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में मुरपा गांव निवासी एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान रतन साव के 28 वर्षीय पुत्र रंजीत कुमार के रूप में की गई है। घटना के बाद से गांव और परिजनों में मातम पसरा हुआ है।

रांची से लौटते वक्त हुआ हादसा
मिली जानकारी के अनुसार रंजीत कुमार अपनी निजी स्कॉर्पियो वाहन से रांची से मुरपा लौट रहा था। वह स्वयं वाहन चला रहा था और अकेला था। देर रात जैसे ही वह बालूमाथ थाना क्षेत्र के सीरम गांव के समीप पहुंचा,वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे पलट गया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो के पलटते ही रंजीत गंभीर रूप से घायल हो गया। सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गहरी चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद आस-पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद घायल रंजीत को वाहन से बाहर निकाला।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही तोड़ दिया दम
ग्रामीणों की मदद से घायल रंजीत को तुरंत बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण अत्यधिक रक्तस्राव हुआ,जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही बालूमाथ थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो वाहन को जब्त कर लिया गया है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

गांव में मातम,परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल
रंजीत कुमार की असामयिक मौत से मुरपा गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। वह अपने परिवार का मुख्य कमाऊ सदस्य था और मिलनसार स्वभाव के लिए जाना जाता था। जैसे ही दुर्घटना की सूचना गांव पहुंची, लोगों का तांता उसके घर पर लग गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मां-बाप और परिवार के अन्य सदस्य इस गहरे आघात से उबर नहीं पा रहे हैं।

प्रशासन से मदद की मांग
स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को अविलंब आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है। साथ ही सीरम क्षेत्र में सड़कों की स्थिति सुधारने,संकेतक लगाने और रात के समय पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था करने की भी मांग की गई है,ताकि भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो।

मारपीट के आरोपी को इटखोरी पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा न्याय हिरासत में जेल

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
इटखोरी (चतरा)। इटखोरी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक मारपीट के आरोपी को गिरफ्तार कर गुरुवार को चतरा जेल भेज दिया है। पुलिस ने रामदीप उर्फ रामू सिंह को हजारीबाग से गिरफ्तार की है। रामू विष्णापुर गांव का निवासी है। थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि इसके विरुद्ध गांव के हीं कुछ लोगों ने गत 17 मई 2025 को मारपीट करने संबंधित मामला दर्ज करवाए थे।

मइयां सम्मान योजना के लिए दर दर की ठोकरे खा रही है अनुसूचित जाति की महिला

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज प्रखंड के बलूरी पंचायत के दुन्दू गांव मे एक अनुसूचित जाति की महिला अभी तक मैया सम्मान योजना के लाभ से वंचित है। वंचित महिला वैजन्ती देवी पति संतोष गंझु है। इस बाबत महिला ने जानकारी साझा करते हुए बताया की महिला की लाख कोशिशो के बावजूद उसके खाते मे आज तक मैया सम्मान योजना की राशि नही आयी। उक्त महिला ने ये भी बताया योजना का लाभ लेने के लिए महिला कई बार प्रखंड कार्यालय के चक्कर भी लगायी है और लाभ पाने के लोभ मे पैसे भी खर्च किये है पर उक्त महिला को अभी तक लाभ नही मिल पाया है। उक्त महिला ने ये भी बताया की इसके लिए अपने पंचायत के मुखिया से भी मिली पर मुखिया भी इसको महिला सम्मान योजना का लाभ दिलाने मे असमर्थ साबित हुए।हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र मे ऐसी सैकड़ो महिलाये दर दर की ठोकरे खा रही है मैया सम्मान योजना का लाभ लेने के लिए। महिला ने जानकारी देते हुए बताया की प्रखंड कार्यालय मे बार बार जाने के बाद भी वहा से मुझे कोई लाभदायक जानकारी नही मिली बस ये कह कर टाल दिया गया की आपको भी योजना की राशि जरूर मिलेगी पर बदकिस्मती से महिला को आज तक लाभ नही मिला।ये क्षेत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बात है की एक अनुसूचित जाति की महिला अभी तक मैया सम्मान योजना के लाभ से वंचित है।

हमारी बोली हमारी पहचान है, भाषा हमारी माँ है साहेब..इसे मत छीनियेः आशीष भारद्वाज

भाषा पर अतिक्रमण व्यक्ति के निजता, संस्कृति और जुबान पे प्रहार है। ये किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

प्रदेश की सरकार ने एकबार फिर से भाषा विवाद को हवा दिया है। JTET परीक्षा हेतु जारी नियमावली जिसपर सरकार द्वारा सभी ज़िला के ज़िला शिक्षा पदाधिकारीयों से सुझाओ मांगा गया है उसमें पलामू और गढ़वा ज़िला के लिए राज्य द्वारा क्षेत्रीय भाषा के रूप में नागपुरी को स्थान दिया गया है। इसी बाबत पूर्व में भी भाषा आधारित नियोजन नीति के विरोध में मुखरता से आंदोलन करने वाले पलामू के फायरब्रांड युवा नेता आशीष भारद्वाज के नेतृत्व में आज पलामू के युवा व JTET अभियार्थियों ने जिला शिक्षा पदाधिकारी पलामू से मिलकर आग्रह किया की JTET परीक्षा हेतु क्षेत्रीय भाषा को लेकर राज्य सरकार ने जो उनसे सुझाओ मांगा है उसमे वे मगही को स्थान देने के साथ - साथ राज्य सरकार से ये सिफारिश करें की पलमुआ डायलेक्ट को अधिसूचित कर उसे भाषा की श्रेणी में सूचीबद्ध करें। सिर्फ़ पलामू - गढ़वा में 25 लाख से ज़्यादा लोगो की ये माई बोली÷ है और पूरे राज्य में 75 लाख से ज़्यादा लोग इस भाषा को बोलते है।आशीष भारद्वाज ने ज़िला शिक्षा पदाधिकारी से वार्ता के दौरान उन्हें पलामू की वेदना से अवगत कराते हुए भाषायी रूप में बोलकर भी समझाया की मगही, पलमुआ और भोजपुरी में क्या अंतर है। ज़िला शिक्षा पदाधिकारी पलामू ने आशीष भारद्वाज और उपस्थित लोगो से लघ- भग एक घंटे से ज़्यादा की वार्ता की, मामले को पूर्ण रूप से समझा और उपस्थित लोगो से ही सुझाओ मांगाते हुए ये आश्वस्त किया कि हम अपने सुझाओ पत्र में पलामू की भावना का ख्याल रखते हुए और आपके दिए सुझाओ को समाहित कर ही सरकार को प्रेषित करेंगे। आशीष भारद्वाज ने कहा कि हमारी बोली हमारी पहचान है, भाषा हमारी माँ है। किसी से उसका भाषा छीन लेना उसका जुबान काट लेने के बराबर है। हमने ज़िला शिक्षा पदाधिकारी पलामू को सभी बातों से अवगत करवाया, उन्होंने हमारी बात को बहुत गंभीरता से सुना भी और हम फिर से मगही और पलमुआ डायलेक्ट पर इनके द्वारा मांगे गए सुझाओ के साथ इनसे मिलेंगे। श्री भारद्वाज ने आगे बताया कि ये सरकार बार - बार भाषा के नाम पर हम पलामू - गढ़वा वासियों को अपमानित करने का काम कर रही है। जब भी पलामू गढ़वा को अधिकार देने की बात होती है मुख्यमंत्री जी षडयंत्र रचने लगते है, कभी भाषा के नाम पर तो कभी नियोजन के नाम पर। मुख्यमंत्री जी पलामू प्रमंडल वासियों को झारखंडी मानते भी है की नहीं इनके रवैये से ये समझ नहीं आता, अगर मानते है तो फिर ये सौतेला व्यवहार क्यों। या फिर हमारे राज्य के मुखिया को ये पता नहीं है की उनके प्रदेश के किस हिस्से में कौन सी भाषा बोली जाती है, अगर ऐसा है तो फिर बहुत विडंबना है। हम अपनी भाषा और संस्कृति पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं करेंगे। पलामू क्रांति की धरती रही है, हम पलामूवासी अपने स्वाभिमान की लड़ाई लड़ना खूब जानते है, इस सरकार से लड़े है और लड़ेंगे। इनको सिर्फ पलामू के गिट्टी, बालू और खनिज का पैसा चाहिए लेकिन पलामू के लोगो को उनका अधिकार देने में समस्या है तो ये अब नहीं चलेगा। इस स्वाभिमान की लड़ाई को लड़ने में जिस स्तर तक जाना होगा जाएँगे, सरकार से लड़ेंगे बहुत हुआ अब पलामू की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं करेंगे। डीईओ कार्यालय पलामू में वार्ता के दौरान रवि शर्मा, समाजसेवी नवीन तिवारी, शैलेश तिवारी, मधुकर शुक्ला, अजीत पाठक, चंदा झा, संदीप प्रसाद, दीपक प्रसाद, चंद्रकांत सिंह, मुकेश सिंह, शिवनारायण साव, प्रभात सिंह, गोलू मेहता,संजीत पांडेय, प्रकाश विश्वकर्मा, दिलीप गिरी, अंकित उपाध्याय, राज पांडेय, राजन पांडेय, अंकित आरंभ, सुजीत गुप्ता, प्रभात मिश्रा आदि सैकड़ो युवा और जेटेट अभियार्थी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

आयुष जांच शिविर में 87 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़ प्रखंड के ताकाटोला एवं सोनाजोड़ी एवं महेशपुर प्रखंड के चापतुरा में आयुष विभाग की ओर से गुरुवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 87 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ सौरभ विश्वास, डॉ कुलेश कुमार एवं डॉ राजेश यादव ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई।

उपायुक्त ने जिले में निर्बाध बिजली आपूर्ति का दिया निर्देश

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़। गुरुवार को उपायुक्त मनीष कुमार ने बिजली विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जिले में निर्बाध रूप से बिजली सेवा बहाल करने का निर्देश विद्युत कार्यपालक अभियंता को दिया। उपायुक्त ने जिले में विद्युत आपूर्ति सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि 6 बजे शाम से 6 बजे सुबह तक किसी भी क्रशर को बिजली मुहैया नहीं करायें जाएं। हर हाल में शहरी समेत ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से बिजली मिले ये सुनिश्चित की जाएं।अनावश्यक रूप से लोड शेडिंग एवं मेंटेनेंस के नाम पर बिजली कटौती न करें अन्यथा संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने खराब पड़े ट्रांसफार्मर व जर्जर बिजली के पोल व तारों को बदलने का निर्देश दिया। कहा कि बिजली आज की बुनियादी आवश्यकता है और इसे गांव-गांव तक पहुंचाना प्रशासन की प्रतिबद्धता है। इस दौरान उपायुक्त ने आरडीएसएस के तहत चल रहे कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। जिले में चिन्हित वैसे टोला व बस्ती जहां बिजली नहीं है। वहां बिजली सुविधा बहाल करने का निर्देश दिया।

नशा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत प्रखंड कार्यालय में अहम बैठक

- नशीले पदार्थों को बेचने वाले दुकानदारों पर की जाएगी कानूनी कार्रवाई- बीडीओ सुनील प्रकाश

विकाश कुमार कान्हाचट्टी
गुरुवार को कान्हाचट्टी प्रखंड सभागार में नशा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत एक अहम बैठक का आयोजन किया। बैठक में नशा से होने वाले नुकसान पर विशेष चर्चा की गई। तथा सार्वजनिक स्थानों और दुकानों में मिलने वाले नशीले पदार्थों पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने को कहा है। वही मौके पर उपस्थित कान्हाचट्टी प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील प्रकाश ने कहा कि कोई भी दुकानदार द्वारा नशीले पदार्थों का बिक्री किया गया तो बिना बिलंब किए उस पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। वही बैठक में उपस्थित राजपुर मुखिया विकास कुमार सिंह ने कहा कि प्रखंड में नाबालिग बच्चे सूखे नशे जैसे सिगरेट, गांजा, गुटका जैसी भयावह नशीले पदार्थों के सेवन करते अक्सर देखे जाते है। और यह भविष्य के लिए अच्छा नहीं है। यदि इस योर कड़ा कदम नहीं उठाया गया तो आने वाली पीढ़ी को हम बड़े नुकसान से नहीं बचा पाएंगे। साथ में उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में आए माननीय राष्ट्रपति महोदय का सार्वजनिक स्थानों पर सिगरेट पीने पर एक हजार का जुर्माना नशा उन्मूलन के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। बस प्रशासन ऐसे लोगों पर उचित कानूनी करवाई करे। वही प्रखंड के सारे स्कूलों में और साप्ताहिक हाटों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। वही बैठक में बीडीओ सुनील प्रकाश, बीपीओ सुबोध पासवान, कनीय अभियंता शशिकांत कुमार, और नीतीश कुमार, राजपुर मुखिया विकाश कुमार सिंह, मड़गड़ा मुखिया सुप्रिया कुमारी, बाकचुंबा मुखिया पार्वती देवी, सहित कई पंचायत सेवक तथा ब्लॉक कर्मी उपस्थित रहे।

प्रोजेक्ट जागृति के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

- स्वास्थ्य विभाग पाकुड़ के द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों को अलग-अलग न करके एक साथ ही सभी तरह की बीमारियों की खोज 16 जून से डोर टू डोर अभियान चलाकर किया जाएगा
- उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सीएचओ, जीएनएम, एएनएम, एमपीडब्ल्यू एवं सहिया एवं आईआरएस छिड़काव दल हिरणपुर को किया सम्मानित

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़। स्वास्थ्य विभाग के सौजन्य से एकीकृत खोज अभियान- कालाजार, मलेरिया, फाइलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, टीबी, कुष्ठ, एनिमिया, एनसीडी, एएनसी, आईडीएसपी, एनटीसीपी टीकाकरण से संबंधित जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रविन्द्र भवन टाउन हॉल में आयोजित की गई।
कार्यशाला का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, जिला भीवीडी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ के. के. सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया।
उपायुक्त मनीष कुमार ने सभी सहिया से कहा कि सभी तरह के प्रोत्साहन राशि की भुगतान 20 जून तक कर दिया जाएगा। साथ ही कहा कि 16 जून से इंटीग्रेटेड एक्टिव केस सर्च अभियान पूरे जिले में चलाया जाएगा। सभी सहिया दीदी अपने-अपने क्षेत्रों में डोर टू डोर अभियान चलाकर सभी तरह की बीमारियों की जांच एक साथ किया जाएगा। एक भी घर नहीं छूटने चाहिए, ये सभी सुनिश्चित करेंगे। जो भी सहिया, सीएचओ, एएनएम आदि जो उत्कृष्ट कार्य करेंगे उनको सम्मानित किया जाएगा। सभी आपस में समन्वय स्थापित कर जिले से सारी बीमारियों को दूर भगाना है और पाकुड़ को स्वास्थ्य के क्षेत्र में नंबर वन बनाना है।
इस कार्यशाला में बीपीएम, सीएचओ, एमटीएस, केटीएस, पीएमडब्ल्यू , एसटीएस, एसटीएलएस, एलटी, जीएनएम, एएनएम, एमपीडब्ल्यू एवं सहिया आदि को प्रशिक्षित किया गया।

सभी बच्चों तक बुनियादी शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की पहुँच सुनिश्चित हो तथा सामाजिक संरक्षण मिले

शिकारीपाड़ा/दुमका। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के मौके पर प्रवाह संस्था शाखा-शिकारीपाड़ा के द्वारा प्रतापपुर गाँव में सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रोजेक्ट मैनेजर प्रेम कुमार ने बताया कि प्रवाह संस्था शिकारीपाड़ा प्रखण्ड में सुरक्षित बचपन के लिए दामीन पहल अभियान के तहत बाल मजदूरी, बाल तस्करी, बाल विवाह, बाल यौन शोषण और अशिक्षा के विरुद्ध कार्य कर रही हैं। जन-जागरूकता, स्थानीय संस्थाओं का क्षमतावर्धन, प्रमुख हितधारकों से वकालत करके तथा मीडिया कर्मी के सहयोग से बच्चों के अधिकारों के संरक्षण के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। आज विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के मौके पर बाल श्रम के उन्मूलन के लिए सामुदायिक प्रतिबद्धता और भागीदारी को गति देने के हेतु विद्यालय प्रबंधन समिति के सहयोग से यह जागरूकता कार्यक्रम किया गया। बाल श्रम आज भी समाज के विकास में बाधक बना हुआ है। गरीबी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच का अभाव, जागरूकता का अभाव, पलायन जैसे कारणों की वजह से बच्चे बाल मजदूरी के कुचक्र में फंस जाते हैं। जिसके कारण बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास बुरी तरह प्रभावित होने के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के लिए कुशल मानव पूंजी की संभावना कम हो जाती है। इसलिए समाज के सभी वर्गों को आगे आकर बच्चों को उनके अधिकार दिलाने के लिए आवश्यक पहल करनी होगी। सभी बच्चों तक बुनियादी शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की पहुँच सुनिश्चित हो तथा उन्हे सामाजिक संरक्षण मिलेगी तभी हम बच्चों को सुरक्षित बचपन दे सकते हैं।
इस मौके पर सुशीला कुमारी, बिमोली हेंब्रम, रवि मरांडी सावित्री हेंब्रम, क्रिस्टीना मरांडी, डेवला मरांडी, दिनेश साहा, शिवम मिर्धा और सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एवं बच्चे मौजूद थे।

उपायुक्त व सिविल सर्जन ने चिकुनगुनिया व डेंगू के बचाव को लेकर जागरूक प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़। बरसात का मौसम शुरू होते ही स्वास्थ्य विभाग चिकुनगुनिया और डेंगू से बचाव के लिए सतर्क हो गया है। इस बीमारी से बचाव और बीमारी के प्रति लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए आज गुरुवार को रविन्द्र भवन टाउन हॉल परिसर से उपायुक्त व सिविल सर्जन के द्वारा चिकुनगुनिया व डेंगू के बचाव को लेकर जागरूक प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि यह प्रचार रथ सभी प्रखंडों के विभिन्न पंचायतों एवं टोलों में जाकर बीमारी से बचाव के तरीके बतायेगी। घर के आसपास टुट-फुटे बर्तन, पुराने टायर अथवा गमला या कुलर में पुराना में पानी न जमा होने देने, पानी में दो बूंद किरोसीन डालने तथा बीमारी के लक्षण दिखते ही अपने निकटवर्ती अस्पताल में पहुंच कर उसका तुरंत इलाज शुरू करायें। उपायुक्त ने कहा कि जागरूकता ही दोनों बीमारियों का सही इलाज है।

सोसाइटी फॉर पीपल्स अवेयरनेस संस्था के द्वारा विश्व बाल मजदूर विरुद्ध दिवस के अवसर पर कार्यशाला का किया गया आयोजन

शिकारीपाड़ा/दुमका।
सोसाइटी फॉर पीपल्स अवेयरनेस संस्था शिकारीपाड़ा के द्वारा हाई स्कूल शिकारीपाड़ा में गुरुवार 12जून को विश्व बाल मजदूर विरुद्ध दिवस के अवसर पर एक कार्यशाला आयोजित किया गया। जिसमे वर्ग नवम से बारवीं कक्षा के बच्चों को बाल श्रम के दुष्पपरिणाम से अवगत कराया गया। साथ ही शिक्षक के द्वारा जानकारी दिया गया की शिकारीपाड़ा खदान क्षेत्र होने के कारण यहां बाल मजदूर की संख्या काफी मात्रा में है और ग्रामीण क्षेत्रों में अभिभावक को जागरूक करने की आवश्यकता है और इस अभियान को स्पेन के द्वारा पिछले एक सप्ताह से ग्रामीण इलाकों में जागरूक अभियान चलाया गया स्पेन के प्रतिनिधि रेखा टोप्पो और राजकुमार मंडल के द्वारा।

बिरसा हरित ग्राम योजना ले रजिबुल बना स्वावलंबी, आम और सब्जी की होती अच्छी उपज

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़। उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा पाकुड़ प्रखंड स्थित हिरानंदनपुर पंचायत के बेलडंगा ग्राम में मनरेगा अंतर्गत संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना का निरीक्षण किया गया। लाभुक रजीबुल शेख ने उपायुक्त को बताया कि 1 एकड़ आम बागवानी जिसमें 112 आम का पौधा, इमारती 80 पौधा का मिश्रित खेती मैंने किया है। जिसमें आम की अच्छी उपज एवं आमदनी हुई है। इसके अलावे सब्जी की खेती, नींबू, कटहल, पपीता, इत्यादि का खेती किया गया है। लाभुक ने बताया कि 2024 में आम 26 हजार का, सब्जी 16 हजार का बिक्री किया गया। इस बार आमदनी लाख पहुंच गया है। उपायुक्त ने किसान से आम की वैरायटी एवं उनके पैदावार के बारे में जानकारी ली गयी। उन्होंने कहा कि सभी योग्य लाभुक इस योजना से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकते हैं। साधारण खेती के स्थान पर यह एक बेहतर विकल्प है। सरकार द्वारा इसे प्रोत्साहित किया जा रहा है, इसका लाभ लें। लाभुक के द्वारा उपायुक्त महोदय को आम खिलाया गया। उपायुक्त ने आम खाकर लाभुक राजीबुल के कार्यों की सराहना किया तथा आगे बढ़ने का हौसला दिया।
मौके पर विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री समीर अल्फ्रेड मुर्मू एवं परियोजना पदाधिकारी मोतिउर रहमान उपस्थित थे।

उपायुक्त ने एकलव्य विद्यालय समिति की बैठक की, एकलव्य विद्यालय संचालन के लिए दिये निर्देश

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़। उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में एकलव्य मॉडल आवासीय उच्च विद्यालय, कुमारभाजा, लिट्टीपाड़ा एवं राजबाड़ी, पाकुड़िया के संचालन हेतु जिला निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों, प्रधानाध्यापकों को वित्तीय वर्ष 2025-26 में नए सत्र में प्रारंभ होने वाले एकलव्य मॉडल आवासीय उच्च विद्यालय, कुमारभाजा, लिट्टीपाड़ा एवं राजबाड़ी, पाकुड़िया का संचालन से संबंधित बिन्दुवार समीक्षा कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया।
उपायुक्त द्वारा एकलव्य मॉडल आवासीय उच्च विद्यालय, कुमारभाजा, लिट्टीपाड़ा एवं राजबाड़ी, पाकुड़िया के प्रधानाध्यापक से आवासीय विद्यालय संचालन हेतु विद्यालय से संबंधित समस्याओं के बारे में जानकारी ली एवं निर्देश दिया कि विद्यालय के समस्याओं को विद्यालय के लेटर पैड में लिखकर परियोजना निदेशक, आईटीडीए, पाकुड़ को समर्पित करें। साथ ही साथ दोनों प्रधानाध्यापकों को आवासन विद्यालय में ही रहने एवं दोनों विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को विद्युत हेतु नया कनेक्शन करवाने के लिए निर्देश दिया गया।
उपायुक्त द्वारा संबंधित प्रखण्ड के प्रभारी प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि विद्यालय का निरीक्षण करते हुए संबंधित समस्याओं का निरीक्षण प्रतिवेदन परियोजना निदेशक, आईटीडीए, पाकुड़ को समर्पित करेंगे।

इंसानियत फाउंडेशन के तीन सदस्यों ने रक्तदान क़र पेश किया मानवता का मिशाल

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़ सोनाजोरी सदरअस्पताल मे इलाजरत सीतेशनगर के 8 वर्षीय आरिल शेख जो थैलेसीमिया पीड़ित है हीमोग्लोबिन काफ़ी कम हो गया उन्हें ए पॉजिटिव खून की जरूरत पड़ी एवं हिरणपुर मजलाडीह के 10 वर्षीय आर्मीन खातून क़ो ए पॉजिटिव ब्लड की जरूरत पड़ी यह भी थैलेसिमीया पीड़ित है, पेसेंट के परिजनों ने ब्लड की काफ़ी खोज की मगर असफल रहे। अस्पताल मे डियूटी मे तैनात डॉक्टर ने खून चढ़ाने का सलाह दिया तभी परिजनों ने इंसानियत फाउंडेशन के सचिव बानिज शेख से संपर्क किया। चांचकी से हाबिल शेख एवं हसन शेख ए पॉजिटिव, अंसारुल आलम ए पॉजिटिव, मियां रुल बी पॉजिटिव पाकुड़ रक्तदान अधिकोष जाकर रक्तदान किया। बी पॉजिटिव स्टॉक रहा तब जाकर समय पर इलाज हो पाया परिजनों ने संस्था के सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया और डोनर मित्रों ने कहा बहुत ख़ुशी महसूस हो रहा है रक्तदान करके आगे भी असहाय जरूरतमंदो को रक्तदान करता रहूंगा। मौक़े पर सचिव बानिज शेख राब्बेकुल शेख और कर्मचारी नविन कुमार थे।

विश्व बाल श्रम दिवस के अवसर पर झारखंड विकास परिषद द्वारा डुमरचीर पंचायत में कार्यक्रम आयोजित किया गया

- बाल श्रम को समाप्त करने के लिए कार्रवाई को तेज करने की आवश्यकता है- मुखिया रामी पहाड़ीन
- बाल श्रम एक गंभीर समस्या है- अजय मुर्मू

सौरभ भगत
आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
अमड़ापाड़ा (पाकुड़)। झारखंड विकास परिषद द्वारा गुरुवार को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के शुभ अवसर पर डुमरचीर पंचायत भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डुमरचीर पंचायत के मुखिया रामी पहाड़ीन,पंचायत सचिव अबुबकार शेख,जकोब सोरेन, पानमती टुडू,राजीव रंजन व मनोरंजन सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रजवालीत कर किया गया।इस मौके पर मुखिया रामी पहाड़ीन ने कहा की विश्व बाल श्रम निषेध दिवस हर साल 12 जून को मनाया जाता है.।विश्व बाल श्रम निषेध दिवस का इस साल का थीम है।बाल श्रम को समाप्त करने के लिए कार्रवाई को तेज करने की तात्कालिकता को दर्शाती है. कार्यक्रम का उद्देश्य को बताते हुए राजीव रंजन ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से बाल श्रम के बारे में जागरूकता बढ़ाना,इसके दुष्परिणामों के बारे में बताना,और बाल श्रम को समाप्त करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना है।अजय मुर्मू ने कहा कि बाल श्रम एक गंभीर समस्या है जो बच्चों के विकास शिक्षा और उनके जीवन को प्रभावित करती है इस दिन को मनाने से हम सभी को इस समस्या के बारे में जागरूक रहने और इसे समाप्त करने के लिए कदम उठाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।कैलाश ठाकुर ने कहा कि गरीबी बाल श्रम की प्रमुख वजह है। बाल श्रम मानसिक, शारीरिक और सामाजिक रूप से खतरनाक है,और बच्चों के लिए हानिकारक है।बाल श्रम के तहत, बच्चे विद्यालय से ड्रॉप आउट हो जाते है, बच्चे गुलाम बन जाते हैं, अपने परिवारों से अलग हो जाते हैं, और बंधुआ मजदूर के रूप में कार्य करते है। मनोरंजन सिंह ने बताया की जो बच्चे विद्यालय में नही है वे बल मजदूर है। बच्चे ने सक्रिय रूप से कार्यक्रम मे भाग लिए बच्चे ने बाल श्रम रोकने के लिए चित्राकंन के माध्यम से बाल मजदूरी हेतु जागरूक किया।बच्चे ने कहा कि जो भी माता-पिता या अभिभावक बच्चे से बाल श्रम कराते हैं वो बाल अधिकार का उल्लघन करते है। बच्चे के द्वारा जिसमें विभिन्न स्लोगन के माध्यम से जागरूकरैली निकली गयी इन्होंने ने कहा कि बच्चे को श्रम नही शिक्षा दो। हर बच्चे का है अधिकार रोटी, खेल, पढ़ाई, प्यार। नन्हें बच्चे को काम नहीं उसको सम्मान दो। मौके पर संस्था किरानी मुर्मू, मुकेश मुर्मू, प्रेम लाल, अनीता मरांडी, साईमन सोरेन, सुहागिनी मरांडी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

भारत में बढ़ते आयात से स्थानीय विनिर्माण को भारी नुकसान

>> विचार

“ चीन भारत का शीर्ष आयात स्रोत बना हुआ है, जो किसी भी एक देश से अब तक का सबसे बड़ा आयात स्रोत है। पिछले वित्त वर्ष में, भारत का कुल आयात बढ़कर 915.19अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। यह वृद्धि उच्च माल आयात द्वारा संचालित थी, जो 720.24अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गयी, जो पिछले वित्त वर्ष में 678.21अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि थी। सरकार का कोई भी विभाग वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सरकार के संचालन के बाद से कम और धीमी घरेलू औद्योगिक उत्पादन और घटती हुई नौकरी वृद्धि दर की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। सरकार एक सपने के सौदागर की तरह काम कर रही है, जिसे अक्सर भारत की दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं का पूर्वानुमान लगाने और उस पर ध्यान केंद्रित करने में व्यस्त देखा जाता है।

नन्तू बनर्जी

आयात करके प्रसन्न रहने वाली सरकार की उदार निवेश नीति, विशेष रूप से विनिर्माण में, की अनुपस्थिति में तथाकथित 'मेक-इन-इंडिया' पहल को बहुत कम सफलता मिली, जो विदेशी औद्योगिक निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित कर सकती थी, जैसा कि उन्होंने कई वर्षों तक कम्युनिस्ट चीन में किया था। विदेशी निवेशकों को सरकार के राजनीतिक रंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। भारत के आर्थिक विकास के आंकड़े घरेलू विनिर्माण, औद्योगिक उत्पादन और रोजगार सृजन से तेजी से अलग होते जा रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश की 6.5 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र का अत्यल्प योगदान रहा, जो चार वर्षों में सबसे ऊपर था। पिछले साल अच्छे मानसून के बावजूद, दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) में देश के कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 3.5 प्रतिशत रही। 2024-25 के लिए औद्योगिक विकास दर केवल 4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले चार वर्षों में सबसे कम है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2025 में देश का औद्योगिक उत्पादन आठ महीने के निचले स्तर 2.7 प्रतिशत पर आ गया। तब फिर देश की जीडीपी वृद्धि को कौन आगे बढ़ा रहा है? जाहिर है, देश का कम भरोसेमंद विशाल सेवा क्षेत्र, जिसे भारी आयात आधार दे रहा है। विडंबना यह है कि पिछले वित्त वर्ष में भारत के कुल आयात में 6.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, जो देश की जीडीपी वृद्धि दर से थोड़ा अधिक है। इससे कुछ हद तक गलत धारणा बन सकती है कि जीडीपी वृद्धि आयात वृद्धि से जुड़ी हुई है। अनियंत्रित आयात, मुख्य रूप से चीन से, भारत की घरेलू उत्पादन पहल और देश के नयी नौकरी सृजन एजेंडे को कमजोर कर रहे हैं। भारत से चीन को आयात तेजी से घट रहा है। पिछले वित्त वर्ष में चीन से भारत का आयात 113 अरब डॉलर से अधिक था, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.5 प्रतिशत अधिक था। चीन से आयात किये जाने वाले शीर्ष उत्पादों में विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मशीनरी, कार्बनिक रसायन और प्लास्टिक शामिल थे, जिनमें से अधिकांश का निर्माण भारत में किया जाना चाहिए था। इस वृद्धि ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ाने में योगदान दिया। इसके विपरीत, चीन को भारत का माल निर्यात पिछले साल के 16.66अरब डॉलर से घटकर केवल 14.25 बिलियन डॉलर रह गया। निर्यात-प्रधान चीन भारत से कुछ भी आयात करना पसंद नहीं करता है। सरकार में कोई भी व्यक्ति देश में साल दर साल, खास तौर पर चीन से आयात में हो रही भारी वृद्धि के बारे में चिंतित नहीं दिखता। आयात ज्यादातर घरेलू उत्पादन और स्थानीय नौकरियों की कीमत

पर होता है। कोई भी देश केवल माल का आयात नहीं करता। वह श्रम का भी आयात करता है, जो आयातित उत्पादों के निर्माण में जाता है। चीन भारत का शीर्ष आयात स्रोत बना हुआ है, जो किसी भी एक देश से अब तक का सबसे बड़ा आयात स्रोत है। पिछले वित्त वर्ष में, भारत का कुल आयात बढ़कर 915.19अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। यह वृद्धि उच्च माल आयात द्वारा संचालित थी, जो 720.24अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गयी, जो पिछले वित्त वर्ष में 678.21अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि थी। सरकार का कोई भी विभाग वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सरकार के संचालन के बाद से कम और धीमी घरेलू औद्योगिक उत्पादन और घटती हुई नौकरी वृद्धि दर की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। सरकार एक सपने के सौदागर की तरह काम कर रही है, जिसे अक्सर भारत की दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं का पूर्वानुमान लगाने और उस पर ध्यान केंद्रित करने में व्यस्त देखा जाता है। आयात करके प्रसन्न रहने वाली सरकार की उदार निवेश नीति, विशेष रूप से विनिर्माण में, की अनुपस्थिति में तथाकथित 'मेक-इन-इंडिया' पहल को बहुत कम सफलता मिली, जो विदेशी औद्योगिक निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित कर सकती थी, जैसा कि उन्होंने कई वर्षों तक कम्युनिस्ट चीन में किया था। विदेशी निवेशकों को सरकार के राजनीतिक रंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। 2025 के पहले तीन महीनों में, चीन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 36.9अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था। पूरे 2024-25 के दौरान भारत में मात्र 0.4अरब डॉलर के एफडीआई प्रवाह के आकलन पर विचार करें। एक साल पहले यह 10.1अरब डॉलर था। गत वर्ष का आंकड़ा शायद देश के वार्षिक एफडीआई प्रवाह रिकॉर्ड में सबसे खराब प्रदर्शन है, जबकि सरकार भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने की बात करती रहती है। भारत के अपने औद्योगिक उद्यमी देश में बहुत कम निवेश कर रहे हैं। इसके बजाय, वे विदेश में निवेश करने में लिप्त हैं सिंगापुर, अमेरिका, यूएई, मॉरीशस और नीदरलैंड ने मिलकर ओवरसीजएफडीआई (ओएफडीआई) में आधे से अधिक की वृद्धि की। देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केवल चार प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि मार्च 2024 में दर्ज 5.5 प्रतिशत से कम है। विनिर्माण क्षेत्र में और मंदी का अनुभव हुआ, जो वर्ष के लिए 4.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2023-24 में 12.3 प्रतिशत से काफी कम है। मार्च 2025 में आईआईपी में केवल तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछले वित्तीय वर्ष की अप्रैल-अक्तूबर अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत से कम बनी हुई है। विजुअल कैपिटलिस्ट के अनुसार, चीन के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी 2025 में वैश्विक विनिर्माण उत्पादन का लगभग 29 प्रतिशत होने का अनुमान है। यह वैश्विक विनिर्माण में चीन के महत्वपूर्ण प्रभुत्व को बढ़ाता है, जो संभावित रूप से अमेरिका और उसके सहयोगियों के संयुक्त हिस्से से मेल खाता है या उससे अधिक है। विशेष रूप से, चीन के बारे में अनुमान है कि वह4.8 ट्रिलियन डॉलर का विनिर्माण उत्पादन करता है, जो वैश्विक मूल्य का 29 प्रतिशत है। दो महीने से भी कम समय पहले, भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि देश अगले दो दशकों में अपने विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 23 प्रतिशत करने की योजना बना रहा है, जिसका उद्देश्य रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को गति देना है। कैलिफोर्निया के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में हूवरइंस्टीट्यूशन में बोलते हुए, वित्त मंत्री ने कहा था कि-भारत जीडीपी में विनिर्माण की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा घटक, चिकित्सा उपकरण, बैटरी और चमड़ा और कपड़ा सहित श्रम-गहन उद्योगों जैसे 14 पहचाने गये उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हालांकि, इन उद्योगों में से, सेमीकंडक्टर केवल भारत में एक उभरता उद्योग प्रतीत हो सकता है। संयोग से, वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का वर्तमान स्वरूप लगभग 70 वर्ष पुराना है। पहला व्यावसायिक रूप से उपलब्ध माइक्रोप्रोसेसर, इंटेल 4004, 1971 में जारी किया गया था। भारत को चालू वर्ष के अंत तक विदेशी इक्विटी और तकनीकी नियंत्रण के तहत अपना पहला स्थानीय रूप से उत्पादित सेमीकंडक्टर चिप लॉन्च करने की उम्मीद है। भारत सेमीकंडक्टर का एक प्रमुख आयातक है। इसका स्थानीय अंतिम उपयोग बाजार 2025 में $54 अरब से दोगुना होकर 2030 तक $108 अरब हो जाने का अनुमान है। हाल ही में, सरकार के अत्यधिक उदार निवेश प्रोत्साहनों से घरेलू सेमीकंडक्टर उत्पादन को बढ़ावा देने में विदेशी कंपनियों को मदद मिलने की उम्मीद है। हाल ही तक, सरकार देश के औद्योगिक और विनिर्माण आधारों को मजबूत करने के बारे में बहुत लापरवाह दिखी। 2014-15 में भी, जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार केंद्र में सत्ता में आयी (26 मई, 2014), तब भारत के विनिर्माण क्षेत्र ने देश के सकल घरेलू उत्पाद में 16.3 प्रतिशत का योगदान दिया था। जबकि सरकार की बहुचर्चित 'मेक-इन-इंडिया' नीति सितंबर 2014 में शुरू की गयी थी, जिससे इसके हिस्से को तेजी से आगे बढ़ाने की उम्मीद थी, लेकिन बाद में सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान मुख्य रूप से कार्यक्रम के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता की कमी और पिछले कुछ वर्षों में अनियंत्रित आयात वृद्धि के कारण कम हो गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि देश की वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर आम तौर पर विनिर्माण क्षेत्र और रोजगार के विकास को प्रतिबिंबित करने में विफल रही है।

संपादकीय

बड़े बदलाव की वाहक बन सकती है

निस्संदेह, ऊर्जा मंत्रालय का ऊर्जा नियामक ब्यूरो, बिजली खपत कम करने वाले उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देता है। लेकिन जब गर्मी रिकॉर्ड तोड़ती बढ़ रही है तो तापमान बढ़ने पर बिजली की खपत अनिवार्य रूप से बढ़ने लगती है। लेकिन इसका एकमात्र कारण एसी का बढ़ता उपयोग ही नहीं है। हमें खुद से सवाल पूछने की जरूरत है कि हमारे शहर इतने गर्म क्यों हो रहे हैं? हम इस बढ़ते तापमान से नागरिकों को राहत क्यों नहीं दे पा रहे हैं। अंधाधुंध-अवैज्ञानिक तरीके से हो रहे निर्माण कार्य भी इसमें कम दोषी नहीं हैं। हमने चारों तरफ कंक्रीट के जंगल तो बना दिए लेकिन शहरों में हरियाली का दायरा लगातार सिमटता जा रहा है। जिससे हवा का प्राकृतिक प्रवाह भी बाधित हो रहा है। विकास के नाम पर जो सैकड़ों वर्ष पुराने पेड़ काटे जाते हैं, उसकी क्षतिपूर्ति नये पेड़ लगाकर नहीं की जाती है। हम घरों को प्राकृतिक रूप से ठंडा बनाये रखने वाली भवन निर्माण तकनीक नहीं अपना रहे हैं। यदि उष्मारोधी भवन निर्माण सामग्री को बढ़ावा दिया जाए तो लोगों को कम बिजली खपत से भी राहत मिल सकती है। हमारी जीवनशैली बिजली की खपत को लगातार बढ़ा रही है। यदि हमारे देश में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दिया जाए तो सड़कों पर निजी वाहनों का उपयोग कम होने से वाहनों के गर्मी बढ़ाने वाले उत्सर्जन को कम किया जा सकता है। हमें भवन निर्माण में छतों को ठंडा रखने वाली तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। ऐसी सामग्री या सिस्टम का उपयोग किया जाना चाहिए जो पारंपरिक छत की तुलना में ताप बढ़ाने वाली सूरज की रोशनी को परावर्तित कर सके। इन उपायों से हम ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को भी कम करने का प्रयास कर सकते हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में हरियाली को बढ़ाकर और पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करके हम तापमान को कम करने का प्रयास भी कर सकते हैं। सरकार और समाज की साझा जिम्मेदारी एक बड़े बदलाव की वाहक बन सकती है। स्थानीय निकाय, निजी क्षेत्र की संस्थाएं व गैर सरकारी संगठन निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

गांव से जिनेवा तक: भारत का सामाजिक सुरक्षा मॉडल

प्रो. आरके जैन

भारत की धरती पर एक ऐसी क्रांति जन्म ले रही है, जो न केवल आंकड़ों की किताबों में दर्ज होगी, बल्कि करोड़ों दिलों की धड़कनों में बसेगी। यह कहानी है 94 करोड़ लोगों की, जो आज सामाजिक सुरक्षा के अभेद्य कवच में सांस ले रहे हैं। यह कहानी है उस भारत की, जिसने एक दशक में असंभव को संभव कर दिखाया, विश्व मंच पर सामाजिक सुरक्षा कवरेज में दूसरा स्थान हासिल किया। 2015 में जहां केवल 19% आबादी इस सुरक्षा के दायरे में थी, वहीं 2025 में यह आंकड़ा 64.3% तक पहुंच गया। यह 45% का ऐतिहासिक उछाल केवल एक संख्या नहीं, बल्कि उस अटल संकल्प का प्रतीक है, जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाने का वादा करता है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुई उस यात्रा का गवाह है, जो "सबका साथ, सबका विकास" को नारा नहीं, बल्कि हकीकत बनाती है। इस क्रांति की नींव उन कल्याणकारी योजनाओं पर टिकी है, जिन्होंने गरीबों, मजदूरों और समाज के हाशिए पर खड़े लोगों के जीवन को नई रोशनी दी। आयुष्मान भारत ने करोड़ों परिवारों को मुफ्त इलाज का सहारा दिया, तो अटल पेंशन योजना ने बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा का भरोसा दिलाया। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और जन-धन योजना ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और महिलाओं को वह आत्मविश्वास दिया, जो उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता की ओर ले जाता है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने भारत की इस उपलब्धि को न केवल सराहा, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक मिसाल के रूप में पेश किया। आईएलओ के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ हुंगबो ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में जो प्रगति की है, वह विश्व के लिए एक प्रेरणा है।" यह प्रशंसा उस भारत की ताकत

को रेखांकित करती है, जो अपने हर नागरिक को गरिमा और सुरक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है। जिनेवा में आयोजित 113वें अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने भारत की इस उपलब्धि को गर्व के साथ प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, "यह वृद्धि ‘अंत्योदय’ के उस सिद्धांत को साकार करती है, जो समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति को सशक्त बनाने का वादा करता है।" भारत ने न केवल सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाया, बल्कि इसे डिजिटल और पारदर्शी बनाकर एक नया वैश्विक मानक स्थापित किया। आईएलओ के सहयोग से शुरू किया गया राष्ट्रीय डाटा पूलिंग अभियान इसकी सबसे बड़ी मिसाल है। यह अभियान न केवल लाभार्थियों की संख्या को ट्रैक करता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि योजनाएं विधायी रूप से समर्थित और समयबद्ध हों। भारत 2025 के सामाजिक सुरक्षा डाटा को आईएलओएसटीएट डेटाबेस में अपडेट करने वाला पहला देश बना, जो इसकी डिजिटल प्रणालियों और पारदर्शिता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह उपलब्धि केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह उस किसान की कहानी है, जो अब आयुष्मान भारत के तहत बिना चिंता के इलाज करवा सकता है। यह उस मजदूर की कहानी है, जिसे अटल पेंशन योजना ने बुढ़ापे में सहारा दिया। यह उस महिला की कहानी है, जो जन-धन खाते के माध्यम से अपनी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रख सकती है। वर्तमान आंकड़े केवल प्रथम चरण को दर्शाते हैं, जिसमें केंद्रीय योजनाओं और आठ राज्यों की महिला-केंद्रित योजनाओं के लाभार्थी शामिल हैं। दूसरे चरण में यह कवरेज 100 करोड़ के आंकड़े को पार करने की ओर अग्रसर है। यह न केवल भारत के लिए, बल्कि विश्व के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा, जब एक अरब लोग सामाजिक सुरक्षा के दायरे में होंगे। भारत का यह समावेशी दृष्टिकोण इसे अन्य देशों से अलग करता है। सरकार ने सामाजिक सुरक्षा को एक नीति से आगे बढ़ाकर इसे अधिकार-आधारित बनाया है। मांडविया ने आईएलओ महानिदेशक के साथ चर्चा में इस बात पर जोर दिया कि मोदी सरकार का विजन समाज के हर वर्ग को सशक्त करना है। "हमारा लक्ष्य केवल आंकड़े बढ़ाना नहीं, बल्कि हर व्यक्ति के जीवन में वास्तविक बदलाव लाना है," उन्होंने कहा। यह दृष्टिकोण भारत को एक अनूठा स्थान देता है। जहां कई देश सामाजिक सुरक्षा को केवल एक प्रशासनिक कार्य के रूप में देखते हैं, भारत ने इसे एक राष्ट्रीय मिशन बना दिया है। डिजिटल इंडिया की ताकत ने इस क्रांति को और मजबूत किया है। आधार-लिंक्ड डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और डिजिटल ट्रैकिंग ने यह सुनिश्चित किया कि योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचे। कई देश आज भी पारदर्शिता और पहुंच के मुद्दों से जूझ रहे हैं, लेकिन भारत ने डिजिटल प्रणालियों के माध्यम से इस चुनौती को अवसर में बदला। यह पारदर्शिता न केवल योजनाओं की विश्वसनीयता बढ़ाती है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत को एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत करती है। यह यात्रा केवल शुरुआत है। 100 करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने का लक्ष्य अब बस कुछ कदम दूर है। यह उपलब्धि भारत की नीतियों, नेतृत्व और सामाजिक प्रतिबद्धता की ताकत को दर्शाती है। यह उन अनगिनत चेहरों की मुस्कान की कहानी है, जिनके लिए सामाजिक सुरक्षा ने नई उम्मीदें जगाईं। यह उस भारत की कहानी है, जो विश्व मंच पर न केवल अपनी आर्थिक शक्ति, बल्कि अपनी सामाजिक संवेदनशीलता के लिए जाना जाएगा। यह क्रांति रुकने वाली नहीं है। यह भारत की वह ताकत है, जो हर नागरिक को सशक्त बनाने का वादा करती है। यह एक ऐसे भारत का निर्माण है, जहां कोई भी पीछे न छूटे, जहां हर व्यक्ति का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक हो। यह नया भारत है-एक ऐसा भारत, जो विश्व को दिखा रहा है कि समावेशी विकास का सपना हकीकत बन सकता है। और जब यह सपना 100 करोड़ लोगों तक पहुंचेगा, तो यह न केवल भारत, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक स्वर्णिम अध्याय होगा।

तपिश से बचने के लिये

विजय गर्ग

ऐसे वक्त में जब भारत के अनेक हिस्सों में तेज गर्मी से पारा उछल रहा है, तपिश से बचने के लिये बिजली की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि स्वाभाविक बात है। आम आदमी से लेकर खास आदमी तक गर्मी की तपिश से बचने के लिये कूलर से लेकर एसी तक का भरपूर इस्तेमाल करता है। हाल के दिनों में घरों, कार्यालयों, होटलों व मॉल तक में एसी का उपयोग बेतहाशा बढ़ा है। जिसके चलते गर्मियों के पीक सीजन में बिजली की खपत चरम पर पहुंच जाती है। ऐसे वक्त में केंद्र सरकार ने एयर कंडीशनर यानी एसी की पहचान बिजली की बढ़ती खपत के लिये जिम्मेदार खलनायक के रूप में की है। केंद्र सरकार योजना बना रही है कि घरों,होटलों व कार्यालयों में बीस डिग्री से अट्ठाइस डिग्री सेल्सियस के बीच इस्तेमाल होने वाले इस उपकरण की कूलिंग रेंज को मानकीकृत किया जाए। नए दिशा-निर्देश लागू होने के बाद एसी निर्माताओं को बीस डिग्री से कम तापमान पर कूलिंग प्रदान करने वाले एसी बनाने से रोक दिया जाएगा। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर के अनुसार केंद्र सरकार की यह पहल बिजली बचाने और भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के प्रयासों का हिस्सा है। इस बात में दो राय नहीं कि गर्मियों की तपिश से बचने के लिये लोग अपने एसी को बहुत कम तापमान पर चलाते हैं। इस प्रवृत्ति का बिजली ग्रिड पर दबाव बहुत अधिक बढ़ जाता है। निश्चित रूप से इसके चलते बिजली कटौती की संभावना भी बहुत अधिक बढ़ जाती है। लेकिन इस संकट का अकेला मुख्य समाधान एसी को बेहद कम तापमान पर चलाया जाना ही नहीं है। इसके अलावा अन्य कारक भी हैं। यह भी एक हकीकत है कि सरकारी व निजी कार्यालयों में एसी का उपयोग काफी लंबे समय तक अंधाधुंध ढंग से किया जाता है। यहां इसके उपयोग में किफायत बरतने की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। निस्संदेह, ऊर्जा मंत्रालय का ऊर्जा नियामक ब्यूरो, बिजली खपत कम करने वाले उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देता है। लेकिन जब गर्मी रिकॉर्ड तोड़ती बढ़ रही है तो तापमान बढ़ने पर बिजली की खपत अनिवार्य रूप से बढ़ने लगती है। लेकिन इसका एकमात्र कारण एसी का बढ़ता उपयोग ही नहीं है। हमें खुद से सवाल पूछने की जरूरत है कि हमारे शहर इतने गर्म क्यों हो रहे हैं? हम इस बढ़ते तापमान से नागरिकों को राहत क्यों नहीं दे पा रहे हैं। अंधाधुंध-अवैज्ञानिक तरीके से हो रहे निर्माण कार्य भी इसमें कम दोषी नहीं हैं। हमने चारों तरफ कंक्रीट के जंगल तो बना दिए लेकिन शहरों में हरियाली का दायरा लगातार सिमटता जा रहा है। जिससे हवा का प्राकृतिक प्रवाह भी बाधित हो रहा है। विकास के नाम पर जो सैकड़ों वर्ष पुराने पेड़ काटे जाते हैं, उसकी क्षतिपूर्ति नये पेड़ लगाकर नहीं की जाती है। हम घरों को प्राकृतिक रूप से ठंडा बनाये रखने वाली भवन निर्माण तकनीक नहीं अपना रहे हैं। यदि उष्मारोधी भवन निर्माण सामग्री को बढ़ावा दिया जाए तो लोगों को कम बिजली खपत से भी राहत मिल सकती है। हमारी जीवनशैली बिजली की खपत को लगातार बढ़ा रही है। यदि हमारे देश में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दिया जाए तो सड़कों पर निजी वाहनों का उपयोग कम होने से वाहनों के गर्मी बढ़ाने वाले उत्सर्जन को कम किया जा सकता है। हमें भवन निर्माण में छतों को ठंडा रखने वाली तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। ऐसी सामग्री या सिस्टम का उपयोग किया जाना चाहिए जो पारंपरिक छत की तुलना में ताप बढ़ाने वाली सूरज की रोशनी को परावर्तित कर सके। इन उपायों से हम ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को भी कम करने का प्रयास कर सकते हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में हरियाली को बढ़ाकर और पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करके हम तापमान को कम करने का प्रयास भी कर सकते हैं। सरकार और समाज की साझा जिम्मेदारी एक बड़े बदलाव की वाहक बन सकती है। स्थानीय निकाय, निजी क्षेत्र की संस्थाएं व गैर सरकारी संगठन निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। (विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी** * **फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक सौमित्रा विश्वास का आगमन हुआ

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। आज गुरुवार 12 जून 2025 को साहेबगंज के धरती पर पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक सौमित्रा विश्वास का आगमन हुआ। जहां मालदा डिविजन के अंतर्गत साहेबगंज क्रू बुकिंग लॉबी के लोको रनिंग स्टॉफ के द्वारा हैंड ब्रेक लगाने व रिलीज करने के बारे में बातचीत किए। पीसीओएम साहब के द्वारा कोई साफ संकेत नहीं मिलने से कर्मचारियों में आक्रोश बना हुआ है। कर्मचारियों ने निर्णय लिया है कि अब वर्क टू रूल कार्य किया जायेगा। वीएचएफ, सीयूजी फोन का इस्तेमाल शांटिंग के दौरान नहीं किया जायेगा। रेलवे बोर्ड के नियम का पालन करते हुए 09 घंटे में गाड़ी खड़ी की जायेगी। प्रशासन भी नियम से काम करवाये, किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए निम्न कर्मचारी रोहित आनंद, बिनय कुमार, गोपाल कुमार, अमरजीत, रंजन, राजेश, विकाश, मनीष, रवि, अमित दिवाकर, मुकेश, गौतम, जीतेन्द्र, प्रभात, और अन्य समस्त रनिंग कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर साहेबगंज जिले में जागरूकता कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को बाल मजदूरी से बचाने, उनके अधिकारों की रक्षा करने तथा बाल श्रम के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही, बच्चों को बाल श्रम निषेध एवं विनियमन अधिनियम के अंतर्गत उपलब्ध कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि बाल श्रम करवाने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई हो सकती है। इसके अतिरिक्त, बाल तस्करी, बंधुआ मजदूरी एवं बाल यौन शोषण से बचाव के उपायों को बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान का उद्देश्य समाज को बाल श्रम के विरुद्ध संवेदनशील बनाना तथा बच्चों को एक सुरक्षित और सम्मानजनक बचपन सुनिश्चित करना है।

उपायुक्त व सिविल सर्जन के द्वारा एनीमिया के प्रति जागरूकता लाने हेतु एनीमिया मुक्त जागरूकता रथ को किया रवाना

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़ – गुरुवार को रविन्द्र भवन टाउन हॉल परिसर से उपायुक्त मनीष कुमार व सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल के द्वारा एनीमिया मुक्त जन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि यह जागरूकता रथ सभी प्रखंडों के विभिन्न पंचायतों, गांव, टोलों में भ्रमण करेगा और लोगों को एनीमिया जैसे बीमारी से बचाव के बारे में जागरूक करेगा।

बाइक -बाइक में भिंड़त दो युवक हुवे घायल, स्थिति नाजुक

पालोजोरी थाना अंतर्गत बैनीडीह के पास दो मोटरसाइकिलों में जोरदार भिड़ंत दो युवक हुवे घायल दोनों की स्थिति बताई नाजुक। बताया जाता है की गुरुवार शाम करीब साढ़े सात बजे के आसपास दो अलग-अलग मोटरसाइकिलों की हुई जोरदार भिड़ंत जिसमें से एक बाइक सवार सहित एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। वहीं इसकी जानकारी मिलते ही पालोजोरी थाना पुलिस सदलबल घटनास्थल पर पहुंचे व फौरन घायलों को इलाज़ को लेकर पालोजोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर उन्हें फौरन बाहर भेज दिया गया। वहीं दोनों युवक पालोजोरी की और से अपने घर बेदगांवा नवाडीह की और आ रहें थे। जबकि उसी में से एक अन्य युवक जो अस्ता गांव के रहने वाले बताये जा रहे हैं। वहीं इस घटना में एक का नाम आरिफ अंसारी पिता सागिर अंसारी उम्र करीब 21वर्ष अस्ता गांव के रहने वाले है बताये जा रहें जबकि वहीं दुसरे युवक का नाम रेहान अंसारी पिता नाजिर अंसारी उम्र करीब 22वर्ष बेदगांवा नवाडीह के रहने वाले बताया जा रहा है । वहीं इस घटना आमने-सामने बाइक की भिड़ंत में बताई जा रही। जबकि टक्कर मारने वाले बाइक सवार सहित बाइक लेकर फरार बताए जा रहे हैं। वहीं इस घटना की जानकारी मिलते पुलिस खोजबीन में जुट गई हैं।

झारखंड विधानसभा के अवर सचिव जितेन्द्र कुमार का आगमन हुआ

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज: आज साहेबगंज जिला में झारखंड विधानसभा के अवर सचिव जितेन्द्र कुमार का आगमन हुआ। उनके द्वारा परिसदन भवन के सभागार में जिला के सभी विभागों के योजनाओं/ कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने विभागीय कार्यों की प्रगति की जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन अंसारी उपस्थित रहे। विधायक ने जिले में चल रही योजनाओं की जमीनी स्थिति और जनहित से जुड़ी प्राथमिकताओं पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। बैठक में मुख्य रूप से जिला आपूर्ति विभाग, जिला भू अर्जन, भूमि सुधार, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, योजना कार्यालय, जिला पंचायती राज शाखा, जिला खेल विभाग, राज्य कर विभाग, जिला परिवहन, उत्पाद विभाग, उद्योग विभाग, नियोजन विभाग, कौशल विकास, अवर निबंधन, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, जिला समाज कल्याण, कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, भूमि संरक्षण, जिला उद्यान, गव्य विकास, जिला पशुपालन, पलाश, श्रम विभाग, नगर परिषद, मत्स्य विभाग आदि विभागों के कार्यों की विस्तृत रूप से समीक्षा किया गया। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम भगत समेत सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। अवर सचिव ने पदाधिकारियों को योजनाओं के सफल एवं समयबद्ध निष्पादन हेतु सक्रियता से कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि आमजन को योजनाओं का लाभ शीघ्रता से मिल सके।

भारतीय वन्यजीव संस्थान के सदस्यों द्वारा गंजेटिक डॉल्फिन का हुआ सर्वे

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। झारखंड भारतीय वन्य जीव संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा साहिबगंज जिले के गंगा नदी क्षेत्र में डॉल्फिन सर्वेक्षण किया गया। यह सर्वे साहिबगंज से लेकर राजमहल, उधवा होते हुए बंगाल सीमा तक किया गया। सर्वेक्षण का उद्देश्य गंगा डॉल्फिन के संरक्षण एवं उनके प्राकृतिक आवास को बेहतर बनाना था।

यह सर्वेक्षण वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री प्रबल गर्ग के निर्देश पर संपन्न हुआ। इसके साथ ही डॉल्फिन प्रहरियों को भी विशेष प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें उन्हें यह सिखाया गया कि वे किस प्रकार गंगा डॉल्फिन की सुरक्षा एवं संरक्षण में सहयोग कर सकते हैं। भारतीय वन्यजिव संस्थान की प्रोजेक्ट साइंटिस्ट डॉ. शोवना रॉय ने जानकारी दी कि साहिबगंज क्षेत्र में गंगा डॉल्फिन की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि इसका प्रमुख कारण यहाँ की गंगा नदी का स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त होना है, जो डॉल्फिन के लिए एक अनुकूल आवास प्रदान करता है। इसके साथ ही यह समृद्ध जैव विविधता के लिए भी अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

साहिबगंज गंगा नदी क्षेत्र न केवल जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह डॉल्फिन जैसे संकटग्रस्त जलजीवों के लिए भी एक सुरक्षित आश्रय स्थल बनता जा रहा है।

इस सर्वेक्षण के दौरान WII के सदस्य श्री विजय प्रताप सिंह, हिया शर्मा, सुरोजीत मैत्रा, राजीव साहा और सागर साहनी उपस्थित रहे। साथ ही स्थानीय वनरक्षी इन्द्रजीत कुमार और अंकित झा ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। डॉल्फिन प्रहरियों में संतोष यादव समेत अन्य सभी उपस्थित रहे।

बरहरवा में 200 केवीए ट्रांसफॉर्मर से बिजली आपूर्ति बहाल, ग्रामीणों ने जताया विधायक निसात आलम का आभार

मोहित मंसूरी/अजय कुमार कुशवाहा/ आदिवासी एक्सप्रेस
बरहरवा। बरहरवा नगर पंचायत के वार्ड नंबर 01 में बिजली की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। 12 जून 2025 को 200 केवीए क्षमता वाले नए ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई। विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर इसका शुभारंभ किया। इस अवसर पर भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे, जिन्होंने विधायक निसात आलम और उनकी टीम का आभार जताया। 7 जून 2025 को ग्रामीणों ने विधायक निसात आलम को आवेदन देकर पुराने ट्रांसफॉर्मर के जलने की समस्या बताई थी। विधायक ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सहायक अभियंता को निर्देश दिए, जिसके फलस्वरूप पांच दिनों में नया ट्रांसफॉर्मर स्थापित कर बिजली आपूर्ति शुरू की गई।

ग्रामीणों को गर्मी और पढ़ाई की समस्या से राहत
ग्रामीणों ने बताया कि लो वोल्टेज और बार-बार फ्यूज उड़ने से उनकी दिनचर्या प्रभावित थी। बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही थी और गर्मी में परेशानी बढ़ गई थी। नए ट्रांसफॉर्मर से अब निर्बाध बिजली आपूर्ति की उम्मीद जगी है।

इन लोगों ने बढ़ाया उत्साह
उद्घाटन समारोह में झामुमो नेता दिनेश कर्मकार, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, प्रखंड महासचिव नेहाल अख्तर, बमबम महतो, रीता पासवान, लव कुमार, रोहित महतो, अजीत कुमार रॉय, अमित भगत, शकुंतला देवी, नरेश कुमार महतो, विशाल दास, टुल्लू दास, सिंगरय, चरण राय, लक्ष्मी देवी, अजय महतो, शाहिद सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।
ग्रामीणों ने विधायक निसात आलम, झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव तनवीर आलम और विधायक प्रतिनिधि बरकत खान का धन्यवाद देते हुए भविष्य में भी निर्बाध बिजली आपूर्ति की अपेक्षा जताई।

तालझारी में निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व पुस्तकालय स्थल का डीसी ने किया निरीक्षण

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। डीसी हेमंत सती ने तालझारी प्रखंड मुख्यालय परिसर में निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में डीसी ने कार्य की गुणवत्ता, प्रगति तथा निर्धारित समय-सीमा के अनुसार निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश संबंधित एजेंसी को दिया। उन्होंने कहा परिसर में जिर्णोद्धार भवन एरिया में पेपर्स ब्लॉक, पीसीसी चेयर वह ब्लॉक परिसर में हरित ग्राम योजना फलदार पौधा लगाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके पश्चात डीसी ने नव-निर्मित किए जा रहे हैं ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन का भी निरीक्षण किया तथा कार्यों की अद्यतन जानकारी ली। उन्होंने सभी तकनीकी मानकों के अनुसार निर्माण कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीसी हेमंत सती ने राजकीय बुनियादी विद्यालय, तालझारी परिसर में प्रस्तावित पुस्तकालय भवन के लिए चयनित स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया कि पुस्तकालय का निर्माण बच्चों की सुविधा और पठन-पाठन के अनुकूल वातावरण को ध्यान में रखते हुए किया जाए। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया, प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। डीसी ने सभी उपस्थित अधिकारियों को योजनाओं के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर साहेबगंज जिले में जागरूकता कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को बाल मजदूरी से बचाने, उनके अधिकारों की रक्षा करने तथा बाल श्रम के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही, बच्चों को बाल श्रम निषेध एवं विनियमन अधिनियम के अंतर्गत उपलब्ध कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि बाल श्रम करवाने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई हो सकती है। इसके अतिरिक्त, बाल तस्करी, बंधुआ मजदूरी एवं बाल यौन शोषण से बचाव के उपायों को बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान का उद्देश्य समाज को बाल श्रम के विरुद्ध संवेदनशील बनाना तथा बच्चों को एक सुरक्षित और सम्मानजनक बचपन सुनिश्चित करना है।

ब्राइट कोचिंग सेंटर ने टॉपर्स छात्र छात्राओं को किया सम्मानित

• मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि बरकत खान शामिल हुए

अजय कुमार कुशवाहा जिला ब्यूरो आदिवासी एक्सप्रेस
बरहरवा गुरुवार को ब्राइट कोचिंग सेंटर कुशवाहा टोला बरहरवा में माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं में सफल छात्र छात्राओं के बीच प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि बरकत खान, विशिष्ट अतिथि 20सूत्री प्रखंड अध्यक्ष अशोक दास, निवर्तमान नगर अध्यक्ष श्यामल कुमार दास, एवं विशाल कुमार कुशवाहा शामिल हुए। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत तू राम है तु रहीम है प्रार्थना गीत के साथ किया गया। तत्पश्चात शिक्षण संस्थान द्वारा अतिथियों को अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके बाद अपने संबोधन में अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई दी और कहा कि आप लोग इसी तरह निरंतर कड़ी मेहनत कर अपने-अपने लक्ष्य को प्राप्त करें। तत्पश्चात कोचिंग संचालक अमित कुमार ने बताया कि हमारे संस्थान से इस वर्ष इंटर आर्ट्स में जयंती मंडल ने 451 अंकों के साथ जिले में छठा स्थान, नेहा कुमारी साह ने 450 अंक लाकर जिले में सातवां स्थान प्राप्त किया है। साथ ही मैट्रिक में लगभग 40 बच्चों ने 80% से अधिक अंक प्राप्त किया हैं, जिन्हें आज प्रशस्ति पत्र एवं मैडल देखकर सम्मानित किया गया। मौके पर कोचिंग संरक्षक शोभीनाथ महतो, शिक्षक रोहित कुमार, गौरव कुमार, काजल कुमारी, तन्नू कुमारी, आदित्य रजक, दीपाली कुमारी, नीलम कुमारी, आदर्श वर्मा, शिव कुमार, राज पंडित, आलोक कुमार, सृष्टि कुमारी, काजल कुमारी, छाया कुमारी, नजनीन तबस्सुम, खुशी दास सहित सैकड़ों विद्यार्थी मौजूद थे।

निर्मित आवासों में गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। सदर प्रखंड के गंगा प्रसाद पूर्व मध्य पंचायत में अबुआ आवास योजना के अंतर्गत निर्मित आवासों में गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत चयनित लाभुकों को प्रतीकात्मक रूप से गृह प्रवेश कराया गया, जिसमें पंचायत गंगा प्रसाद पूरब मध्य प्रखंड साहिबगंज लाभुक का नीतू देवी, शारदा देवी, कंचन देवी, निभा देवी, बंदना कुमारी के घरो में झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष अमर दीप सिंह एवं पंचायत के मुखिया कविता देवी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर, नारियल फोड़कर एवं चाभी सौंपकर लाभुकों को गृह प्रवेश कराया गया।इस अवसर पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अमरदीप सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा हर परिवार को छत मुहैया कराकर उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन देने की है। मौक़े पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अमरदीप सिंह, पंचायत के मुखिया कविता कुमारी, वार्ड सदस्य सुनील कुमार यादव, जन सेवक मतला टुडू, कंप्यूटर ऑपरेटर राजेश कुमार पंचायत सहायक अभिजीत कुमार, मिथुन कुमार सिंह सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे !

एक व्यक्ति ने जहरीले पदार्थ खा लेने से मूर्छित हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत शहर के बर्मन कॉलोनी में बुधवार को देर रात एक व्यक्ति ने जहरीले पदार्थ खा लेने से मूर्छित हो गया। मिली जानकारी के अनुसार शंकर महतो 40 वर्षीय रात के वक्त घर में रखा जहरीले पदार्थ को गलती से खा लेने से मूर्छित हो गया। परिजनों को पता चलते ही आनन-फानन में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई थी।

आपसी विवाद में हुई मारपीट में दो लोग घायल हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। उधवा राधानगर थाना क्षेत्र के खासपुर गांव में गुरुवार को आपसी विवाद में हुई मारपीट में दो लोग घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार सकरुद्दीन शेख का पुत्र रविउल शेख 20 वर्षीय व तौकील शेख 21 वर्षीय का पड़ोसी के साथ आपसी विवाद में कहा सुनी होते-होते बात मारपीट तक पहुंच गया जिसमें दोनों भाई बुरी तरह घायल हो गया। जिसे परिजनों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया गया। ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर सादिक अंसारी ने बताया कि मामले की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

साहिबगंज जिला का मिडिया विभाग का अध्यक्ष एवं जिला प्रवक्ता बनाया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन खेड़ा कें अनुमोदन पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू तथा प्रदेश कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देश पर तीनपहाड़ निवासी ताबिश इक़बाल को साहिबगंज जिला का मिडिया विभाग का अध्यक्ष एवं जिला प्रवक्ता बनाया गया है.वही ताबिश इक़बाल ने इसके लिए झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश झारखण्ड ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पाण्डेय, मिडिया चेयरमेन सतीश पॉल माजुली, प्रदेश महासचिव तनवीर आलम, साहिबगंज कांग्रेस जिला अध्यक्ष बरकत खान को धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया. उन्होंने कहा क़ी पार्टी ने जिस विश्वास के साथ मुझे जिम्मेवारी दिया है इस पर खरा उतरने क़ी पूर्ण कोशिश करूंगा, कहा क़ी वह हर मजबूत, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक की आवाज बनकर मीडिया के माध्यम से न्याय दिलाने की पूरी कोशिश करूंगा. और झारखंड सरकार के हर महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजना को पंचायत के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का काम करूंगा. वही ताबिश इक़बाल को मिडिया चेयरमैन एवं जिला प्रवक्ता बनाए जाने पर कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद कलीमुद्दीन, उपाध्यक्ष बासुकीनाथ यादव, सतीश पासवान, युवा कांग्रेस अध्यक्ष एख़लाख नदीम, मो अजफर अली, यमुना दास, अनूप हर्षवाल, संतोष कुमार, आदित्य ओझा, सादिक अंसारी, एनसयूआई अध्यक्ष तनवीर राजा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुष्मिता कीड़ो, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष रफाजुल अहमद, अली कुरैशी आदि ने बधाई दिया है !

देवरीः पंचायत सचिवालय सिकरुडीह और ग्राम बैरिया के टिकैत टोला पुराना पंचायत भवन मे चलंत लोक अदालत सह कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

देवरी, प्रतिनिधि। नालसा नई दिल्ली और झालसा रांची के निर्देशानुसार और डालसा गिरिडीह के आदेशानुसार गुरूवार को देवरी प्रखण्ड के पंचायत सचिवालय सिकरुडीहऔर ग्राम बैरिया के टिकैत टोला पुराना पंचायत भवन मे चलंत लोक अदालत सह कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सिकरुडीह के मुखिया प्रतिनिधि उपेंद्र साव और पूर्व मुखिया लखी देवी की उपस्थिति मे किया गया। मंच संचालन पीएलवी सरोजित कुमार ने किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह के पैनल अधिवक्ता मोहम्मद शाहनवाज आलम ने उपस्थित लोगो को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के संबंध मे विस्तृत जानकारी देते हुए कहा की जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एक महत्वपूर्ण संस्था है जो गरीब और कमजोर वर्गों को न्याय तक पहुंच प्रदान करने में मदद करती है। यह उन लोगों को कानूनी सहायता प्रदान करता है जो धन या ज्ञान के अभाव के कारण न्याय पाने में असमर्थ हैं। साथ ही महिला उत्पीड़न, महिला के शारीरिक शोषण के सम्बन्ध मे विस्तृत जानकारी दिया। कानून की जानकारी रखना हर व्यक्ति को जरूरी है। अधिवक्ता शिवम् कैडीया ने उपस्थित लोगो को राष्ट्रीय लोक अदालत,लोक अदालत, स्थाई लोक अदालत, फ्रंट कार्यलय, मधस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी दिया। पीएलवी सुबोध कुमार साव और प्रवीण कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से कहा की बाल विवाह,बाल श्रम, बाल अधिकार साथ ही सरकार के द्वारा चलाई जा रही जनकल्यानकारी योजना के संबंध मे विस्तृत जानकारी दिया गया। पीएलवी महेन्द्र प्रसाद वर्मा, मुकेश वर्मा, सहदेव साव, विपिन कुमार ने भी कानून की जानकारी दिया। उक्त अवसर पर सिकरूडीह पंचायत सचिव, वार्ड सदस्य, विनोद दास, ललमनी सिंह, प्रमिला देवी, बबिता देवी, देवांति देवी, बुधनी देवी, गोपाल कुमार पाण्डेय, रवि कुमार, विनोद कुमार वर्मा, सुरेंद्र सिंह, रमेश साव, महिला समूह की सदस्य और ग्रामीण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

मगध संघमित्रा क्षेत्र के कुंडी स्थित अवंतिका ट्रान्सिट कैंप में योग सत्र का आयोजन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम

टंडवा- (चतरा) सीसीएल में योग दिवस अभियान 2025 के अंतर्गत मगध संघमित्रा क्षेत्र के कुंडी स्थित अवंतिका ट्रान्सिट कैंप में योग सत्र का आयोजन किया गया। योग सत्र के दौरान, अभियान की थीम योग से योग्य के अंतर्गत, स्वस्थ्य शरीर और मन के निर्माण में योग की परिवर्तनकारी शक्ति को बढ़ावा दिया गया, ताकि समग्र स्वास्थ्य प्राप्त किया जा सके। परियोजना से प्रभावित गांवों के लगभग 50 ग्रामीण, निर्वाचित प्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी और अन्य हितधारको ने सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया।

मछली के लिए सरायकेला में गिर गई 4 लाशें, औरत का तो सिर ही कलम कर डाला

बिशेष संवाददाता द्वारा

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिले में मछली पकड़ने को लेकर हुए विवाद में 60 वर्षीय महिला का सिर कलम कर उसकी हत्या करने के आरोप में पुलिस ने एक किशोर को हिरासत में लिया है और तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, गिरफ्तार लोगों ने बताया कि उन्होंने जलाशय में मछली पकड़ने को लेकर हुए विवाद के बाद महिला की पिटाई की थी, जिससे उसकी मौत हो गई।

महिला का सिर काट पुलिस को गुमराह करने की कोशिशः अधिकारी ने बताया कि इसके बाद आरोपियों ने महिला का सिर काटकर पुलिस को गुमराह करने के लिए उसे दो किलोमीटर दूर एक स्थान पर फेंक दिया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) मुकेश कुमार लुनायत ने बताया कि तीन जून को जिले के कांड्रा थाना क्षेत्र के भालुकपहाड़ी और भदुआगोरा गांवों के बीच रेलवे ट्रैक पर एक महिला का धड़ पड़ा मिला था। एसपी ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने स्थानीय लोगों और विभाग के तकनीकी प्रकोष्ठ से मिले साक्ष्यों के आधार पर तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया और एक अन्य को हिरासत में लिया।

मछली के लिए 4 का मर्डरः एसपी के अनुसार, आरोपियों ने पुलिस को बताया कि पीड़ित मैनू माझियान और उनके बीच महिलाओं के नहाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले जलाशय से मछली पकड़ने को लेकर झगड़ा हुआ था। लुनायत ने कहा कि आरोपियों ने महिला पर हमला किया और उसकी मौत हो गई। एसपी ने बताया कि आरोपियों द्वारा दी गई सूचना के आधार पर पुलिस ने जंगल से महिला का सिर बरामद कर लिया, जबकि अपराध में प्रयुक्त कुल्हाड़ी एक पहाड़ी की चोटी से मिली।

गिरिडीह उपायुक्त ने राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार संबंधित किए समीक्षात्मक बैठक, दिए जरूरी दिशा-निर्देश

- निर्धारित समय सीमा में ही आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित करें और वैसे आवेदन जो 90 दिनों से ज्यादा लंबित हैं उन्हें यथाशीघ्र निष्पादित करेंः उपायुक्त

गिरिडीह, प्रतिनिधि। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार से संबंधित समीक्षात्मक बैठक जिले के पदाधिकारियों के साथ किया गया। बैठक के दौरान अंतर विभागीय भूमि हस्तांतरण, म्यूटेशन, म्यूटेशन अपील, भूमि सीमांकन, किराया संग्रह, परिशोधन, पीजीपोर्टल/ सीपीजीआरएएमएस, ई-राजस्व न्यायालय (आरसीएमएस) समेत अन्य के प्रतिवेदनों पर बिंदुवार समीक्षा की गई। इसके साथ ही जितने भी लंबित आवेदन है उन्हें कैंप लगाकर जल्द निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही भारत सरकार एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों को भूमि हस्तांतरण की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने भूमि हस्तांतरण हेतु प्राप्त अधियाचना की अंचलवार अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। समीक्षा के क्रम में लंबित म्यूटेशन के आवेदनों को लेकर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा में ही आवेदनों का निष्पादन करना सुनिश्चित करें। वैसे आवेदन जो 90 दिनों से ज्यादा लंबित हैं उन्हें यथाशीघ्र निष्पादित करें। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न अंतर विभागीय भूमि हस्तांतरण मामलों को भी जानकारी लिए साथ ही उनके यथाशीघ्र निष्पादन करने को भी कहा गया। वहीं जिन क्षेत्रों में भूमि हस्तांतरण का कार्य लंबित है, वहां के संबंधित अंचलाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए भूमि चिह्नित कर प्रस्ताव जल्द से जल्द भेजने का निर्देश दिया। उपायुक्त रामनिवास यादव ने सभी अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपनी अदालती कार्रवाई को नियमित चलाए, जिससे लंबित मामलों का जल्द से जल्द निबटारा हो सके एवं संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि उनके द्वारा लोगों के आवेदनों और उनके वाद को निष्पादित करने की कार्यवाही नियमित रूप से संचालित करें तथा वाद सूची एवं आदेश ऑनलाइन अपलोड करना भी सुनिश्चित करें। वहीं जितने भी शिकायत पोर्टल पर मिले हैं, उनका जल्द से जल्द निष्पादन करना भी सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने संबंधित अंचल अधिकारी को विभिन्न परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित भूमि के म्यूटेशन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का भी निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता, अभी अंचलाधिकारी, जिला अवर निबंधक, सभी अवर निबंधक समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

महाप्रबंधक पूर्व रेलवे से मिला ईजरप्पा का प्रतिनिधिमंडल

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

साहिबगंज। पाकुड़ रामपुरहाट के रेल खंड में यात्रियों की लगातार 7 वर्षों की चिर लंबित मांग 63406 डाउन साहिबगंज रामपुरहाट पैसेंजर के साहिबगंज से रामपुरहाट की ओर प्रस्थान करने हेतु समय परिवर्तन करने को लेकर ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल के अध्यक्ष हिसाबी राय, सचिव राणा शुक्ला, सह सचिव सुशील साहा ने कोलकाता स्थित महाप्रबंधक कार्यालय कक्ष में महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे, कोलकाता मिलिंद देउस्कर, मुख्य यात्री संचालन प्रबंधक, पूर्व रेलवे कोलकाता रोशन कुमार तथा उप महाप्रबंधक श्री वेद प्रकाश जी को शाल, स्मृति चिन्ह प्रदान करने के बाद पुष्प गुच्छ देकर इस रेलखंड की यात्रियों की ओर से उनका स्वागत कर आभार व्यक्त किया। वही इजरप्पा के सदस्यों ने स्थानीय रेल समस्याओं को लेकर पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक के साथ विस्तार पूर्वक चर्चा किया। इस बाबत अध्यक्ष हिसाबी राय के द्वारा बताया गया कि महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे से स्थानीय रेल समस्या को लेकर विस्तारपूर्वक वार्ता हुई जिसमें कुलापहाड़ी तीलभीट्टा एलसी गेट नंबर 40 के भूमिगत पथ पर जल जमाव की समस्या, 13181अप-1318 2 डाउन कोलकाता काजीरंगा साप्ताहिक एक्सप्रेस का पाकुड़ में ठहराव, ईसाकपुर गेट नंबर 39 पर रोड ओवर ब्रिज के डीपीआर निर्माण तथा उसकी अद्यतन स्थिति पर जानकारी प्राप्त किया गया, पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर लिफ्ट-एक्सीलेटर की चिरलंबित समस्या का समाधान आदि जिस पर उन्होंने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया तथा तुरंत हावड़ा मंडल के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए तुरंत समस्या को समाधान करने का आदेश दिया। वही दोपरांत सहायक मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे हावड़ा उदय कुमार कुमार केशरी से मिलकर स्थानीय समस्याओं पर सात सूत्री मांगों से अवगत कराया गया।किस प्रकार रेल द्वारा पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर रेल यात्रियों के सुविधार्थ सारी व्यवस्था रहने के उपरांत भी पाकुड़ स्थानीय रेल पदाधिकारी के द्वारा रख रखाव के अभाव में उसकी स्थिति खस्ता हो गई है।ज्ञात हो कि अपने स्थापना कल से ही लिफ्ट एक्सीलेटर बंद पड़े हैं, पाकुड़ रेलवे स्टेशन परिसर की साफ सफाई मजदूरों के अभाव में जीर्ण शीर्ण अवस्था में है,रेलवे स्टेशन व परिसर पशुओं का चरागाह एवं विश्रामालय बन चुका है,कब किसी यात्री की जान चली जाए या कोई नहीं बता सकता है,यात्रियों को प्लेटफार्म पर अवस्थित यात्रियों के लिए मिलने वाले शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु आरओ से पिछले छः माह द्वारा मिलने वाली शुद्ध पानी बिना शुद्धिकरण के मिल रहा है। विगत एक वर्षों से रेलवे स्टेशन परिसर में सुलभ शौचालय बनकर यात्रियों के लिए तैयार है पर लोकार्पण के अभाव में आज तक बंद पड़ा है इत्यादि।

इन सारे विषयों पर सहायक मंडल रेल प्रबंधक पूर्व रेलवे हावड़ा श्री केशरी ने गंभीरतापुर में विचार करने का आश्वासन दिया तथा कहा कि जनहित में यह सारे गंभीर मुद्दे हैं तथा संवेदनशील है तथा इस पर तुरंत कार्रवाई की जाएगा। मैं स्वयं इन सारी समस्याओं की जांच स्वयं करूंगा। साथ ही पाकुड़ भुमिगत पथ पर आवागमन करने वाले पाकुड़ के आमजनों हेतु शेड का निर्माण किया जाएगा।

ताराटांड़ पंचायत का जर्जर मार्ग और डमरगुरहा रास्ते की नदी में पुल बनाए सरकारः राजेश यादव

गिरिडीह, प्रतिनिधि। पूर्व जिला परिषद सदस्य सह फॉरवर्ड ब्लॉक नेता राजेश यादव ने बेंगाबाद प्रखंड के ताराटांड़ पंचायत को जोड़ने वाली मुख्य संपर्क मार्ग के अत्यंत जर्जर और ऊबड़ खाबड़ होने का मामला संज्ञान में लाते हुए प्रशासन एवं सरकार से अविलंब इसका निर्माण करने की मांग करते हुए कहा है कि, यह सड़क इस पूरे पंचायत के लिए लाइफ लाइन की तरह है लेकिन इसके जर्जर होने से हजारों की आबादी लंबे समय से परेशानी झेल रही है। क्षेत्र भ्रमण के दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से भी इस मुद्दे पर बात की। लोगों ने बताया कि, इस सड़क की बदहाली से उनके लिए आवागमन में काफी कठिनाई होती है। एंबुलेंस तक गांव आने से कतराते हैं। कहा कि, एक तो प्रखंड मुख्यालय जाने के लिए संपर्क मार्ग जर्जर है तो दूसरी ओर ताराटांड़ से डमरगुरहा होकर जिला मुख्यालय गिरिडीह जाने के लिए सबसे शॉर्टकट रास्ते में भी नदी में पुल नहीं है। लगातार विकास के नाम पर उनसे वोट लिया जाता है लेकिन बाद में उनका ख्याल नहीं किया जाता। लोगों की बातों को सुनने पर श्री यादव ने कहा कि उन्हें अपने सवालों पर संगठित होकर मुखर होना चाहिए। यदि प्रशासन तथा सरकार ने इस सड़क और नदी में पुल बनाने को लेकर रुचि नहीं दिखाती तो वे आंदोलन को तैयार रहें। मांग करने वालों में प्रदीप यादव, साहेब यादव, पप्पू यादव, अशोक यादव, रामबाबू यादव, परमानंद यादव, छट्ठू राणा, एतवारी राणा, सोना राणा, भुनेश्वर राणा, छट्ठू राणा, कैलाश रजक, दौलत रजक, महेंद्र रजक सहित अन्य भी शामिल हैं.

गर्मी में बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं विद्यालय के छात्र-छात्राएं

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता-पप्पू यादव

नौडीहा बाजार, पलामू। नौडीहा बाजार प्रखंड केअंतर्गत आदर्श उच्च विद्यालय सरईडीह के विद्यालय प्रांगण में 15वे वित से लगे जल मीनार लगभग एक साल से खराब पड़ा हुआ है विद्यालय प्राचार्य मोश फारूक अंसारी ने बताया 9th से 10th क्लास के बच्चों को कड़ाके की गर्मी में पानी पीने के लिए काफी दिक्कत होता है कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधि के शिकायत के बावजूद भी अब तक मरम्मती नहीं कराया गया है.. काफी छात्र छात्राएं में आक्रोश।

एक युवती हत्या अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता-पप्पू यादव

नौडीहा बाजार, पलामू। जिले के नौडीहा बाजार थाना के वरीय पदाधिकारी के निर्देशानुसार विगत रात्रि समकालीन अभियान चलाया गया इस दौरान नौडीहा बाजार थाना कांड संख्या-03/24 दिनाक-06/01/2024 धारा- 302 भ0द0वि0 के अप्राथमिकी अभियुक्त 1) सुबोध भूइयां सिबोध कुमार पिता- स्व0 नन्दु भूइयां पता- खडार, उपरलीटाड टोला-रामसदीया, थाना नौडीहा बाजार जिला पलामू को विधिवत रूप से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। जनवरी 2024 में ग्राम खड़ार में एक लड़की की हत्या के आरोप में कांड दर्ज किया गया था। नौडीहा थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने बताया कि इस कांड के अन्य अभियुक्तों को पुर्व में गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था । उक्त अभियुक्त गिरफ्तारी के डर से भागा फिर रहा था।

उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह चुरचू प्रखंड के नगड़ी बिरहोर टंडा पहुंचे, बिरहोर जनजाति समुदाय के लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं से हुए रूबरू

- नशा मुक्ति जागरूकता अभियान कार्यक्रम के तरह नशा न करने की दिलाई शपथ
- बिरहोर जनजाति समुदाय के लोगों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने की आवश्यकताः उपायुक्त

आदिवासी एक्सप्रेस

चरही (हजारीबाग) उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने गुरुवार को चुरचू प्रखंड का भ्रमण किया। उन्होंने बिरहोर जनजाति की वर्तमान स्थिति से अवगत होने हेतु नगड़ी बिरहोर टंडा पहुंचे। उन्होंने बिरहोर जनजाति समुदाय के महिला, पुरुष व बच्चों से मिले तथा उनसे बात कर उनकी समस्याओं को जाना। उपायुक्त ने कहा कि PVTG समुदाय के लोगों के सामाजिक उत्थान के लिए प्रभावी कदम उठाने की नितांत आवश्यकता है, क्योंकि ये समुदाय कई चुनौतियों का सामना करते हैं। गरीबी और आजीविका के सीमित अवसर इनकी प्रमुख समस्या है। शिक्षा की कमी और विद्यालयों में ड्रॉपआउट दर इनकी शैक्षिक स्थिति को कमजोर बनाती है।

उपायुक्त ने बिरहोर समुदाय की महिलाओं बात की एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में दी जाने वाली सुविधाओं का लाभ लेने को कहा। मौके पर इंटर पास युवा ने उपायुक्त से आगे की पढ़ाई करने की इच्छा जताई, इस पर उपायुक्त ने पूर्ण सहयोग करने का भरोसा दिलाया। उपायुक्त ने इन समुदाय के लोगों से बातचीत के क्रम में विद्यालय में दिए जाने वाले मिड डे मील की स्थिति की जानकारी ली। उपायुक्त ने बच्चों के परिजनों से कहा कि छोटे बच्चों के शारीरिक विकास के लिए अनिवार्य रूप से इन्हें आंगनवाड़ी केंद्रों में भेजें तथा महिलाओं के लिए दिए जा रहे पौष्टिक आहार को जरूर ग्रहण करें। उपायुक्त ने उपस्थित लोगों से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना अंतर्गत (डाकिया योजना) के तहत उपलब्ध कराए जाने वाले राशनों की आपूर्ति की जानकारी ली।

उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से इन समुदाय के लोगों को मनरेगा योजना के तहत जोड़ने का निर्देश दिया। स्थानीय लोगों ने उपायुक्त से पेयजल की आपूर्ति का अनुरोध किया इसपर उपायुक्त ने बीडीओ को अविलंब इस कार्य में प्रगति लाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि इनके सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है कि इन्हें कौशल विकास के तहत जोड़ा जाए।

उपायुक्त ने नशा मुक्ति हेतु दिलाई शपथ

उपायुक्त ने बताया कि नशा करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, साथ ही बच्चों पर इसका दुष्परिणाम पड़ता है। उन्होंने नशा से दूर रहते हुए मेहनत कर अपने परिवार का भरण पोषण करने को कहा। उपायुक्त ने जिले भर में चल रहे नशा मुक्ति अभियान को रेखांकित करते हुए उपस्थित सभी लोगों को नशा न करने की शपथ दिलाई।

उपायुक्त ने PVTG समुदाय के सामाजिक उत्थान के लिए निम्नलिखित प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया

आवासः इनके लिए आवास योजनाओं के तहत सुरक्षित और पक्के आवास उपलब्ध कराना।

स्वच्छ पेयजलः नल से जल योजना के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की सुविधा सुनिश्चित करना।

सड़क और कनेक्टिविटीः इन समुदायों तक पहुँच के लिए सड़क में सुधार करना।

बिजलीः बिजली की सुविधा प्रदान करना, जिसमें गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत भी शामिल हैं।

स्वच्छताः स्वच्छता सुविधाओं का निर्माण (शौचालय) और उपयोग को बढ़ावा देना।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँचः PVTG बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करना, जिसमें आवासीय विद्यालय, छात्रवृत्ति और शिक्षण सामग्री का प्रावधान शामिल है।

ड्रॉपआउट दर में कमी लानाः छात्रों को स्कूल छोड़ने से रोकने के लिए विशेष प्रोत्साहन और सहायता प्रदान करना।

कौशल विकासः पारंपरिक कौशल को बढ़ावा देने के साथ-साथ बाजार की मांग के अनुरूप व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना ताकि उन्हें रोजगार के अवसर मिलें।

जागरूकता अभियानः शिक्षा के महत्व के बारे में समुदाय में जागरूकता बढ़ाना।

स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करनाः स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार, चिकित्सा कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना और आवश्यक दवाएं व उपकरण उपलब्ध कराना।

पोषण आहारः बच्चों और गर्भवती महिलाओं सहित समुदाय के लिए पोषण उपलब्ध कराना।

समय पर चिकित्सा सुविधाएँः आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करना।

स्वास्थ्य जागरूकताः बीमारियों की रोकथाम और स्वास्थ्य संबंधी आदतों के बारे में जागरूकता बढ़ाना।

इस दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री सुधीर कुमार,जिला योजना पदाधिकारी श्री पंकज कुमार, नज़ारत उपसमाहर्ता श्री प्रदीप कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी चुरचू श्री ललित राम मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

जन सुराज पार्टी ने जन संपर्क अभियान चलाया

सं सू पंकज कुमार ठाकुर।
प्रखंड क्षेत्र के गौरीपुर पंचायत के सिमरिया व कोरिया पंचायत के हेठचांदन गांव में जन सुराज पार्टी के नेता व कार्यकर्ता ने लोगों को अपने अधिकार के प्रति जागरूक करने हेतु जनसंपर्क अभियान चलाया। मौके पर दशरथ ठाकुर के नेतृत्व में सिलजोरी गांव में जाकर आम लोगों को जन सुराज पार्टी की विचारधारा से अवगत कराया। चांदन प्रखंड के संपूर्ण विकास को लेकर सिंचाई, स्वास्थ्य,शिक्षा , सड़क, रोजगार, आदि की व्यवस्था सुलभ बनाने हेतु जन सुराज पार्टी को समर्थन देने का आग्रह किया।मौके पर नरेश ठाकुर, ब्रह्मदेव ठाकुर, रोहित ठाकुर, उपेन्द्र ठाकुर, भोला ठाकुर, कांगो ठाकुर, गुलशन ठाकुर, बच्चू ठाकुर, पंचानद ठाकुर सहित सैंकड़ों महिलाएं पुरुष मौजूद थे।

छः माह से सिमरिया गांव में चापाकल खराब

सं सू पंकज कुमार ठाकुर।
चांदन (बांका) प्रखंड क्षेत्र के गौरीपुर पंचायत के सिमरिया गांव मुख्य सड़क किनारे लगा चापाकल छःमहिने से खराब रहने के कारण लोगों को पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ रहा है पेयजल की समस्या को लेकर भुमदेव ठाकुर, मनोज ठाकुर,भोला ठाकुर रोहित ठाकुर, अनिता देवी सरस्वती देवी,श्यामवती देवी, सुदामा देवी सहित दर्जनों घरों के लोगों को पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ रहा है।वहीं इस सड़क से होकर गुजरने वाले राहगीरों को भी पानी पीने के लिए भटकना पड़ता है। ग्रामीण पानी की जरूरत को पूरा करने के लिए बहियार स्थित जोर से पानी लाकर पानी पीने को मजबूर है। ग्रामीणों को कहना है कि कई बार पीएचडी विभाग को जानकारी देने के बावजूद चापाकल ठीक नहीं हुआ।इस संबंध में मुखिया प्रतिनिधि प्रमोद मंडल ने लोगों को जल्द चापाकल ठीक कराने की भरोसा दिया है।

बाल श्रम रोकने को लेकर पुलिस ने ली शपथ

सं सू पंकज कुमार ठाकुर
चांदन (बांका) पुलिस मुख्यालय पटना बिहार द्वारा जारी दिशा निर्देश के आलोक मे आज गुरूवार दोपहर को राज्य और राष्ट्र को बाल श्रम से मुक्त कराने को लेकर चांदन थाना में प्रतिनियुक्त सभी पुलिस पदाधिकारी और पुलिस कर्मियों को शपथ दिलायी गयी।जिला मुख्यालय में आयोजित क्राइम मीटिंग मे भाग लेने हेतु थानाध्यक्ष के बांका चले जाने की वजह से पुअनि धर्मेंद्र कुमार ने पुलिस पदाधिकारियों और पुलिस कर्मियों को किसी भी रूप में बाल श्रम का समर्थन नहीं करने और ना ही बढ़ावा देने,अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में 14 वर्ष से कम आयु वर्ग के किसी भी बच्चे से कार्य नहीं कराने, समाज में बाल श्रम के विरुद्ध जागरूकता फैलाने हेतु निरंतर प्रयास करने तथा राज्य और देश को बाल श्रम मुक्त बनाने के लिए पूरी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, संवेदनशीलता और सामाजिक उतरदायित्व के साथ कार्य करने की शपथ दिलायी गयी। आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पु अ नि रुपेश कुमार, नरेन्द्र चौधरी,सतीश कुमार,पु अ नि सुनील कुमार के अलावे बी एम पी,जिला पुलिस और बी एच जी के कई जवान मुख्य रूप से शामिल थे।

मणिपुर में 23 उग्रवादी गिरफ्तार, बरामद हुए 40 हथियार

पंकज नाथ, असम,आदिवासी एक्सप्रेस
मणिपुर में सेना, अन्य केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बलों ने संयुक्त अभियान चलाकर विभिन्न संगठनों के कूल 23 उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार राज्य के आठ जिलों से 40 प्रकार के हथियार, गोला-बारूद , ग्रेनेड ओर अन्य युद्ध संबंधी सामान बरामद किया गया है। खबर है कि समन्वित संयुक्त अभियान के तहत विभिन्न पहाड़ी और घाटी आधारित उग्रवादी संगठनों के 23 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक पिछले कुछ दिनों में कांगपोकपी, जिरीबाम, थौबल, काकचिंग, टेंग्नौपाल, बिष्णुपुर, इंफाल ईस्ट और इंफाल वेस्ट जिलों में संयुक्त अभियान चलाए गए। अभियान के दौरान सेना ने विस्फोटकों का पता लगाने वाले कुत्तों जैसे विशेष संसाधनों का इस्तेमाल किया। इंफाल ईस्ट जिले से सुरक्षा बलों ने कुल 35 किलोग्राम विस्फोटकों के साथ जुड़े पांच इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किए। इन संयुक्त अभियानों में बरामद हथियारों में एम16 राइफल, स्टेन मशीन गन, सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर), इंसास राइफल, .303 राइफल, डबल बैरल राइफल, सिंगल बैरल राइफल, एक्शन राइफल, इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, पुल मैकेनिज्म राइफल, मोर्टार, हैवी कैलिबर लांचर और 9 एमएम पिस्तौल शामिल हैं। खबर के मुताबिक, अभियान के दौरान पकड़े गए उग्रवादियों और बरामद हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और अन्य सामान मणिपुर पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

अहमदाबाद विमान हादसाः उदयपुर के चार यात्री थे फ्लाइट में सवार, पिंकू मोदी के पुत्र-पुत्री भी शामिल

फूल शंकर डामोर उदयपुर
उदयपुर। अहमदाबाद में हुए दर्दनाक विमान हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया है, और इस हादसे की कड़ी उदयपुर से भी जुड़ गई है। जानकारी के अनुसार, क्रैश हुई फ्लाइट में उदयपुर शहर के चार यात्री सवार थे - शुभ मोदी, शगुन मोदी, वरदीचंद मेनारिया और प्रकाशचंद मेनारिया।
शुभ और शगुन मोदी, शहर के प्रमुख मार्बल व्यवसायी पिंकू मोदी के पुत्र और पुत्री हैं। हादसे की खबर जैसे ही उदयपुर पहुंची, पूरे शहर में शोक की लहर दौड़ गई। प्रशासनिक स्तर पर भी इस मामले को गंभीरता से लिया गया है।
कलक्टर नमित मेहता और एडीएम प्रशासन दीपेंद्र सिंह स्वयं सहेली नगर स्थित पिंकू मोदी के निवास पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर घटनाक्रम की जानकारी ली। अधिकारियों ने परिवार को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। इसी इसी तरह बांसवाड़ा की डॉक्टर कोनी व्यास उनके पति डॉ प्रदीप जोशी बच्चे प्रद्युत जोशी मिराया जोशी और नकुल जोशी की भी विमान क्रैश में मौत हो गई है उदयपुर के पेसिफिक हॉस्पिटल उमरडा के प्रबंधक ने बताया कि डॉक्टर कोनी व्यास ने 1 महीने पहले यहां से जॉब छोड़ दी थी वह उनके पति के साथ ही रहने के लिए लंदन जा रही थी इसलिए उन्होंने कुछ समय पहले ही पेसिफिक से इस्तीफा दिया था। उदयपुर युवा नेता डॉ विवेक कटारा ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

बॉक्सिंग के क्षेत्र में खिलाड़ियों को मौका देगी भागलपुर जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन

- भागलपुर जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष बने नीरज कुमार
- संगठन के उपाध्यक्ष के रूप में फिरोज खान और सत्यजीत यादव को दी गई जिम्मेदारी

संवाददाता श्रीकान्त यादव
भागलपुर। इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन की बिहार इकाई के रूप में कार्यरत बिहार बॉक्सिंग एसोसिएशन के आह्वान पर गुरुवार को भागलपुर जिला मुख्यालय स्थित गोलकोठी ततारपुर में भागलपुर जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन की एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता बिहार स्टेट बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव अभिषेक कुमार यादव ने किया। बैठक के दौरान भागलपुर जिला में बॉक्सिंग खेल को प्रोत्साहित करने तथा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की दिशा में रणनीतियों पर चर्चा किया गया। इस दौरान भागलपुर जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के कमेटी का गठन करते हुए नव चयनित पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। एसोसिएशन का जिला अध्यक्ष नीरज कुमार, उपाध्यक्ष फिरोज खान एवं सत्यजीत कुमार यादव, सचिव डॉक्टर अभिनंदन कुमार यादव को नियुक्त किया गया। नव चयनित पदाधिकारियों के नामों का ऐलान करते हुए बिहार बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव अभिषेक कुमार यादव ने कहा कि बिहार में बॉक्सिंग जैसे खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में यह प्रयास आने वाले दिनों में बिहार को नई ऊंचाई तक पहुंचाएगा। भागलपुर सहित बिहार के सभी 38 जिलों में बिहार बॉक्सिंग एसोसिएशन जिला स्तरीय कमेटी का गठन करेगी। बिहार के सभी प्रखंड स्तर पर तथा जिला स्तर पर बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। जिसके आधार पर चयनित बॉक्सिंग खिलाड़ी राज्य स्तर पर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन के दिशा निर्देश पर बिहार बॉक्सिंग एसोसिएशन बिहार के बॉक्सिंग खेल में रुचि रखने वाले खिलाड़ियों को आगे बढ़कर अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक प्लेटफार्म देने की तैयारी में है। जिससे अधिक से अधिक खिलाड़ी बिहार से निकालकर राष्ट्रीय स्तर पर तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। बिहार के खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की दिशा में बिहार बॉक्सिंग एसोसिएशन की यह अनूठी पहल है।

सीएमपीडीआई में 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन

संवाददाता द्वारा
रांची। सीएमपीडीआई के खेल मैदान में आज 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन हुआ। शिविर के समापन के अवसर पर कस्तूरी महिला सभा की अध्यक्षा श्रीमती रूपाली गुप्ता ने सभी प्रशिक्षक तथा प्रशिक्षणार्थियों को पुरस्कृत किया। मौके पर श्रीमती गुप्ता ने प्रशिक्षक, अभिभावक तथा प्रशिक्षणार्थियों के सहभागिता एवं समर्पण की सराहना की। उन्होंने इस शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बच्चों को जीवन में सफल होने की कामना करते हुए कहा कि धूप में कठिन परिश्रम करके इन सभी बच्चों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इस प्रशिक्षण को बच्चों द्वारा अपने दैनिक जीवन में अपनाने की आवश्यकता है। इससे बच्चे न केवल शारीरिक एवं मानसिक रूप से तनदुरूस्त बल्कि अपने जीवन में स्व-अनुशासित रहेंगे।इस शिविर में प्रतिदिन सुबह 5.30 से 8 बजे तक 3 वर्ष से लेकर 17 वर्ष तक के लगभग 200 बच्चों को मास ड्रिल, क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, कैरम एवं कराटे का प्रशिक्षण दिलाया गया। सीएमपीडीआई के विभागीय खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक श्री सी0बी0 सोनार, श्री सरफराज अहमद, सुश्री विक्टोरिया कुजूर, श्री पी0एन0 सिंह, श्री गणेश मिस्त्री, श्री सुनेम आईन्द, श्री आनंद प्रकाश, श्री विजय कुमार, श्री ओंकार पासवान एवं उनके सहायक श्री अमन, सुश्री राजश्री आदि ने बच्चों को प्रशिक्षण दिलाया। अंत में संस्थान के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री संजय कडम्बार ने आगत अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि इस शिविर के सफल आयोजन में बच्चों के अभिभावकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

असम प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने किया भाजपा में जाने की अटकलों को खारिज

पंकज नाथ, आदिवासी एक्सप्रेस, असम

असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेन कुमार बोरा ने मंगलवार को भाजपा में संभावित दलबदल की अटकलों का दृढ़ता से खंडन किया, और कांग्रेस पार्टी तथा असम में संयुक्त विपक्षी आंदोलन के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया। मंगलवार को भूपेन बोरा बेंगलुरू से गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे, जहां पत्रकारों ने उनसे उनके राजनीतिक भविष्य के बारे में चल रही अफवाहों पर प्रतिक्रिया जानना चाहा। लगातार पूछे गए सवालों से परेशान भूपेन बोरा ने रूखे ढंग से जवाब देते हुए कहा कि क्या आप असमिया नहीं समझते हैं? मैं इस तरह की बेकार की राजनीति में शामिल नहीं होता। भूपेन बोरा ने पत्रकारों के सवालों के जवाब को दोहराते हुए कहा कि एपीसीसी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के दौरान स्पष्ट की गई उनकी स्थिति अपरिवर्तित बनी हुई है। उन्होंने कहा, मैंने जो कहा वह अंतिम है। मेरे पास कहने के लिए और कुछ नहीं है। बोरा ने असम के लोगों और विपक्षी एकता के प्रति अपने निरंतर समर्पण पर जोर दिया। भूपेन बोरा ने कहा कि , असम के लोगों ने मुझ पर जो भरोसा और विश्वास जताया है, वह कभी खत्म नहीं होगा। मैंने हमेशा विपक्ष को एकजुट करने के लिए काम किया है और जब तक मेरी पार्टी मुझे जिम्मेदारी सौंपती रहेगी, मैं यह प्रयास जारी रखूंगा। इसी तरह से वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेन बोरा ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में भाजपा में उनके जाने की बात को नकारते हुए कांग्रेस के साथ नहीं छोड़ने की बात कहीं।

असम के बोडोलैंड भूमि विवाद तेज होने पर प्रदर्शनकारियों ने दिया आत्मदाह की धमकी

पंकज नाथ,
आदिवासी एक्सप्रेस, असम
असम के बोडोलैंड क्षेत्र में अडानी समूह की योजनाबद्ध गतिविधियों के खिलाफ व्यापक प्रदर्शन जारी रहने के कारण, परबतझोरा में तनाव बढ़ रहा है। हाथों में झाड़ू लेकर, हजारों प्रदर्शनकारी परियोजना और इसे संभव बनाने में सरकार की भूमिका के प्रति अपनी प्रतीकात्मक अस्वीकृति व्यक्त करने के लिए सड़कों पर उतर आए हैं। प्रस्तावित थर्मल पावर प्लांट की भूमि सीमा निर्धारण को लेकर कोकराझार में हाल ही में सार्वजनिक आक्रोश के केंद्र के रूप में उभरने के साथ, यह विरोध पूरे असम में भूमि न्याय आंदोलन में एक नई चिंगारी का प्रतिनिधित्व कर रही है। प्रदर्शनकारी कल सुबह से ही बैनर थामे और नारे लगाते हुए विरोध स्थल पर मौजूद हैं। रात भर स्थिति बिगड़ने पर, प्रदर्शनकारियों ने गुस्से और अवज्ञा का एक आश्चर्यजनक प्रदर्शन करते हुए प्रमोद बोरो के पुतले को आग में जलाया हैं । पूरी रात सरकार विरोधी नारे गूंजते रहे। प्रदर्शनकारियों ने गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा प्रमोद बोरो नाम से बोरो समुदाय के सदस्य हो सकते हैं, लेकिन उनमें हमारे लोगों की भावना या खून नहीं है, वह हर चीज के बारे में झूठ बोल रहे हैं। हम अपनी ज़मीन अडानी समूह को कभी नहीं देंगे, चाहे इसके लिए हमें अपना खून बहाना पड़े। अगर हमारी आवाज़ नहीं सुनी गई तो हम आने वाले दिनों में और भी ज़्यादा जोश के साथ प्रदर्शन करना जारी रखेंगे। हज़ारों दृढ़ संकल्पित प्रदर्शनकारी, जिनमें से कई ने खून बहाने की कसम खाई है, लेकिन अपनी ज़मीन नहीं छोड़ेंगे, वर्तमान में प्रदर्शन स्थल पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई हैं, जिसमें एक तरफ़ पुलिस अधिकारियों की एक बड़ी संख्या है जो पूरी तरह से दंगा-रोधी गियर में है। प्रदर्शनकारियों में से कुछ प्रदर्शनकारी ने तीव्र अस्वीकृति के प्रदर्शन करते हुए खुद पर पेट्रोल डालने पर स्थिति ने एक ख़तरनाक मोड़ ले लिया है । अब प्रदर्शनकारियों ने सरकार को आत्मदाह का धमकी भी दे दिया है। कई लोगों को पुलिस कर्मियों पर पानी की बोतलें फेंककर विरोध करते देखा गया है । पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी से स्थिति और बिगड़ रही है, इसलिए प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन स्थल से उन्हें तुरंत हटाने की मांग की है। जैसे-जैसे भावनाएँ बढ़ती जा रही हैं, वैसे वैसे प्रदर्शन तेज होती जा रही है। जिसके वजह से कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तेज़ी से बिगड़ते हालात पर कड़ी नज़र रखने के लिए घटनास्थल पर मौजूद होते दिख रहा है। अब सरकार प्रदर्शनकारियों के भावनाओं को समझकर उन्हें अपना हक देंगे या भुमिपुत्रो को बेदखल करते हुए अदानी समूह को जमीन देंगे ये देखना दिलचस्प होगा।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अहमदाबाद एयर इंडिया विमान दुर्घटना की घटना पर किया गहरी चिंता व्यक्त

पंकज नाथ,
आदिवासी एक्सप्रेस, असम
असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने आज अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबरों पर गहरी चिंता व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स हैंडल पर विमान में सवार लोगों के लिए अपनी चिंता और प्रार्थना व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि, ÷अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबरों से बहुत चिंतित हूं। सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रार्थना करता हूं। हालांकि एयर इंडिया और विमानन अधिकारियों की ओर से आधिकारिक पुष्टि और विवरण अभी भी प्रतीक्षित हैं, लेकिन मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का संदेश स्थिति की गंभीरता और कम से कम हताहतों की राष्ट्र की सामूहिक आशा को रेखांकित करता है। बता दें कि, नागरिक विमानन महानिदेशालय ने बुधवार को पुष्टि की कि एयर इंडिया का विमान AI-171, 242 लोगों को लेकर लंदन जा रहा था, अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बोइंग 787 ड्रीमलाइनर, जिसका टेल नंबर VT-ANB था, रनवे 23 से लगभग 1:39 PM IST (08:09 TC) पर उड़ा। प्रस्थान के कुछ ही क्षण बाद, एयर ट्रैफ़िक कंट्रोल को कॉकपिट से एक संकटपूर्ण मेडे सिग्नल मिला, जिसके बाद अचानक सभी संचार टूट गए। जानकारी के अनुसार, विमान उड़ान भरने के बाद हवाई अड्डे की परिधि से थोड़ा आगे ज़मीन पर गिर गया। दुर्घटना स्थल से काले धुएं के घने गुबार उठते देखे गए, जो गंभीर प्रभाव का संकेत देते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण उड़ान का संचालन कैप्टन सुमीत सभरवाल ने किया, जिनके पास 8,200 घंटों से अधिक उड़ान भरने के अनुभव थे , उनके साथ फ़र्स्ट ऑफ़िसर क्लाइव कुंदर भी थे, जिनके पास 1,100 घंटे की उड़ान की अनुभव थे । अभी तक मिली सूचना के अनुसार , यात्रियों और चालक दल सहित विमान में 242 व्यक्ति थे जिनमें एक की बचने की खबर है और बाकी सभी की मारे जाने की खबर आ रही है । दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए डीजीसीए ने जांच शुरू कर दी है। जांच में सहायता के लिए ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर की तलाश की जा रही हैं।

हवाई हादसे ने कई मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री छीने, संजय गांधी से विजय रूपाणी तक

अहमदाबाद व्यूरोः गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार 12 मई 2025 को हुए विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का निधन हो गया. यह पहला मौका नहीं है, जब किसी राजनेता की विमान हादसे में मौत हुई है. आजादी के बाद हमने कई नेताओं को विमान हादसे में गंवाया है. इसमें मुख्यमंत्री से लेकर केंद्रीय मंत्री तक शामिल हैं. संजय गांधी की भी एक विमान दुर्घटना में ही मौत हुई थी. विमान हादसे में भारत ने 2 मुख्यमंत्रियों वाईएस राजशेखर रेड्डी और दोरजी खांडू को खोया है. विजय रूपाणी गुजरात के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और उनका निधन भी विमान हादसे में हुआ है. अब तक कितने नेताओं को हवाई हादसों ने हमसे छीना है,

संजय गांधी. : पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सुपुत्र और कांग्रेस के कद्दावर नेता संजय गांधी का 23 जून 1980 को एक विमान हादसे में निधन हो गया. दिल्ली के सफदरजंग एयरपोर्ट पर दुर्घटनाग्रस्त हुए इस विमान को संजय गांधी खुद उड़ा रहे थे.

वाईएस राजशेखर रेड्डी. :आंध्रप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी का हेलीकॉप्टर हादसे में निधन हुआ था. तारीख थी 3 सितंबर 2009. वाईएसआर का हेलीकॉप्टर उस वक्त दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जब वह चित्तूर जिले के किसी गांव के दौरे पर जा रहे थे.

दोरजी खांडू. : अरुणाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री दोरजी खांडू का 30 अप्रैल 2011 को हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन हो गया. उनका हेलीकॉप्टर घने जंगल में दुर्घटनाग्रस्त हुआ. हेलीकॉप्टर ने तवांग से ईटानगर के लिए उड़ान भरी थी. करीब 20 मिनट के बाद सेला पास के निकट हेलीकॉप्टर दुर्घटाग्रस्त हो गया. यह हादसा समुद्र तल से 13,000 फीट की ऊंचाई पर हुआ था.

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सुरेंद्र सिंह : हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सुरेंद्र सिंह की भी हवाई यात्रा के दौरान मौत हो गयी थी. वर्ष 1995 में उनका हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया था.

माधवराव सिंधिया. : तेज-तर्रार कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव सिंधिया को भी एक विमान हादसे ने हमसे छीन लिया था. 30 सितंबर 2001 को उत्तर प्रदेश के कानपुर जाते समय उनका सेसना एयरक्राफ्ट क्रैश कर गया. इसमें कई पत्रकारों की भी मौत हो गयी थी. उड़ान भरने के बाद पायलट का दिल्ली एटीसी से संपर्क टूट गया और लखनऊ एटीसी से संपर्क नहीं हो पाया.

जीएमसी बालयोगी. : तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेता और लोकसभा के अध्यक्ष जीएमसी बालयोगी का 3 मार्च 2002 में एक निजी हेलीकॉप्टर हादसे में निधन हो गया.

मोहम्मद शमी के लिए इंग्लैंड से आई बुरी खबर, लगा इतना बड़ा झटका

नई दिल्ली। भारतीय स्टार गेंदबाज मोहम्मद शमी फिलहाल इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं. इस बार उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया में नहीं चुना गया है. इसी बीच उनके लिए एक बुरी खबर सामने आई है. दरअसल, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 का फाइनल मैच डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका की टीमों के बीच खेला जा रहा है. ये मुकाबला लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर हो रहा है. इस मुकाबले के बीच मोहम्मद शमी का एक बड़ा रिकॉर्ड टूट गया है.

टूट गया मोहम्मद शमी का बड़ा रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 फाइनल के पहले दिन एक नया इतिहास रच दिया है. उन्होंने आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. यह उपलब्धि उन्होंने लॉर्ड्स मैदान पर हासिल की. स्टार्क ने इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के दिग्गज गेंदबाज मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो अब तक फाइनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे.

मिचेल स्टार्क इस मैच में अभी तक 2 विकेट चटका चुके हैं और अब पांच आईसीसी फाइनल में उनके नाम 11 विकेट हो गए हैं, जो उन्हें इस लिस्ट में सबसे आगे ला खड़ा करता है. इससे पहले मोहम्मद शमी चार फाइनल में 10 विकेट लेकर इस लिस्ट में टॉप पर थे. स्टार्क की यह उपलब्धि उनके बड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता को दर्शाती है. फाइनल के पहले दिन उन्होंने साउथ अफ्रीका की पहली पारी में शुरुआती झटके देकर अपनी छाप छोड़ी, जिसमें उन्होंने एडेन मार्कराम को बिना खाता खोले आउट किया और रयान रिकेलटन को 16 रन पर पवेलियन भेजा. इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने दिन का अंत 2/10 के आंकड़ों के साथ किया.

राशिद खान ने अचानक क्रिकेट से बनाई दूरी, IPL 2025 में फ्लॉप रहने के बाद लिया चौंकाने वाला फैसला

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) 2025 की शुरुआत 13 जून से होने जा रही है. लेकिन इससे पहले एमआई न्यूयॉर्क की टीम को बड़ा झटका लगा है. अफगानिस्तान के स्टार खिलाड़ी लेग स्पिनर राशिद खान ने बड़ा फैसला लिया है, जिसने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. हाल ही में राशिद खान का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है, आईपीएल 2025 में भी वह पूरी तरह फ्लॉप रहे थे. जिसको ध्यान में रखते हुए उन्होंने बड़ा कदम उठाया है.

राशिद खान ने लिया बड़ा फैसला

राशिद खान मेजर लीग क्रिकेट 2025 में एमआई न्यूयॉर्क की टीम का हिस्सा नहीं होंगे. राशिद खान ने क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है, जिसके चलते वे इस साल एमएलसी में नहीं खेलेंगे. वह पिछले एमएलसी सीजन में एमआई न्यूयॉर्क के लिए सबसे सफल गेंदबाज थे, उन्होंने पिछले साल 6.15 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ 10 विकेट लिए थे. हालांकि, उनकी टीम सात में से केवल दो मैच जीतकर चौथे स्थान पर रही थी. राशिद का इस बार ना होना एमआई न्यूयॉर्क के लिए बड़ा नुकसान होगा, क्योंकि उनकी गेंदबाजी टीम की रीढ़ थी.राशिद खान ने लिया बड़ा फैसला

राशिद खान मेजर लीग क्रिकेट 2025 में एमआई न्यूयॉर्क की टीम का हिस्सा नहीं होंगे. राशिद खान ने क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है, जिसके चलते वे इस साल एमएलसी में नहीं खेलेंगे. वह पिछले एमएलसी सीजन में एमआई न्यूयॉर्क के लिए सबसे सफल गेंदबाज थे, उन्होंने पिछले साल 6.15 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ 10 विकेट लिए थे. हालांकि, उनकी टीम सात में से केवल दो मैच जीतकर चौथे स्थान पर रही थी. राशिद का इस बार ना होना एमआई न्यूयॉर्क के लिए बड़ा नुकसान होगा, क्योंकि उनकी गेंदबाजी टीम की रीढ़ थी. राशिद खान ने कब तक के लिए क्रिकेट से दूरी बनाई है, फिलहाल इस पर कोई अपडेट सामने नहीं आया है. लेकिन राशिद का ब्रेक लेने का फैसला उनके लंबे करियर को ध्यान में रखते हुए समझदारी भरा कदम माना जा सकता है. इसके पीछे की वजह मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना भी हो सकता है.

अभी और खिलाड़ी लेंगे संन्यास... दिग्गज का चौंकाने वाला दावा, क्रिकेट जगत में मचा हड़कंप

नई दिल्ली। पिछले कुछ हफ्तों में कई स्टार खिलाड़ी संन्यास का ऐलान कर चुके हैं. इसमें सबसे नया नाम वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन का है. निकोलस पूरन ने सिर्फ 29 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़कर सभी को चौंका दिया था. ऐसे में अब वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान और मौजूदा हेड कोच डैरेन सैमी ने निकोलस पूरन के इंटरनेशनल क्रिकेट से अचानक संन्यास लेने को लेकर गहरी चिंता जताई है. सैमी का मानना है कि यह घटना वेस्टइंडीज क्रिकेट के सामने एक बड़ी चुनौती को उजागर करती है.

डैरेन सैमी का चौंकाने वाला दावा

पूरन वेस्टइंडीज के टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, उन्होंने कभी भी टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला और उनकी आखिरी वनडे पारी दो साल पहले खेली गई थी. उनका ये फैसला इसलिए भी चौंकाने वाला है क्योंकि टी20 वर्ल्ड कप महज आठ महीने बाद खेला जाना है. उनके इस फैसले के पीछे की से बड़ी वजह फ्रेंचाइजी क्रिकेट को माना जा रहा है. वह फ्रेंचाइजी क्रिकेट से सबसे ज्यादा कमाई कमाई करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं. ऐसे में डैरेन सैमी का मानना है कि आने वाले समय में और खिलाड़ी इसी राह

पर चल सकते हैं और कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़ सकते हैं.

सैमी ने इंग्लैंड दौरे पर वेस्टइंडीज की छठी लगातार हार के बाद पूरन के संन्यास पर कहा, 'मेरी अंतरात्मा की आवाज कह रही थी कि ऐसा कुछ होगा. आदर्श रूप से ऐसी प्रतिभा को मैं टीम में रखना पसंद करूंगा. लेकिन मैं किसी के करियर को नियंत्रित नहीं कर सकता. मैंने उसे शुभकामनाएं दी, उसने टीम को शुभकामनाएं दीं. अब निकोलस पूरन के बिना रणनीति पर आगे बढ़ने की कोशिश की जा रही है. वर्ल्ड कप आने वाला है, मैं इस तथ्य का सम्मान करता हूं कि उसने हमें काफी पहले बताया ताकि हमारे पास उसके बिना योजना बनाने के लिए ज्यादा समय हो.'

और भी खिलाड़ी लेंगे संन्यास...

सैमी ने यह भी अनुमान लगाया कि टी20 क्रिकेट के बढ़ते चलन और फ्रेंचाइजी लीग के आकर्षण के कारण और भी खिलाड़ी जल्दी संन्यास ले सकते हैं. उन्होंने साउथ अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन और क्विंटन डी कॉक जैसे खिलाड़ियों का उदाहरण दिया, जिन्होंने कम उम्र में ये फैसला लिया है.

सैमी ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि और भी खिलाड़ी इस दिशा में आगे बढ़ेंगे. आपने देखा कि हर कोई हेनरिक क्लासेन, क्विंटन डिकॉक, इन खिलाड़ियों के बारे में बात कर रहा है जो संन्यास ले चुके हैं. यह हमारे नियंत्रण से बाहर है.'

99 साल पुराना महारिकॉर्ड स्वाहा... स्टीव स्मिथ निकले सबसे आगे, डॉन ब्रैडमैन भी रह गए पीछे

नई दिल्ली. लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर जारी डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले दिन साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का एक छोर से जहां विकेट गिर रहे थे, वहीं दूसरे छोर पर स्टीव स्मिथ खूंटा गाड़े खड़े थे. दाएं हाथ के बल्लेबाज स्मिथ ने दूसरे सेशन में अपना अर्धशतक पूरा किया. उन्होंने पारी के 33वें ओवर में तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा की गेंद पर चौका जड़कर टेस्ट करियर का 42वां अर्धशतक पूरा किया. इस स्टार बल्लेबाजा ने 51वां रन पूरा करते ही इस ग्राउंड पर 99 साल पुराना महारिकॉर्ड तोड़कर नया इतिहास बना दिया. स्मिथ की रिकॉर्ड पारी के दम पर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 200 का आंकड़ा पार किया. ऑस्ट्रेलिया को सातवें ओवर में दो बड़े झटके लग गए थे. लेकिन दूसरे छोर पर स्मिथ डटे रहे.

स्टीव स्मिथ ने 112 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 66 रन बनाए. स्मिथ लॉर्ड्स में टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी बल्लेबाज बन गए हैं. उन्होंने अपने ही देश के पूर्व खिलाड़ी वॉरेन बार्डस्ले के महारिकॉर्ड को तोड़ा. ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी वॉरेन बार्डस्ले ने साल 1909 से 1926 के बीच लॉर्ड्स में 5 टेस्ट मैचों की 7 पारियों में 2 शतक और 2 अर्धशतक की मदद से 575 रन बनाए थे. लेकिन अब वॉरेन के सर्वाधिक रन के रिकॉर्ड को स्मिथ ने तोड़ दिया है. अब स्मिथ के लॉर्ड्स में 591 रन हो गए हैं. उन्होंने इस वेन्यू पर 2 शतक और तीन अर्धशतक जड़े हैं.

सोबर्स-ब्रैडमैन के रिकॉर्ड भी तोड़े

स्मिथ ने इस दौरान सर डॉन ब्रैडमैन और वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी गैरी सोबर्स के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया. ब्रैडमैन के नाम लॉर्ड्स में 4 टेस्ट मैचों की 8 पारियों में 551 रन हैं. वहीं, गैरी सोबर्स ने 5 टेस्ट की 9 पारियों में 571 रन बनाया था.लॉर्ड्स में टेस्ट में 600 रन बनाने वाले स्मिथ दुनिया के पहले बल्लेबाज भी बन सकते हैं.

इस मामले में बॉर्डर-रिचर्ड्स को पछाड़ा

इंग्लैंड की सरजमीं पर टेस्ट में सर्वाधिक 50 प्लस स्कोर के मामले में स्टीव स्मिथ सबसे आगे निकल गए हैं. उन्होंने इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज एलन बॉर्डर और विव रिचर्ड्स का रिकॉर्ड तोड़ा. स्मिथ के नाम इंग्लैंड में 23 टेस्ट में 18 फिफ्टी प्लस स्कोर हो गए हैं जो सर्वाधिक हैं.इससे पहले बॉर्डर ने 25 टेस्ट में 17 बार और रिचर्ड्स ने 24 टेस्ट मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी.

अभिषेक शर्मा के बाद तिलक वर्मा... टी20 रैंकिंग टीम इंडिया का जलवा, टॉप 6 में भारत के 3 बल्लेबाज

नई दिल्ली. तिलक वर्मा आईसीसी टी20 बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में एक पायदान चढ़कर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं.वहीं विस्फोटक ओपनर अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर कायम हैं. भारत के मिस्टर 360 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव छठे स्थान पर खिसक गए हैं. गेंदबाजों की रैंकिंग में मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती तीसरे और रवि बिश्नोई सातवें नंबर पर हैं. तिलक के 804 रेटिंग अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर मौजूद हमवतन अभिषेक शर्मा से पीछे हैं.ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार हैं. भारत के सूर्यकुमार यादव एक स्थान के नुकसान से छठे स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल हैं. गेंदबाजी रैंकिंग में चक्रवर्ती (706) और बिश्नोई (674) के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (653) भी शीर्ष 10 में शामिल भारतीय गेंदबाज हैं. हार्दिक पंड्या 252 रेटिंग अंक के साथ ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष पर हैं. इंग्लैंड के आदिल राशिद गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से दूसरे पायदान पर हैं. उन्होंने वेस्टइंडीज पर इंग्लैंड की 3-0 की जीत के दौरान चार विकेट चटकाए. राशिद के 710 अंक हैं और वह शीर्ष पर चल रहे न्यूजीलैंड के जैकब डफी (723) से सिर्फ 13 अंक पीछे हैं.

बेन डकेट को 48 स्थान का हुआ फायदा

राशिद के टीम के साथी ब्राइडन

कार्स दो मैच में दो विकेट की बदौलत 16 स्थान की छलांग लगाकर 52वें स्थान पर पहुंच गए. अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय में 46 गेंद में 84 रन की तूफानी पारी खेलने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट 48 स्थान के फायदे से 16वें पायदान पर हैं. सीरीज में नाबाद 35 और 34 रन की पारी खेलने वाले हैरी ब्रूक छठ स्थान के फायदे से संयुक्त 38वें स्थान पर हैं.

शाई होप ने लगाई 14 स्थान की छलांग

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप दो बार 40 रन से अधिक की पारियां खेलने के बाद 14 स्थान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर हैं. अंतिम मैच में 45 गेंद में नाबार 79 रन की पारी खेलने वाले रोवमैन पावेल शीर्ष 20 बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं.

कोई नहीं है टक्कर में... मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ स्टार्क बने नंबर वन, आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में पहली बार हुआ ऐसा

नई दिल्ली। मिचेल स्टार्क ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपने नाम एक बड़ा रिकॉर्ड दर्ज कर लिया है. स्टार्क आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं. उन्होंने इस दौरान भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ा. शमी इस समय टीम इंडिया से बाहर हैं. उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है.स्टार्क ने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया बनाम साउथ अफ्रीका डब्ल्यूटीसी फाइनल मैच के पहले दिन हासिल की. ये मुकाबला लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में 7 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लिए.उन्होंने पहले ओवर में ही साउथ अफ्रीकी ओपनर एडेन मार्करम को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को धमाकेदार शुरुआत दिलाई.आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में सर्वाधिक 10 विकेट लेने का रिकॉर्ड शमी के

नाम था लेकिन अब स्टार्क ने इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया है. शमी ने 6 पारियों में 10 विकेट लिए थे लेकिन स्टार्क ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में उन्हें पीछे छोड़ दिया. स्टार्क के 11 विकेट हो गए हैं.

स्टार्क के आईसीसी फाइनल में 11 विकेट हो चुके हैं

स्टार्क ने 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे विश्व कप फाइनल में दो विकेट लिए थे. और भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी 2023 फाइनल में चौका लगाया थ. उन्होंने मौजूदा डब्ल्यूटीसी फाइनल में दो विकेट लेने से पहले भारत के खिलाफ वनडे विश्व कप 2023 फाइनल में भी तीन विकेट लिए थे. इस लिस्ट में स्टार्क और शमी के बाद तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट हैं जो 5 पारियों में 8 विकेट ले चुके हैं और भारत के रवींद्र जडेजा भी आठ विकेट अपने नाम कर चुके हैं.

स्टार्क ने डब्ल्यूटीसी में विकेटों की संख्या 74 तक पहुंचायाई

मिचेल स्टार्क (Mitchell Starc) ने डब्ल्यूटीसी 2023-2025 में अपने विकेटों की संख्या को 74 तक पहुंचा दिया है.वह पैट कमिंस के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं. मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड जसप्रीत बुमराह के नाम है, जिन्होंने 77 विकेट लिए हैं.

स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में इयान बॉथम (383) को भी पीछे छोड़ दिया. इस प्रारूप में अपने विकेटों की संख्या को 384 तक पहुंचा दिया है.

स्टार्क ने मारकर्म और रिकेल्टन को भेजा पवेलियन

मिचेल स्टार्क ने दोनों सलामी बल्लेबाजों ऐडन मारकर्म (00) और रेयान रिकेल्टन (16) को जल्दी पवेलियन भेजकर ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई. कप्तान पैट कमिंस (14/1) और जोश हेजलवुड (10/1) ने भी एक-एक विकेट चटकाया. दिन का खेल खत्म होने पर डेविड बेडिंघम आठ जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा तीन रन बनाकर खेल रहे थे. दक्षिण अफ्रीका की टीम अब भी ऑस्ट्रेलिया से 169 रन से पीछे है.

51 रन देकर 5 विकेट... ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर कहर बनकर टूट पड़े रबाडा, जसप्रीत बुमराह की कर ली बराबरी

कैगिसो रबाडा ने डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले दिन 5 विकेट अपने नाम किए. उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जबरदस्त गेंदबाजी की. इस दौरान रबाडा ने भारत के जसप्रीत बुमराह के एक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली जबकि हमवतन दिग्गज पेसर एलन डोनाल्ड से आगे निकल गए. रबाडा डब्ल्यूटीसी फाइनल में 5 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज भी बने.

नई दिल्ली. वर्तमान में दुनिया के खूंखार तेज गेंदबाजों में शुमार साउथ अफ्रीका के कैगिसो रबाडा ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गजब की गेंदबाजी की. उन्होंने अकेले ऑस्ट्रेलिया की आधी टीम पवेलियन में भेज दिया.दाएं हाथ के तेज गेंदबाज रबाडा लॉर्ड्स के ऐतिहासिक ग्राउंड पर एक से ज्यादा बार 5 विकेट हॉल अपने नाम करने वाले साउथ अफ्रीका के तीसरे गेंदबाज बने. साथ ही उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली.रबाडा डब्ल्यूटीसी के इतिहास में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में संयुक्त रूप से बुमराह संग पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं. दूसरी पारी में एक विकेट लेते ही वह बुमराह को पीछे छोड़ देंगे.

30 वर्षीय दाएं हाथ के गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में 15.4 ओवर की गेंदबाजी में 5 ओवर मेडन डालते हुए 51 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए. डब्ल्यूटीसी के फाइनल में एक पारी में 5 विकेट लेने वाले वह दुनिया के दूसरे गेंदबाज हैं. डब्ल्यूटीसी में अब रबाडा और बुमराह के एक समान 156 विकेट हो गए हैं. इस लिस्ट में 210 विकेट के साथ ऑस्ट्रेलिया के ऑफ स्पिनर नाथन लियोन पहले नंबर पर हैं जबकि पैट कमिंस 200 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं. भारत के आर अश्विन के नाम डब्ल्यूटीसी में 191 विकेट दर्ज हैं.

रबाडा चौथे नंबर पर पहुंचे

कैगिसो रबाडा टेस्ट क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं. इस लिस्ट में डेल स्टेन 439 विकेट के साथ नंबर वन पर हैं. दूसरे नंबर पर शॉन पोलक हैं जिन्होंने 421 टेस्ट विकेट लिए हैं वहीं मखाया एंटिनी 390 विकेट के साथ तीसरे जबकि रबाडा 331 विकेट के साथ चौथे नंबर पर हैं.पोलक 330 विकेट के साथ पांचवें नंबर पर खिसक गए हैं. डब्ल्यूटीसी फाइनल में रबाडा से पहले न्यूजीलैंड के काइल जैमीसन ने 5 विकेट लिया था.उन्होंने भारत के खिलाफ 31 रन देकर 5 विकेट चटकाए थे. जैमीसन के क्लब में अब रबाडा भी पहुंच गए हैं.

दक्षिण अफ्रीका की टीम अब भी ऑस्ट्रेलिया से 169 रन से पीछे है

रबाडा (51/5) और मार्को यानसेन (49/3) की धारदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया को 212 रन पर समेटने के बाद दक्षिण अफ्रीका की भी पहले दिन शुरुआत खराब रही.उसने 43 रन तक 4 विकेट गंवा दिए. मिचेल स्टार्क (10/2) ने दोनों सलामी बल्लेबाजों ऐडन मारक्रम (00) और रेयान रिकेल्टन (16) को जल्दी पवेलियन भेजकर ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई.

कप्तान पैट कमिंस (14/1) और जोश हेजलवुड (10/1) ने भी एक-एक विकेट चटकाया. दिन का खेल खत्म होने पर डेविड बेडिंघम आठ जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा तीन रन बनाकर खेल रहे थे. दक्षिण अफ्रीका की टीम अब भी ऑस्ट्रेलिया से 169 रन से पीछे है.

कॉफी के लिए राजी होकर मोबाइल कर लेती थी बंद, पहली डेट के लिए 3 साल तक कराया इंतजार

धर्म बदलकर एक्ट्रेस ने क्रिकेटर से की थी शादी

नई दिल्ली. लव के लिए कुछ भी करेगा. क्रिकेट खिलाड़ियों से शादी के लिए बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने अपने धर्म और नाम को बदल लिया था. इन्हीं में शामिल हैं ब्रिटिश मॉडल और एक्ट्रेस हेजल कीच.जिन्होंने दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह से शादी के लिए अपना धर्म बदल लिया था. उन्हें एक नया नाम भी मिला था. उस नए नाम के तहत हेजल ने युवी से सिख रिति रिवाज से शादी की थी. युवी और हेजल की शादी 30 नवंबर 2016 को हुई थी. हेजल शादी से पहले हाफ ब्रिटिश और हाफ इंडियन थीं, जिन्होंने बाद में सिख धर्म को अपनाया.उनका बदलकर गुरबसंत कौर रखा गया. दोनों की लव स्टोरी बेहद फिल्मी है. हेजल ने युवराज को पहली डेट के लिए लगभग 3 साल तक तरसाया.

युवराज सिंह और हेजल कीच की लव स्टोरी भी काफी रोचक है. एक ऐसा दौर था जब हेजल के लिए युवराज काफी क्रेजी थे. युवराज इस हसीना से दोस्ती करना चाहते थे. लेकिन तब हेजल के नखरें ज्यादा थे. वो युवराज को लाइक नहीं करती थी.युवराज ने कुछ साल पहले हेजल कीच के साथ पहली मुलाकात के बारे में एक इंटरव्यू में बताया था. उन्होंने ये भी बताया था कि हेजल के साथ पहली डेट के लिए कैसे उन्हें 3 साल तक लंबा इंतजार करना पड़ा. युवराज के मुताबिक जब वो हेजल से कॉफी के लिए कहते थे तो वो हां में जवाब देती थी लेकिन उसके बाद वो अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर लेती थीं. ताकि नहीं आना पड़े. युवराज के साथ ऐसा तकरीबन 7 से 8 बार हुआ था.

कॉमन फ्रेंड के जरिए युवराज की मुलाकात हेजल से हुई थी

युवराज सिंह ने तब बताया था कि हेजल से उनकी पहली मुलाकात कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी. इसके बाद दोनों लगातार मिलने लगे. कुछ समय बाद युवराज ने मौका देखकर हेजल को प्रपोज किया और इस हसीना ने भी युवराज को मना नहीं किया. युवी ने ये भी बताया था कि हेजल को क्रिकेट में कोई दिलचस्पी नहीं है. तब हेजल को ये भी नहीं पता था कि युवराज किस टीम से खेलते हैं. जब शादी की बात आई तब युवराज सिंह की मां शबनम सिंह को हेजल पसंद नहीं थीं. शबनम सिंह एक्ट्रेस हेजल के बोल्ड लुक से चिंतित थीं. हालांकि बाद में हेजल ने युवराज की मां का दिल जीत लिया.

हेजल की मुस्कान पर फिदा थे युवराज सिंह

हेजल की मुस्कान पर युवराज सिंह फिदा थे. युवराज ने ये भी बताया था कि बॉलीवुड फिल्म 'बॉडीगार्ड' में उन्हें हेजल कीच का काम बहुत पसंद आया था. वहीं, कपिल शर्मा शो में हेजल कीच ने बताया कि पार्टी में मिलने के बाद युवराज ने उनसे कॉफी पर चलने के लिए कहा था. हेजल ने ये भी खुलासा किया था क्यों वो मोबाइल को स्विच ऑफ कर लेती थीं. हेजल का कहना था कि वो युवराज को कोई गलत मैसेज नहीं देना चाहती थी और इनकार कर उनके इगो को हर्ट नहीं करना चाहती थी. इसलिए वह अपना फोन बंद कर देती थीं.

संत बाबा राम सिंह ने हेजल को दिया था गुरबसंत कौर नाम

हेजल कीच को गुरबसंत कौर नाम संत बाबा राम सिंह जी ने दिया था. युवी की मां शबनम सिंह संत और डेरा के फॉलोअर हैं. सिख रिति रिवाज से शादी के बाद दोनों ने एक सप्ताह बाद फिर से हिंदू रिति रिवाज से शादी की. युवराज सिंह ने जब हिंदू रिति रिवाज से शादी की उस समय वह बुलेट पर सवार होकर आए थे. 25 जनवरी 2022 को युवराज सिंह और हेजल कीच बेटे के माता-पिता बने. युवराज और हेजल ने अपने बेटे को ओरियन नाम दिया है. साल 2023 में युवी के घर लक्ष्मी का आगमन हुआ. हेजल ने बिटिया को जन्म दिया जिसका नाम ऑरा है.

UPI फेक या रियल अब हर ट्रांजैक्शन पर रखेगा SEBI नजर, नहीं होगी धोखाधड़ी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए अब लेन-देन और ज्यादा सुरक्षित और पारदर्शी हो जाएगा. बाजार नियामक सेबी (SEBI) ने Valid UPI नाम से एक नया और यूनिक पेमेंट सिस्टम लॉन्च किया है, जो 1 अक्टूबर 2025 से पूरे देश में लागू होगा. इस सिस्टम के जरिए निवेशक अब केवल सेबी से रजिस्टर्ड ब्रोकर, म्यूचुअल फंड, रिसर्च एनालिस्ट या इन्वेस्टमेंट एडवाइजर को ही भुगतान कर सकेंगे.

क्या है Valid UPI सिस्टम?

इस नई व्यवस्था के तहत हर रजिस्टर्ड ब्रोकर या मार्केट इंटरमीडियरी को एक विशेष PI ID दी जाएगी, जिसमें ब्र।इयूड्रस हैंडल होगा. इस ढ्ढड्ड पर एक ग्रीन थम्ब्स-अप का चिन्ह भी दिखेगा, जो यह पुष्टि करेगा कि संबंधित संस्था सेबी द्वारा अधिकृत है. इससे निवेशकों को यह पहचानने में आसानी होगी कि उनका पैसा सही और प्रमाणिक संस्था को जा रहा है या नहीं.

धोखाधड़ी से बचाएगा Valid

सेबी चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने कहा कि, हम UPI इकोसिस्टम में ऐसा मैकेनिज्म ला रहे हैं जिससे यह पता लगाया जा सके कि कोई UPI एड्रेस असली है या नहीं. सेबी का मानना है कि इससे फर्जी संस्थाओं के जाल में फंसने की आशंका घटेगी और निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा. यह सिस्टम NPCI, बैंकों और अन्य बाजार नियामकों के साथ मिलकर तैयार किया गया है.

SEBI Check से करें वेरिफिकेशन

इसके साथ ही सेबी ने SEBI Check नामक एक अतिरिक्त सुविधा भी शुरू की है, जिसके जरिए निवेशक किसी भी ब्रोकर या संस्थान की UPI ढ्ढड्ड की वैधता क्तक्र कोड स्कैन करके या ID डालकर जांच सकते हैं.

ढ्ढड्ड के ज़रिए मार्केट लेनदेन की सीमा ?5 लाख प्रतिदिन तय की गई है.निवेशक केवल सेबी मान्यता प्राप्त संस्थाओं को ही भुगतान कर पाएंगे. पूरी प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और सुरक्षित होगी.

सेबी का यह नया Valid सिस्टम निवेशकों को फर्जीवाड़ों से बचाने और शेयर बाजार में सुरक्षित लेन-देन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा और क्रांतिकारी कदम है. इसके लागू होने से निवेशकों के मन में विश्वास और पारदर्शिता की भावना और मजबूत होगी.

6 साल के निचले स्तर पर आ सकती है खुदरा महंगाई

नई दिल्ली। भारत की खुदरा महंगाई दर मई महीने में घटकर 3.0त्न तक पहुंच सकती है, जो अप्रैल के 3.2त्न से कम है. अगर यह अनुमान सही साबित हुआ तो खुदरा महंगाई पिछले छह वर्षों के सबसे निचले पर पहुंच जाएगी। मिंट के सर्वे में यह अनुमान जताया गया है। खुदरा मुद्रास्फीति के आधिकारिक आंकड़े गुरुवार को जारी होंगे। भारत में खुदरा महंगाई दर अप्रैल 2025 में घटकर 3.16त्न रह गई, जो जुलाई 2019 के बाद का सबसे निचला स्तर है। मार्च में यह 3.34त्न थी। यह आंकड़ा आरबीआई के 4त्न (±w%) लक्ष्य से भी कम है और लगातार तीसरे महीने ऐसा हुआ है।

खाने-पीने की चीजें सस्ती हुईं- सब्जियों, फलों, दालों और प्रोटीन वाले सामान की कीमतें घटीं। खाद्य महंगाई दर अप्रैल में 1.78त्न रही, जो पिछले साल इसी महीने 8.7त्न थी। गर्मी के बावजूद रबी की फसल अच्छी हुई। इस साल मानसून भी बेहतर रहने का अनुमान है.मिंट के सर्वे में शामिल 15 अर्थशास्त्रियों के मुताबिक, चूंकि खाद्य पदार्थ महंगाई की गणना में 40त्न हिस्सा रखते हैं, इसलिए इनकी कीमतों में बदलाव का असर सीधे महंगाई दर पर पड़ता है। वहीं, सर्वे में यह भी कहा गया है कि समग्र महंगाई दर के लगातार चौथे महीने 4त्न से नीचे रहने के बावजूद कोर मुद्रास्फीति (जो खाद्य, ईंधन और बिजली को छोड़कर गणना की जाती है) अप्रैल के 4.13त्न से थोड़ी बढ़ सकती है। फिर भी, अर्थशास्त्री इसे महंगाई के लिए बड़ा खतरा नहीं मानते।

आगे ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश कम

महंगाई में तेज गिरावट को देखते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले सप्ताह रेपो रेट में .50 प्रतिशत की कटौती की थी, जबकि विशेषज्ञों को केवल .25 फीसदी की कटौती की उम्मीद थी। आरबीआई ने यह भी संकेत दिया है कि साल के अंत तक महंगाई चार फीसदी से नीचे रहेगी लेकिन ब्याज दरों में और कटौती की गुंजाइश कम है। मौद्रिक नीति समिति ने कहा है कि फरवरी 2025 से लगातार रेपो दर में एक फीसदी की कटौती के बाद और राहत की गुंजाइश सीमित है।

भविष्य का अनुमान

आरबीआई को उम्मीद है कि 2025-26 में महंगाई दर औसतन 4त्न रहेगी, जो तिमाही के हिसाब से कुछ इस तरह रह सकती है...

प्रैल-जून (पहली तिमाही): 3.6%

जुलाई-सितंबर (दूसरी तिमाही): 3.9%

अक्टूबर-दिसंबर (तीसरी तिमाही): 3.8%

जनवरी-मार्च (चौथी तिमाही): 4.4%

आरबीआई सतर्क

आरबीआई का कहना है कि भविष्य में सामान्य से बेहतर मानसून और इसके जल्दी आने की संभावना खरीफ फसल की संभावनाओं के लिए अच्छे संकेत है। रबी फसल के मौसम में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन और प्रमुख दालों के उच्च उत्पादन से प्रमुख खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। अनुकूल पूर्वानुमान के बावजूद, वह मौसम संबंधी अनिश्चितताओं और वैश्विक स्तर पर जिंस की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ शुल्क संबंधी चिंताओं को लेकर सतर्क रहेगा।

अब हर किसी को मिल सकेगा तत्काल टिकट, एजेंटों की बढ़ेगी मुश्किल, आम जनता के लिए पहला 30 मिनट

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने यात्रियों को राहत देते हुए तत्काल टिकट बुकिंग सिस्टम में बड़ा बदलाव किया है. अब तत्काल टिकट बुकिंग शुरू होते ही पहले 30 मिनट केवल आम यात्रियों के लिए आरक्षित रहेंगे. इस दौरान किसी भी अधिकृत एजेंट या थर्ड पार्टी प्लेटफॉर्म को टिकट बुक करने की अनुमति नहीं होगी. यह फैसला रेलवे ने टिकट बुकिंग में पारदर्शिता बढ़ाने और एजेंटों की मनमानी रोकने के उद्देश्य से लिया है.

अब तक देखा गया है कि तत्काल टिकट बुकिंग खुलते ही कुछ ही मिनटों में सारे टिकट बुक हो जाते थे, जिनमें बड़ी संख्या में टिकट एजेंटों के द्वारा ब्लॉक कर लिए जाते थे. इससे आम यात्री वंचित रह जाते थे और उन्हें अधिक पैसे देकर एजेंटों से टिकट खरीदने पड़ते थे. रेलवे के इस नए नियम से अब आम लोगों को प्राथमिकता मिलेगी और उन्हें टिकट बुक करने का उचित मौका मिलेगा.

कैसे काम करेगी रेलवे की नई

व्यवस्था

रेलवे ने बताया कि इस नई व्यवस्था के तहत सुबह 10 बजे एसी कोटा और 11 बजे स्लीपर कोटा की तत्काल बुकिंग जब शुरू होती है, तो शुरुआती 30 मिनट केवल आम यात्रियों के लिए होंगे. इसके बाद ही एजेंट या बुकिंग सर्विस प्रोवाइडर टिकट बुक कर सकेंगे.

AI चैटबॉट रखेगा टिकट बुकिंग पर नजर

इसके अलावा रेलवे ने डिजिटल सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत किया है. अब टिकट बुकिंग प्रक्रिया पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित निगरानी रखी जाएगी, जो किसी भी संदिग्ध गतिविधि या बॉट के जरिए बुकिंग को तुरंत पहचान लेगा और उस पर कार्रवाई करेगा.यह कदम रेलवे की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और ग्राहक केंद्रित नीतियों का हिस्सा है. इससे न केवल बुकिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी, बल्कि एजेंटों के माध्यम से टिकट ब्लैकिंग और अवैध वसूली पर भी अंकुश लगेगा. रेलवे के इस निर्णय का स्वागत यात्रियों द्वारा किया जा रहा है. यह आम जनता को टिकट बुकिंग में बराबरी का मौका देने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास माना जा रहा है. उम्मीद की जा रही है कि इससे यात्रियों की असुविधा कम होगी और एजेंटों की पकड़ ढीली पड़ेगी.

सस्ता हो गया होम और कार लोन, इन तीन बैंकों ने दिया बड़ा तोहफा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के पिछले सप्ताह रेपो रेट में 0.5 फीसदी घटाकर 5.5 फीसदी कर दिया था. साथ ही नकद आरक्षित अनुपात (CRR) में भी 1 प्रतिशत की कटौती आरबीआई ने कर दी थी. रेपो रेट में कटौती के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने भी अब लोन पर ब्याज दरों में कमी करना शुरू कर दिया है. तीन सरकारी बैंकों, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक (IOB) ने लोन की ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत तक की कटौती की घोषणा कर दी है. विशेषज्ञों के अनुसार, बैंकों के इस कदम से होम, ऑटो, व्यक्तिगत और एमएसएमई लोन लेने वालों को राहत मिलेगी, जिससे आम लोगों की जेब पर बोझ कुछ कम हो सकेगा.

इससे पहले बैंक ऑफ बड़ौदा (BoB) ने भी अपनी त्रस्रक्रमें 0.50 प्रतिशत की कटौती की थी. वहीं, प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपनी कोष की सीमांत लागत आधारित उधार दर (MCLR) में विभिन्न अवधियों के लिए 0.10 प्रतिशत तक की कटौती की है. इससे उन ग्राहकों को फायदा मिलेगा जिनके ऋण MCLR से जुड़े हैं.यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपने बाह्य मानक आधारित ब्याज दर (EBLR) और रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (RLLR) में 0.50 प्रतिशत की कटौती की है. बैंक ने बताया कि यह फैसला आरबीआई की रेपो दर में कटौती के अनुपालन में लिया गया है. इससे बैंक से जुड़े उपभोक्ताओं को अब सस्ती दरों पर कर्ज मिल सकेगा.

क्या है ये लिक्विड गोल्ड यूएई, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से क्यों बढ़ गया है इसका इंपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में वर्षों से सोने की तस्करी की घटनाएं सामने आती रही हैं, जिसमें सोने को शरीर या सामान में छिपाकर सीमा शुल्क से बचा कर लाया जाता था. लेकिन अब चतुर आयातकों ने बिना कस्टम ड्यूटी चुकाए सोना भारत लाने का तरीका खोज लिया है. ये लोग 'लिक्विड गोल्ड ' यानी सोने के रासायनिक यौगिकों के रूप में बिना कोई कस्टम ड्यूटी दिए ही बड़ी मात्रा में सोना देश में ला रहे हैं. 'लिक्विड गोल्ड ' में सोने को अन्य रासायनिक तत्वों के साथ मिलाकर यौगिक बनाया जाता है, जिनका इस्तेमाल मुख्यत

उद्योगों में होता है. इसे भारत की उन साझेदार देशों जैसे संयुक्त अरब अमीरात, जापान और ऑस्ट्रेलिया से मंगाया जाता है, जिनसे भारत की मुक्त व्यापार संधि है. इन संधियों के तहत ऐसे यौगिकों पर कोई आयात शुल्क नहीं लगता, जबकि सामान्य सोने पर 6त्न तक का शुल्क चुकाना पड़ता है.

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से मार्च 2025 की तिमाही में तरल सोने के आयात में जबरदस्त उछाल आया है. वाणिज्यिक खुफिया और सांख्यिकी महानिदेशालय (DGCIS) के अनुसार, इस दौरान देश में 69,879 किलोग्राम लिक्विड गोल्ड आयात हुआ, जो पिछले साल की तुलना में 9.25 गुना और पिछली तिमाही की तुलना में 2.84 गुना अधिक है. इसका कुल मूल्य लगभग 1.29 अरब डॉलर आंका गया है. FY21 में लिक्विड गोल्ड का आयात केवल 2,143 किलोग्राम था, जो FY25 में बढ़कर 1,27,886 किलोग्राम तक पहुंच गया है. बजट 2025 में किए गए नीतिगत बदलावों के बाद इसमें और तेजी देखी गई है.टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, लिक्विड गोल्ड के मुकाबले पारंपरिक रूप से आयात किए गए सोने की मात्रा में 51.2त्न की गिरावट दर्ज की गई है और यह 9.5 अरब डॉलर पर सिमट गया है. इससे स्पष्ट है कि तरल सोने के जरिए आयातकों ने कस्टम ड्यूटी से बचने का आसान रास्ता अपनाया है, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हो रहा है.

अनिल अंबानी की बहुत बड़ी जीत, MMRDA देगा 1,169 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। अनिल अंबानी को लेकर एक बड़ी राहतभरी खबर आ रही है. मुकेश अंबानी के भाई अनिल अंबानी को एक बड़ी कानूनी जीत मिली है. बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई मेट्रो वन प्राइवेट लिमिटेड (MMOPL) के पक्ष में फैसला सुनाया है, जो रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की एक सब्सिडियरी कंपनी है. कोर्ट ने मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MMRDA) को आदेश दिया है कि वह MMOPL को ?1,169 करोड़ का भुगतान करे.

क्या है मामला?

यह विवाद मुंबई मेट्रो लाइन 1 (वर्सोवा-अंधेरी-घाटकोपर) को लेकर था, जिसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल पर बनाया गया था. इस प्रोजेक्ट को MMOPL द्वारा विकसित और संचालित किया गया था, जिसमें रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की बड़ी हिस्सेदारी है. रुस्रड्डह्र और रिलायंस ग्रुप के बीच परियोजना की लागत और भुगतान को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था.MMOPL ने दावा किया था कि

उसने परियोजना में काफी अधिक निवेश किया, लेकिन अपेक्षित भुगतान नहीं किया गया. इसके जवाब में कंपनी ने अदालत का रुख किया.

कोर्ट का आदेश

बॉम्बे हाईकोर्ट ने MMOPL के दावों को सही ठहराते हुए MMRDA को ?1,169 करोड़ का भुगतान करने का आदेश दिया है. कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह भुगतान कानूनी और संविदात्मक शर्तों के अनुसार जायज है.

अनिल अंबानी के लिए बड़ी जीत

यह आदेश अनिल अंबानी की रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है, जो पिछले कुछ वर्षों से आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही है. इस फैसले से कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूती मिलने की उम्मीद है. एमएमओपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और एमएमआरडीए के बीच एक जॉइंट वेंचर है. यह वर्सोवा-अंधेरी-घाटकोपर कॉरिडोर पर मुंबई की पहली मेट्रो लाइन का संचालन करता है.

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के पास 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि बाकी स्वामित्व एमएमआरडीए के पास है.अनिल अंबानी का कमबैक

अनिल अंबानी की कारोबारी गिरावट काफी फ़िल्मी रही है.

अब AT से निकाल सकेंगे PF का पैसा, जून में शुरू होगी सुविधा, जानिए पूरा प्रोसेस

नई दिल्ली। नौकरीपेशा लोगों की जिंदगी में सैलरी का रोल बड़ा होता है. इसी से घर का खर्च चलता है, बच्चों की फीस भरी जाती है, और भविष्य के लिए कुछ बचत भी होती है. बात जब भविष्य की बचत की आती है, तो सरकार ने इसके लिए एक सॉलिड सिस्टम बनाया है – कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, यानी EPFO. ये वो संस्था है जो नौकरी करने वालों के लिए PF अकाउंट खोलती है, जिसमें हर महीने उनकी सैलरी का एक हिस्सा जमा होता है. अब यही EPFO अपने करोड़ों मेंबर्स के लिए एक बड़ी खुशखबरी लेकर आ रहा है. जल्द ही आप अपने PF के पैसे को ATM से निकाल पाएंगे, वो भी बिना किसी झंझट के.EPFO इस महीने, यानी जून 2025 में, अपना नया डिजिटल प्लेटफॉर्म EPFO 3.0 लॉन्च करने जा रहा है. इस नए सिस्टम के तहत PF खाताधारकों को

कई धांसू सुविधाएं मिलेंगी, जिनमें सबसे बड़ी है ATM से पैसे निकालने की सुविधा.

EPFO 3.0: क्या है ये नया सिस्टम?

EPFO 3.0 कर्मचारी भविष्य निधि संगठन का एक अपग्रेडेड वर्जन है, जो पूरी तरह डिजिटल और यूजर-फ्रेंडली होने वाला है. अभी तक PF का पैसा निकालने के लिए आपको ढेर सारी कागजी कार्रवाई करनी पड़ती थी. फॉर्म भरना, दस्तावेज जमा करना, और फिर हफ्तों तक इंतजार करना कि पैसा आपके खाते में आएगा या नहीं. लेकिन EPFO 3.0 के साथ ये सारी टेंशन खत्म होने वाली है.इस नए प्लेटफॉर्म का मकसद है कि PF से जुड़ी हर प्रक्रिया को इतना आसान कर दिया जाए कि आप घर बैठे, या फिर,ज्ररू पर जाकर, अपने पैसे निकाल सकें. ये सिस्टम एक हाई-टेक ढ्ढञ्ज प्लेटफॉर्म पर बेस्ड है, जो न सिर्फ तेज है, बल्कि ट्रांसपेरेंट भी है. यानी, आपको हर स्टेप की जानकारी मिलेगी, और कोई भी गड़बड़ी होने की गुंजाइश कम होगी.

केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि EPFO 3.0 मई या जून 2025 में लॉन्च होगा और अब, जून आ चुका है, तो खबरें हैं कि ये सुविधा किसी भी दिन शुरू हो सकती है. इसका सबसे बड़ा फायदा उन 9 करोड़ से ज्यादा EPF मेंबर्स को मिलेगा, जो अपने रिटायरमेंट फंड को आसानी से एक्सेस करना चाहते हैं.

ATM से PF निकालने का प्रोसेस

अब सवाल ये है कि आखिर आप अपने PF का पैसा से कैसे निकाल पाएंगे? क्या इसके लिए कोई स्पेशल कार्ड मिलेगा? या फिर कोई और प्रोसेस फॉलो करना होगा? चलिए, इसे आसान भाषा में समझते हैं.

1- UAN को करना होगा बैंक से लिंक: ATM से पीएफ निकालने के लिए आपका यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (UAN) एक्टिवेटेड होना जरूरी है. इसके. साथ ही आपके बैंक अकाउंट और आधार का लिंक होना बेहद जरूरी है. इसके लिए आखिरी तारीख 30 जून तय की गई है2- ATM पर जाएं- सब कुछ लिंक होने के बाद आपको किसी भी ज्ररू पर जाना होगा। वहां इस कार्ड को डालकर आप अपने PF अकाउंट से पैसे निकाल सकते हैं.

3- निकासी की लिमिट- शुरुआत में आप अपने PF अकाउंट में जमा कुल राशि का 50त्न तक निकाल सकेंगे। यानी, अगर आपके अकाउंट में 10 लाख रुपये हैं, तो आप 5 लाख तक निकाल सकते हैं.

ईरान या इजराइल किससे भारत लेता और देता है सबसे ज्यादा सामान हर साल होता है अरबों का कारोबार

नई दिल्ली। ईरान दुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल उत्पादक और मिडिल ईस्ट में नंबर एक उत्पादक है. Iran में बीते साल 2023 में 2023 में 2.4 मिलियन बैरल क्रूड ऑयल का हर दिन प्रोडक्शन हुआ था. तेल भंडार का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अपने उत्पादन का लगभग आधा कच्चा तेल ईरान दूसरे देशों को बेचता है और सबसे बड़ा खरीदार चीन (China) है. ईरान में तेल की 10 बड़ी रिफाइनरी है, जिनमें से सिर्फ तीन से प्रति दिन 3,70,000 बैरल तेल का उत्पादन होता है.न केवल कच्चा तेल, बल्कि भारत ईरान से कई अन्य सामान भी आयात करता है और जंग के हालात में इन जरूरी सामानों के बिजनेस को लेकर भी चिंता बढ़ गई है. बता दें कि ईरान से कच्चे तेल के अलावा सूखे मेवे, केमिकल और कांच के बर्तन भारत आते हैं. वहीं भारत की ओर से ईरान पहुंचने वाले प्रमुख सामानों की बात करें, तो बासमती चावल का ईरान बड़ा आयातक है.न केवल कच्चा तेल, बल्कि भारत ईरान से कई अन्य सामान भी आयात करता है और जंग के हालात में इन जरूरी सामानों के बिजनेस को लेकर भी चिंता बढ़ गई है. बता दें कि ईरान से कच्चे तेल के अलावा सूखे मेवे, केमिकल और कांच के बर्तन भारत आते हैं. वहीं भारत की ओर से ईरान पहुंचने वाले प्रमुख सामानों की बात करें, तो बासमती चावल का ईरान बड़ा आयातक है.ईरान वित्त वर्ष 2014-15 से भारतीय बासमती चावल का दूसरा सबसे बड़ा आयातक देश रहा है और वित्त वर्ष 2022-23 में 998,879 मीट्रिक टन भारतीय चावल खरीदा था. बासमती चावल के अलावा भारत ईरान को चाय, कॉफी और चीनी का भी निर्यात करता है.आंकड़े देखें तो

भारत हर साल ईरान को 4 करोड़ किलो चाय का निर्यात करता है. इसके अलावा कुल चावल निर्यात का 19त्न के आस-पास ईरान को निर्यात होता है, जो करीब 60 करोड़ डॉलर का होता है. हालिया तनाव से देश के चावल और चाय निर्यातकों की मुश्किलें बढ़ने की आशंका बढ़ गई है.आंकड़े देखें तो भारत हर साल ईरान को 4 करोड़ किलो चाय का निर्यात करता है. इसके अलावा कुल चावल निर्यात का 19त्न के आस-पास ईरान को निर्यात होता है, जो करीब 60 करोड़ डॉलर का होता है. हालिया तनाव से देश के चावल और चाय निर्यातकों की मुश्किलें बढ़ने की आशंका बढ़ गई है.भारत का व्यापारिक भागीदार सिर्फ ईरान ही नहीं बल्कि इजरायल भी है. साल 2023 में भारत का इजरायल के साथ 89000 करोड़ रुपये का कारोबार रहा. भारत इजरायल को तराशे हुए हीरे, ज्वेलरी, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग सामान सप्लाई करता है. वहीं इजरायल भारत को बड़ी मात्रा में सैन्य हथियार निर्यात करता है.भारत का व्यापारिक भागीदार सिर्फ ईरान ही नहीं बल्कि इजरायल भी है. साल 2023 में भारत का इजरायल के साथ 89000 करोड़ रुपये का कारोबार रहा. भारत इजरायल को तराशे हुए हीरे, ज्वेलरी, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग सामान सप्लाई करता है. वहीं इजरायल भारत को बड़ी मात्रा में सैन्य हथियार निर्यात करता है.

टाटा के इस शेयर पर एनालिस्ट चिंतित, दे दी चेतावनी, शेयर बेचने की होड़

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयर में आज गुरुवार को गिरावट देखी गई। कंपनी के शेयर आज 1.5त्न तक की गिरावट के साथ 726.50 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए। शेयरों में इस गिरावट के पीछे कुछ निगेटिव खबर है। दरअसल, ब्रोकरेज फर्म एचएसबीसी ने पैसेंजर और कमर्शियल वाहन निर्माताओं पर अपने लेटेस्ट नोट में चेतावनी दी है कि टाटा मोटर्स लिमिटेड को चार निगेटिव जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है, जिसमें स्थानीय मुद्रा में मजबूती से लेकर अधिक छूट तक शामिल है।क्या है डिटेल?एचएसबीसी ने टाटा मोटर्स पर ?770 के टारगेट प्राइस के साथ 'होल्ड' करने की सिफारिश की है, जो सोमवार के समापन स्तर से 5त्न की संभावित बढ़त दिखाता है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले ब्रिटिश पाउंड में तेजी। स्टर्लिंग में हर 1त्न की तेजी से लिए,

जगुआर लैंड रोवर (JLR) के मार्जिन में 20 आधार अंकों की गिरावट आ सकती है। नए मॉडलों में अप्रत्याशित डिजाइन दोष ब्रांड की धारणा और बिक्री को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अमेरिका, मेनलैंड चीन और यूरोप जैसे प्रमुख बाजारों में उम्मीद से अधिक प्रोत्साहन भी छ्वरुक्र के मार्जिन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। टाटा मोटर्स की यूके इकाई, जगुआर लैंड रोवर, चालू वर्ष के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा करने के लिए 16 जून को अपना निवेशक दिवस आयोजित करेगी। अंत में, रेंज रोवर के भीतर आगामी बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (BEV) की कम स्वीकृति, विशेष रूप से जगुआर ब्रांडों में, वॉल्यूम को नुकसान पहुंचा सकती है।

एनालिस्ट की राय

टाटा मोटर्स पर कवरेज करने वाले 35 विश्लेषकों में से 18 ने खरीदें रेटिंग दी है, 11 ने ÷होल्ड÷ कहा है, जबकि छह ने बेचें की सिफारिश की है। टाटा मोटर्स के शेयर वर्तमान में 1त्न कम होकर ?728.65 पर कारोबार कर रहे हैं। स्टॉक एक महीने और साल-दर-साल की अवधि में स्थिर बना हुआ है।

कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी तो क्यों उछलने लगे इन ऑयल कंपनियों के शेयर

नई दिल्ली। आज गिरावट भरे शेयर मार्केट में ONGC और Oil India के शेयरों में 4त्न तक की तेजी आई। ऐसा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से हुआ। जब कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं, तो ओएनजीसी और ऑयल इंडिया जैसी कंपनियों को तेल बेचकर होने वाली कमाई बेहतर होने की उम्मीद बढ़ जाती है। ONGC का शेयर आज ?251.05 पर खुला और सुबह में ही ?255.15 के उच्चस्तर तक पहुंच गया।

क्यों बढ़े कच्चे तेल के दाम?

हाल ही में मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और सुरक्षा खतरों के कारण कच्चे तेल के दाम उछले हैं। अप्रैल में ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत लगभग 61 डॉलर प्रति बैरल थी, जो अब बढ़कर 69 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है।जियोजीत के एक्सपर्ट डॉ. वी.के. विजयकुमार ने कहा,÷तेल की कीमतों में यह उछाल मध्य पूर्व में खतरों की वजह से आया है। ONGC और Oil India के शेयरों पर इसका सकारात्मक असर दिख सकता है।÷

कंपनियों के लिए क्यों अच्छी खबर है?पिछले कुछ समय से कच्चे तेल के दाम गिर रहे थे, जिससे ONGC और ह्रद्बद्य ढ्ढठ्ठस्रद्बड्ड की कमाई पर चिंता बनी हुई थी। मार्च 2025 तक के तिमाही नतीजों में विंडफॉल टैक्स लगने से पहले ONGC की प्रति बैरल कमाई में 9त्न की गिरावट आई थी। ऐसे में तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों के मनोबल को बढ़ाया है।

पिछले महीने क्या हाल रहा?

पिछले तीन महीनों (मई 23 तक) में ह्रहृत्रष्ट का शेयर प्राइस सपाट चल रहा था और यह निफ्टी से पिछड़ रहा था (जो 8त्न चढ़ा था)। एलारा सिक्योरिटीज़ के मुताबिक, तेल की गिरती कीमतों ने अगले तीन साल में तेल-गैस उत्पादन बढ़ने की संभावना को कमजोर कर दिया था।

विशेषज्ञ मानते हैं कि ONGC और Oil India की कमाई तभी मजबूत होगी, जब कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर टिकी रहेंगी।

(डिस्क्लेमर- एक्सपर्ट्स की सिफारिशें, सुझाव, विचार और राय उनके अपने हैं, लाइव हिन्दुस्तान के नहीं। यहां सिर्फ शेयर के परफॉर्मेंस की जानकारी दी गई है, यह निवेश की सलाह नहीं है। शेयर बाजार में निवेश जोखिमों के अधीन है और निवेश से पहले अपने एडवाइजर से परामर्श कर लें।)

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं। पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।